राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
सत्य, निष्पक्ष भारत
नई दिल्ली, हरियाणा व उत्तराखंड से प्रकाशित
email:-uttambharat05@gmail.com

उत्तम भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी, विक्रम संवत् 2082 ▸▸ वर्ष: 10 ▸▸ अंक: 222 ▸▸ नई दिल्ली ▸▸ शनिवार, 29 अगस्त 2026 ▸▸ मूल्य: 3.00 ▸▸ पृष्ठ: 12, (www.uttambharatnews.com), RNI No. DELHIN/2017/75336

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग....

बच्चों के बीच मनाया मोदी ने रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। समारोह की तस्वीरों में उन्हें बच्चों के साथ हाई-फाइव करते और मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा आज के रक्षाबंधन समारोह के दौरान हाई-फाइव, मुस्कान और बहुत कुछ। प्रधानमंत्री मोदी ने कामना की कि यह त्योहार लोगों के बीच स्नेह और सद्भाव के बंधन को और मजबूत करे तथा सभी के लिए खुशी, समृद्धि और आनंद लाए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों और छात्रों के साथ यह त्योहार मनाया। एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में विभिन्न स्कूलों और संगठनों के बच्चों और छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया। राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षाबंधन का महत्व भाई-बहन के रिश्ते से कहीं ज्यादा है। उन्होंने कहा कि राखी का पवित्र धागा परिवार के सदस्यों, दोस्तों और यहाँ तक कि पेड़ों पर भी बांधा जा सकता है, जो प्यार और देखभाल के बंधन का प्रतीक है। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने बच्चों से पेड़-पौधों की देखभाल करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रक्षाबंधन के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपनी शुभकामनाएं दीं और रक्षाबंधन को स्नेह और मजबूत मानवीय रिश्तों का प्रतीक त्योहार बताया और कामना की कि यह पवित्र त्योहार सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लाए।

श्री मोदी ने कहा, ₹रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पवित्र त्योहार आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लाए। उन्होंने उम्मीद जतायी कि लोगों के बीच प्यार, अपनापन और आपसी भरोसे का बंधन मजबूत और कायम रहेगा। उन्होंने कहा, स्नेह, अपनापन और आपसी भरोसे का धागा हमेशा अटूट रहे। यही मेरी दिली कामना है।

नेपाल में अब एक बड़ी बैरियर झील टूटी, निचले इलाकों में बढ़ा खतरा

● जयशंकर ने लिया हालात का जायजा ● मरने वालों की संख्या 530 से ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को बाढ़ से प्रभावित नेपाल में चल रहे बचाव और राहत कार्यों का जायजा लिया। पड़ोसी देश को रसुवा ज़िले में आई भयानक अचानक बाढ़ के बाद एक बैरियर झील के टूटने से नए खतरे का सामना करना पड़ रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत इस स्थिति को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दे रहा है और आपदा से प्रभावित भारतीय नागरिकों की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने काठमांडू और बीजिंग में भारतीय दूतावासों के साथ बातचीत की और विदेश मंत्रालय के संबंधित विभागों से ताजा घटनाक्रम और नेपाल के लिए तैयार की जा रही अतिरिक्त राहत सामग्री के बारे में जानकारी ली।

जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा कि नेपाल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों पर चर्चा की। काठमांडू और बीजिंग में हमारे दूतावासों ने भारतीय नागरिकों की स्थिति और उनकी खैरियत के बारे में ताजा जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के संबंधित विभागों ने हमें नेपाल भेजी जाने वाली अतिरिक्त राहत सामग्री के बारे में बताया। हम इस मुद्दे को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देते हैं।

रासुवा में अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई

यह संकट 26 अगस्त को शुरू हुआ जब तिब्बत-नेपाल सीमावर्ती इलाके में अचानक जबरदस्त बाढ़ आई। इससे पानी, गाद और बड़े-बड़े पत्थर भोटेकोशी नदी प्रणाली और निचले इलाकों में तेजी से बहने लगे। इस आपदा ने नेपाल के रासुवा ज़िले में भारी तबाही मचाई, जिससे सड़कें, पुल, इमारतें और अन्य बुनियादी ढाँचे क्षतिग्रस्त हो गए। बचाव दल अचानक आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में बचे हुए लोगों को खोजने और शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। नेपाल से मिली खबरों के अनुसार, मरने वालों की संख्या 530 से ज्यादा हो गई है, जबकि सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं।

नेपाल में बाढ़ के बीच नागपुर के 106 लोग सुरक्षित

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के 106 लोग नेपाल में अचानक आयी बाढ़ से सुरक्षित हैं। उन्होंने काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर इलाके में शरण ली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह समूह नेपाल के कई हिस्सों में आयी भयानक बाढ़ के बाद फंस गया था। बाढ़ से परिवहन और संचार नेटवर्क में रुकावट आयी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बाढ़ में फंसे हुए यात्रियों और उनके परिवारों की अपील के बाद हस्तक्षेप करते हुए उनकी सुरक्षित वापसी के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया। उन्होंने बताया कि फंसे हुए नागपुर के लोगों ने तब से स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की देखरेख में अपने घर वापसी का सफर शुरू कर दिया है।

चीनी मिलों को बिक्री का कोटा अब महीने में दो बार मिलेगा

सरकार ने कहा-चीनी के दामों में भी आ रही गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि चीनी की खुदरा कीमतों में नरमी आनी शुरू हो गई है और मिल स्तर पर कीमतें पिछले कुछ दिनों में करीब 20 प्रतिशत घट चुकी हैं। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि घरेलू बाजार में चीनी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने और कृत्रिम किल्लत रोकने के लिए सितंबर से मिलों को पखवाड़े के हिसाब से बिक्री कोटा दिया जाएगा। फिलहाल खाद्य मंत्रालय चीनी मिलों को बिक्री के लिए मासिक कोटा आवंटित करता है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर करीबी नजर रख रहा है तथा देश में चीनी की कोई कमी नहीं है। बयान के मुताबिक, चीनी मिलों में मौजूद स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया। इसमें कुछ मिलों के पास मासिक रिटर्न में घोषित मात्रा से अधिक भंडार पाया गया, जबकि कुछ मिलों ने उन्हें आवंटित मासिक कोटे से कम चीनी बेची। कुछ मामलों में महीने की शुरूआत में मिलों द्वारा बेची गई चीनी की आपूर्ति या खरीदारों द्वारा उठान महीने के अंत में किया जा रहा था। इससे बाजार में कृत्रिम किल्लत की स्थिति पैदा हुई। मंत्रालय ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए सितंबर से पखवाड़े के आधार पर कोटा व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत मिलों को पहले सप्ताह में आवंटित मात्रा की कम-से-कम 40 प्रतिशत चीनी बेचनी होगी और शेष मात्रा अगले सप्ताह में बेचनी होगी। इस पहल से मांग और आपूर्ति की स्थिति पर बेहतर नजर रखने, बाजार परिस्थितियों में बदलाव के अनुरूप तेजी से कदम उठाने और कृत्रिम किल्लत रोकने में मदद मिलेगी।

जरूरत पड़ने पर बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त भंडार जारी किया जा सकेगा। मंत्रालय ने कहा कि मिलों को बिक्री के सात दिन के भीतर चीनी की मिल से आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

ओणम शोभायात्रा के लिए केरल की राजधानी में यातायात प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के केरल दौरे और ओणम पर्यटन सप्ताह के समापन पर निकलने वाली भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा को देखते हुए केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 30 एवं 31 अगस्त को कड़े यातायात प्रतिबंध लागू किए गए हैं। उप राष्ट्रपति 30 अगस्त को शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। तिरुवनंतपुरम शहर पुलिस के अनुसार 30 अगस्त को दोपहर दो बजे से कवडियार से ईस्ट फोर्ट (वाया वेल्लायम्बलम, म्यूजियम, एलएमएस, स्टैच्यू, ओवरब्रिज, पझावंगडी) और इंचाक्कल बाईपास तक के मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। तायात व्यवस्था तिरुवनंतपुरम शहर की यातायात प्रवर्तन यूनिट के पुलिस सहायक आयुक्त द्वारा जारी की गई है। उपराष्ट्रपति के दौरे के कारण 31 अगस्त को सुबह पांच बजे से नौ बजे तक घरेलु हवाईअड्डा और शंघूमुखम क्षेत्रों से चाका और चाका से आसन स्क्वायर एवं लोक भवन की ओर वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। शोभायात्रा वाले मुख्य मार्ग और उससे जुड़ने वाली सहयोगी सड़कों पर वाहनों की पार्किंग पर पूरी तरह रोक है।

अमित ठाकरे की कैब ड्राइवरों को चेतावनी

कहा- मराठी नहीं बोली तो होगी पिटाई

मुंबई, एजेंसी।

मराठी भाषा के नियम को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अमित ठाकरे ने चेतावनी दी है कि जो ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर सिर्फ.हिंदी में बात करने की ज़िद करेंगे, उनकी पिटाई की जाएगी। एमएनएस नेता का यह बयान तब आया जब महाराष्ट्र सरकार ने गुरुवार को ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और कैब ड्राइवरों को काम-काज लायक मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि ड्राइवर संगठनों के प्रतिनिधियों ने और समय की मांग की थी, क्योंकि इस सेक्टर में अलग-अलग उम्र और शिक्षा-दीक्षा वाले लोग काम करते हैं। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने कहा कि अगर ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के हिंदी में बात करने या यात्रियों के साथ बदतमीजी से पेश आने की शिकायतें मिलीं, तो उनकी पार्टी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा अगर हमें पता चला कि कोई ऑटो-रिक्शा ड्राइवर हिंदी में बात कर रहा है या बदतमीजी से पेश आ रहा है, तो हम उसकी पिटाई करेंगे। अगर आप लोगों को परेशान करेंगे, तो आपकी पिटाई होगी। लोगों से यह मत कहिए कि उन्हें यूपी की भाषा या हिंदी बोलनी होगी। हम मराठी में बात करेंगे। इतना तो आप समझते ही होंगे।

ठाकरे ने कामकाज के लायक मराठी सीखने के लिए एक साल का समय और देने के फैसले को लेकर भी फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मराठी भाषा के बजाय उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनावों से जुड़ी राजनीतिक बातों को ज्यादा अहमियत दी जा रही है। उन्हें 10 साल का एक्सटेंशन दें। उन्हें 15 साल का एक्सटेंशन दें। हम समझ गए हैं कि आपको मराठी भाषा और हमारे राज्य से कितना लगाव है। ठाकरे ने आगे कहा, आप गुजरात, पंजाब या दक्षिण भारत में जाएं - हर जगह लोग अपनी भाषा से जुड़े होते हैं। अब, क्योंकि यूपी में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए आप एक साल का एक्सटेंशन दे रहे हैं।

यह एक साल का एक्सटेंशन ऐसे समय में दिया गया है जब राज्य सरकार के ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा के नियम को कानूनी चुनौती दी गई है। चार कैब ड्राइवरों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी है। महाराष्ट्र सरकार ने 12 अगस्त से कमर्शियल पैसेंजर गाड़ियों के ड्राइवरों - जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और ऐप-बेस्ड कैब ड्राइवर शामिल हैं - के लिए मराठी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य कर दिया था।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदला, आज भी होगी बारिश, पूरे हफ्ते बादलों की आवाजाही जारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

मानसून ट्रफ के लोकेशन में अचानक आए बदलाव का असर दिल्ली समेत पूरे एनसीआर क्षेत्र में साफ देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटों में मौसम ने करवट बदली और कई इलाकों में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिलसिला आज (28 अगस्त) भी जारी रहेगा और एनसीआर के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस पूरे हफ्ते मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा और बादलों की आवाजाही लगातार बनी रहेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आज 28 अगस्त को दिल्ली का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) का स्तर सुबह 80 प्रतिशत और शाम को 65 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज 'आम तौर पर बादलों से घिरा आसमान रहेगा और मध्यम बारिश' हो सकती है। हालांकि, इसके साथ कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। आने वाले दिनों की बात करें तो 29 और 30 अगस्त को मौसम में हल्का सुधार होने की संभावना है। इन दोनों दिन अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है। हालांकि, बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी और आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमान रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग का कहना है कि इन दो दिनों के दौरान किसी भी तरह की भारी बारिश की चेतावनी नहीं है। महीने के आखिरी दिन यानी 31 अगस्त को मौसम में नमी और बढ़ जाएगी। इस दिन तापमान 36 डिग्री से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि आर्द्रता का स्तर 85 से 70 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस दिन भी आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमान ही रहेगा और किसी प्रकार का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

सितंबर की शुरूआत में मौसम में थोड़ी गिरावट आ सकती है। 1 और 2 सितंबर को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है और आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, 1 और 2 सितंबर को भी आंशिक रूप से बादलों से घिरा आसमान रहेगा और बारिश की कोई गंभीर चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून ट्रफ के उत्तर की ओर शिफ्ट होने से इन दिनों नमी की मात्रा अधिक बनी हुई है।

भारत और कनाडा आर्थिक पूरकताओं के आधार पर मजबूत वित्तीय साझेदारी का निर्माण कर सकते हैं: सीतारमण

टोरंटो/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत और कनाडा के पास वित्तीय क्षेत्र में सहयोग को नई ऊंचाई तक ले जाने और दीर्घकालिक निवेश साझेदारियां विकसित करने का बड़ा अवसर है। उन्होंने दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच मौजूद पूरकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत और कनाडा मिलकर अधिक व्यापक और भविष्य उन्मुख आर्थिक संबंध स्थापित कर सकते हैं। टोरंटो में आयोजित उच्चस्तरीय भारत-कनाडा बिजनेस राउंडटेबल को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत अपनी विशाल बाजार क्षमता, तेज आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसर प्रदान करता है, जबकि कनाडा के पास दीर्घकालिक पूंजी, मजबूत संस्थागत ढांचा और वित्तीय विशेषज्ञता है। कार्यक्रम में कनाडा के वित्त एवं राष्ट्रीय राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन भी उपस्थित थे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सीतारमण ने कहा कि भारत और कनाडा के आर्थिक संबंधों में हाल के समय में नई गति देखने को मिली है और अब इस सकारात्मक माहौल को वित्तीय क्षेत्र में गहरे सहयोग तथा मजबूत निवेश साझेदारियों में परिवर्तित करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री ने पिछले एक दशक में भारत में हुए व्यापक आर्थिक और वित्तीय सुधारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एसेट क्वालिटी रिव्यू, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 4आर रणनीति और ईएएसई सुधारों जैसे कदमों ने भारतीय बैंकिंग प्रणाली को पहले की तुलना में अधिक मजबूत और स्थिर बनाया है। सीतारमण ने कहा, भारत और कनाडा अब यह तलाश रहे हैं कि डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वित्तीय सहयोग को और कैसे मजबूत किया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक कथित जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक युवा दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों साल 2024 से पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे और सोशल मीडिया के जरिए इस नेटवर्क से जुड़े थे।

स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज को दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क की जानकारी मिली थी। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस के हाथ एक ऐसे नेटवर्क के सुराग लगे, जो भारतीय सिम कार्ड जुटाकर पाकिस्तान तक पहुंचाने और संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद साहिल और उसकी पत्नी समीरा के रूप में हुई है।

मोदी का मास्टर स्ट्रोक...सिंधु नदी के सीने पर बनेंगे 36 डैम

शैलेंद्र कुमार शर्मा/उत्तम भारत

नई दिल्ली। लद्दाख से ऐसी खबर आई है जो पाकिस्तान के लिए किसी झटके से कम नहीं है। लद्दाख प्रशासन ने एक मास्टर प्लान तैयार किया है, जिसके तहत सिंधु नदी के पर एक साथ 36 डैम बनाए जाएंगे। वो पानी जो अब तक खैरात में सरहद पार जा रहा था। अब भारत की बंजर जमीन को सोना बनाने वाला है। मात्र 56 करोड़ के बजट में लद्दाख ने वो दांव खेल दिया है जो पाकिस्तान के रणनीतिकारों ने सोचा भी नहीं था। दरअसल लद्दाख के एलजी हैं विनय कुमार सक्सेना, जो दिल्ली से वहां गए हैं। उन्होंने प्रपोजल जलशक्ति मंत्रालय को भेज दिया है। उसकी बारीकियां अब आप भी समझ लीजिए। यह कोई साधारण इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं है। यह लद्दाख की भूगोल और पाकिस्तान की टेंशन बदलने वाला कदम है। अब भारत का एक्शन प्लान क्या है? पहला प्लान है लेह में सात रॉक डैम्स। यह बनेंगे सिंधु यानी कि इंडस रिवर के ऊपर। दूसरा प्लान है कारगिल में 29 आरसीसी डैम्स। यह बनेंगे सुरू नदी पर जो सिंधु की सबसे ताकतवर ट्रिब्यूटरीज में से एक है।

अब हैरानी की बात यह है कि भारत के यह पहला रॉक डैम महज 7 दिन में और 10 लाख की लागत में बनकर तैयार हो गया था। अब उसी प्रूफ ऑफ कांसेप्ट को अब स्केलअप किया जा रहा है। 36 डैम एक साथ और इसकी गूंज दूर तक जाएगी। अब पाकिस्तान को सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत अब रन ऑफ द रिवर प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर स्टोरेज और डायवर्जन की ओर बढ़ चुका है।

ये पाकिस्तान के लिए बुरे सपने जैसा है

इसका सबसे महत्वपूर्ण पॉइंट है स्ट्रेटेजिक लेवरेज। यह रॉक डैम भले ही छोटे दिखें, लेकिन जब यह 36 की संख्या में होंगे तो यह लाखों करोड़ों लीटर पानी के फ्लो को कंट्रोल करेंगे। दूसरा पॉइंट है डायवर्जन मास्टर क्लास। हाल ही में भारत ने सिंधु का 90 मिलियन लीटर पानी डाइवर्ट किया था। अब इन 36 डैम के जरिए भारत के पास वह स्विच होगा जिससे वह तय करेगा कि लद्दाख की प्यास पहले बुझेगी। तीसरा महत्वपूर्ण पॉइंट है सिंधु पर कब्जा। सिंधु नदी पाकिस्तान की लाइफलाइन है। भारत का उस पर एक भी पत्थर रखना पाकिस्तान की धड़कने बढ़ा देता है। यहां तो पूरे 36 डैम की बात हो रही है। यह प्रोजेक्ट दुनिया का सबसे इकोनॉमिकल इरीगेशन मॉडल बनने वाला है। इसे आर्थिक चमत्कार भी कहा जा सकता है क्योंकि इसकी कुल लागत 56 करोड़ है। फायदा है 18,600 एकड़ जमीन की सिंचाई और प्रति एकड़ खर्च मात्र जीरो। जहां दुनिया में बड़े डैम बनाने में सालों लग जाते हैं। पर्यावरण को नुकसान भी होता है। लेकिन लद्दाख का यह नेचुरल रॉक मॉडल पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए खेती की तस्वीर बदल देगा। यह लद्दाख के उन किसानों के लिए आजादी का पैगाम है जो कोल्ड डेजर्ट में पानी के लिए तरसते थे। खैर कुल मिलाकर यह सिर्फ डैम नहीं है। यह भारत की वो उभरती हुई शक्ति है जो अपने संसाधनों पर अपना हक जताना जानती है।

नेपाल में अचानक आई बाढ़ के बीच तिब्बत में फंसे महाराष्ट्र के 37 तीर्थयात्री काठमांडू रवाना

मुंबई, एजेंसी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी करने के बाद नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण तिब्बत में फंसे महाराष्ट्र के 37 श्रद्धालु मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्तक्षेप के बाद शुक्रवार सुबह काठमांडू के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, ठाणे, पुणे, रायगढ़, अलीबाग और डोंबिवली के श्रद्धालुओं का यह समूह सुबह करीब छह बजे सागा, तिब्बत से नायलम चेक-पोस्ट के रास्ते रवाना हुआ और सुरक्षित रूप से नेपाल की राजधानी की ओर बढ़ रहा है।

बयान में कहा गया कि उनकी काठमांडू से वापसी की उड़ान 29 अगस्त को दोपहर दो बजे निर्धारित है, इसलिए समय पर राजधानी पहुंचना उनके लिए बेहद जरूरी है। अलीबाग स्थित जय गिरनारी ट्रस्ट के प्रमोद केने के साथ यह समूह कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटते समय नेपाल में बाढ़ आने के बाद सागा में फंस गया था।

सीएमओ ने बताया कि तीर्थयात्रियों नितिन शिर्के और राकेश जितेकर ने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के माध्यम से फडणवीस को अपनी स्थिति की जानकारी दी थी।

तीर्थयात्रियों की परेशानी की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। इसके बाद राज्य सरकार ने विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ तत्काल समन्वय किया। बयान में कहा गया कि मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई।

तीर्थयात्रियों ने संकट की स्थिति में त्वरित हस्तक्षेप के लिए फडणवीस, महाराष्ट्र सरकार और विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त किया।

तिब्बत से शुरू हुई भीषण अचानक आई बाढ़ बुधवार को मध्य नेपाल में पहुंची थी। इससे कई कस्बे और गांव तबाह हो गए, महत्वपूर्ण पुल बह गए और पानी के तेज बहाव से करीब एक दर्जन पनबिजली परियोजनाएं प्रभावित हुईं। बाढ़ से कई जिले प्रभावित हुए हैं।

इससे पहले राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया था कि महाराष्ट्र के कम से कम 114 लोग नेपाल में फंसे हुए हैं, जिनमें से 53 के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है।

बक्सर के डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का रात में औचक निरीक्षण

लापरवाही पर बीएचएम से मांगा स्पष्टीकरण

बक्सर/डुमरांव, एजेंसी।

जिला पदाधिकारी बक्सर साहिला ने 27 अगस्त की देर रात अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल में चिकित्सकीय व्यवस्था, साफ-सफाई, मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस सेवा तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में अपेक्षित स्तर की कार्यप्रणाली नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक से स्पष्टीकरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता की डिजिटल डिस्प्ले व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को उपलब्ध दवाओं की जानकारी आसानी से मिल सके। वहीं, अस्पताल के प्रवेश द्वार पर स्ट्रेचर उपलब्ध रखने तथा सहायता काउंटर संचालित करने को कहा।

उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का ड्यूटी रोस्टर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने, अस्पताल में आरओ पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मरीजों को मिलने वाली सभी सुविधाओं की नियमित निगरानी पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने अस्पताल में पीकू सुविधा जल्द से जल्द शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल में स्वच्छता, दवा, एम्बुलेंस और मरीजों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

अपराध शाखा के पुलिसकर्मी बनकर आए लोगों ने वाहन से 61.5 लाख रुपये लूटे

ठाणे, एजेंसी।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपराध शाखा के अधिकारी बनकर आए अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर एक वाहन को रोका, उसमें सवार लोगों के साथ मारपीट की और उनसे 61.5 लाख रुपये लूट लिए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना 24 अगस्त की तड़के हुई। शिकायतकर्ता एक कोरियर कंपनी में चालक है और वह सह-चालक के साथ एक करोड़ रुपये नकद लेकर ग्वालियर से मुंबई जा रहा था। उन्होंने बताया कि दोनों जीप के अंदर आराम कर रहे थे, तभी तीन लोगों ने वाहन की खिड़कियों पर दस्तक दी, जबरन अंदर घुस गए और उनके मोबाइल फोन छीन लिए। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर खुद को अपराध शाखा का अधिकारी बताया और उन्हें एक पुलिस थाने की ओर वाहन ले जाने को कहा, लेकिन इसके बजाय वे जीप को नासिक की ओर ले गए।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने चालकों को बार-बार थप्पड़ मारे और नकदी कहां छिपाई गई है, यह बताने को कहा। करीब 10 से 12 किलोमीटर जाने के बाद वे वापस मुंबई की ओर मुड़े और एक बंद होटल के पास जीप रोक दी। वहां उनके दो और साथी पहुंचे। इसके बाद गिरोह ने 61.5 लाख रुपये नकद लूट लिए और मौके से फरार हो गया।

नालंदा जिले में रक्षा सूत्र बांधकर मंत्री ने लिया पौधा संरक्षण का संकल्प

नालंदा, बिहारशरीफ, एजेंसी।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आज शुक्रवार को बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित कारगिल चौक के समीप पौधे को रक्षा सूत्र बांधकर संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कहा कि जैसे बहन भाई की रक्षा की कामना करती है, वैसे ही आज हमें पेड़-पौधों की रक्षा का संकल्प लेना होगा। यही असली रक्षाबंधन है। उन्होंने ने महोगनी के पौधे को राखी बांधते हुए कहा कि पर्यावरण ही जीवन है एक पेड़ एक जिंदगी है। यह हमें ऑक्सीजन, छाया, फल देता है। इसकी रक्षा करना हमारा धर्म है।

हरित बिहार की सोच हम-सभी को रखना चाहिए पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर यह प्रण हमने भी लिया है कि जब तक वह पौधा एक विशाल पेड़ नहीं बन जाता, तब तक उसकी पूरी देखभाल की जाएगी इस पहल का उद्देश्य समाज और आम जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है ताकि लोग पेड़ों की कटाई रोककर हरियाली को बढ़ावा।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्ते के साथ-साथ प्रकृति से भी अपना रिश्ता जोड़ें। एक पौधा लगाएं और उसे भाई की तरह पालें। आज समाज को प्लास्टिक मुक्त और नशा मुक्त समाज के साथ-साथ पेड़ मुक्त नहीं, पेड़ युक्त बिहार बनाना है।

आज मैंने इस पौधे को राखी बांधकर वचन दिया है कि मैं और मेरा परिवार इसकी देखभाल करेगा।

जल है तो जीवन है हरियाली है तो खुशहाली है।पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब बिहार की बागडोर संभाली थी तब बिहार की हरियाली परत मात्र 7 प्रतिशत थी जो बढ़कर आज 19 प्रतिशत हो गई है। हमें अपने हरियाली परत को देश की औसत परत 33 प्रतिशत के बराबर पहुंचाना है इसमें सभी बिहारवासियों का सहयोग बहुत जरूरी है।

आज हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकना बहुत जरूरी है अगर हम अपने बच्चों के बेहतर भविष्य देखना चाहते हैं हम सबों अपने एवं मां पिता बच्चों के जन्मदिन के अवसर एक एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसका संरक्षण भी साथ साथ करना चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव गुलरेज अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष धनंजय कुशवाहा, जिला प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव, मुन्ना मांझी, ध्रुव प्रसाद, प्रो आनंद वर्मा, संजय प्र कुशवाहा, पुरूषोत्तम कुमार सहित कई वन विभाग के अधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

संरक्षा ऑडिट को लेकर पीसीएसओ ने किया बक्सर व डुमरांव स्टेशन का निरीक्षण

बक्सर। रेल दुर्घटनाओं पर पूरी तरह रोक एवं ट्रेनों के निर्वाध परिचालन को अपनी प्राथमिक सूची में रखते हुए पू.म.रे हाजीपुर के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी सह प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अमिताभ प्रभाकर ने दानापुर मंडल के बक्सर व डुमरांव स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संरक्षा ऑडिट को लेकर बक्सर स्टेशन के पैनल रूम तथा डुमरांव स्टेशन के पूर्वी गेट संख्या 66 स्पेशल का निरीक्षण किया। वहीं डुमरांव और बरुणा स्टेशन के बीच किलोमीटर 646/13-15 माइनर ब्रिज संख्या 610 का विस्तृत निरीक्षण किया। साथ ही इसको लेकर अपने मातहत अधिकारियों को कई सारे दिशा-निर्देश दिए। संरक्षा से संबंधित अपनी पूरी टीम के साथ निरीक्षण करने बक्सर एवं डुमरांव स्टेशन पहुंचे पीसीएसओ अमिताभ प्रभाकर ने संरक्षा को लेकर कोई कोताही नहीं बरतने का निर्देश देते हुए इससे जुड़े सुविधाओं एवं कमियों का अवलोकन किया।

रक्षा बंधन पर मुख्यमंत्री ने वृक्ष को बांधा रक्षा सूत्र, नागलिंगम पौधे का किया रोपण

पटना, एजेंसी।

रक्षा बंधन एवं ‘वृक्ष सुरक्षा दिवस’ के पावन अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना स्थित राजधानी वाटिका-1 में वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने राजधानी वाटिका-1 परिसर में नागलिंगम पौधे का रोपण भी किया।

कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से किया गया। रक्षा बंधन के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय ह्यवृक्ष सुरक्षा दिवसह्न का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना, पेड़-पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित करना तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधकर प्रकृति और मानव जीवन के बीच आपसी संबंध को रेखांकित किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जिस प्रकार रक्षा बंधन पर भाई-बहन एक-दूसरे की सुरक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी प्रकार समाज को भी पेड़-पौधों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। विभाग की ओर से कहा गया कि जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों का संरक्षण भी आवश्यक है। सरकार की विभिन्न योजनाओं और प्रयासों से राज्य में लोगों के बीच पर्यावरण, वन्यजीव एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण तथा पौधारोपण को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। ‘वृक्ष सुरक्षा दिवस’ जैसे कार्यक्रमों के जरिए आम लोगों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

ब्राह्मण समुदाय की मांगों को लेकर कार्यकर्ता शुरू करेगा भूख हड़ताल

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में 29 अगस्त से एक कार्यकर्ता ने ब्राह्मण समुदाय की विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है। कार्यकर्ता दीपक रणवारे ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जालना शहर के महात्मा गांधी चमन में धरने पर बैठेंगे। उनकी मांगों में दो साल पहले स्थापित परशुराम आर्थिक विकास महामंडल के लिए सरकार से 1,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की मांग भी शामिल है। रणवारे ने कहा कि उन्होंने महामंडल बनाने की मांग को लेकर दो बार आंदोलन किया था और इसके गठन के बाद भी इसमें केवल कुछ कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उनकी अन्य मांगों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के तहत वार्षिक आय की सीमा आठ लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करना, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले ब्राह्मण विद्यार्थियों के लिए कोचिंग केंद्र स्थापित करना और समुदाय के छात्र-छात्राओं को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना शामिल है।

एसएसबी 21वीं वाहिनी ने हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन का पावन पर्व

रक्षाबंधन कार्यक्रम

पश्चिम चम्पारण, एजेंसी।

सीमा बल 21वीं वाहिनी, बगहा के प्रांगण में आज शुक्रवार दिनांक को रक्षाबंधन का पावन पर्व कमांडेंट तापेश्वर संबित राउत के कुशल मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभागिता से हर्षोल्लास एवं भाईचारे के साथ मनाया है।

इस अवसर पर सीमा जागरण मंच की ओर से क्राइस्ट मिशन स्कूल, हरनाटांड एवं सनफ्लावर स्कूल की छात्राओं, स्थानीय महिलाओं तथा ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों ने वाहिनी प्रांगण में पहुँचकर एसएसबी के वीर जवानों की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीघार्यु, सुरक्षित जीवन व देश सेवा में सदैव अग्रसर रहने की कामना की। इस दौरान क्षेत्र के विशिष्ट अतिथिगण भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस पावन पर्व पर जवानों के योगदान की सराहना की। छात्राओं एवं ब्रह्माकुमारी बहनों ने जवानों के प्रति सम्मान व स्नेह व्यक्त करते हुए देश की सुरक्षा में उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

इसी क्रम में सीमावर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों की छात्राओं ने भी सीमा चौकियों पर तैनात ररइ 21वीं वाहिनी के जवानों को राखी बांधकर अपना स्नेह एवं सम्मान प्रकट किया। छात्राओं ने जवानों के राष्ट्रसेवा के जज्बे को सलाम करते हुए उनकी लंबी उम्र एवं सुरक्षा की कामना की। इस अवसर पर जवानों ने भी छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा देशहित में योगदान देने हेतु प्रेरित किया, जिससे सीमा क्षेत्र में सुरक्षा बलों एवं स्थानीय समुदाय के बीच आत्मीयता एवं बन्धुत्व का भाव और भी प्रगाढ़ हुआ।

कमांडेंट ने सभी छात्राओं, शिक्षकों, स्थानीय महिलाओं, ब्रह्माकुमारीज बहनों एवं विशिष्ट अतिथिगण का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि विश्वास, प्रेम और सुरक्षा के अटूट बंधन का प्रतीक है। कार्यक्रम के समापन पर वाहिनी की ओर से सभी बहनों को मिठाइयाँ व उपहार वितरित किये गए।

बिहार के पूर्व मंत्री उपेन्द्रनाथ वर्मा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पटना, एजेंसी।

बिहार के पूर्व मंत्री उपेन्द्रनाथ वर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को श्रीकृष्ण स्मारक भवन परिसर में राजकीय समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उपेन्द्रनाथ वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर राज्य सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता तथा स्व. उपेन्द्रनाथ वर्मा के परिजन मौजूद रहे। सभी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।

समारोह में सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी, खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार तथा विधायक श्याम रजक ने भी उपेन्द्रनाथ वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा उपेन्द्रनाथ वर्मा की पुत्रवधू एवं विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान पार्षद रवीन्द्र प्रसाद सिंह, विधान पार्षद जीवन कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। समारोह में स्व. वर्मा के परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। राजकीय समारोह के दौरान सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरूआत आरती पूजन से हुई। इसके बाद भजन-कीर्तन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रगान, बिहार गीत और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

समारोह में उपस्थित लोगों ने उपेन्द्रनाथ वर्मा के सार्वजनिक जीवन और उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।

एनएच-20 पर अतिक्रमण मुक्त अभियान जारी, चला बुलडोजर

नवादा, एजेंसी।

नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र से गुजरने वाले एनएच-20 को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान शुक्रवार को प्रशासन का बुलडोजर चला कई निर्माण कराए गए स्थलों को दोस्त कर दिया गया।

प्रशासन और एनएचएआई की टीम ने पुलिस बल के साथ रजौली बाईपास के सर्विस रोड किनारे नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई गाबर कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आरके त्रिपाठी के नेतृत्व में की गई।रजौली कैंटीन के पास सर्विस रोड से सटे दर्जनों मकानों और दुकानों के आगे एनएचएआई की नालियों को ऊंचा कर पेवर ब्लॉक बिछा दिए गए थे। कई जगहों पर नालियों को ढककर रास्ता बना दिया गया था।

इससे बारिश के पानी की निकासी प्रभावित होने के साथ घरों और दुकानों का गंदा पानी भी नालियों में गिराया जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार सर्विस रोड किनारे कई स्थानों पर पिछले छह महीने से अधिक समय से नालियों के ढक्कन टूटे हुए हैं और नालियां खुली पड़ी हैं।

मौके पर प्रोजेक्ट मैनेजर आरके त्रिपाठी ने बताया कि एनएचएआई की ओर से बनाई गई नालियां केवल बारिश के पानी की निकासी के लिए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर किए गए अनधिकृत निर्माण और बदलाव के कारण नालियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। अब किसी भी मकान या दुकान का गंदा पानी एनएचएआई की नालियों में नहीं बहने दिया जाएगा।

अभियान के दौरान मकानों और दुकानों के आगे बिछाए गए पेवर ब्लॉक, निर्मित नालियां और करकट की अस्थाई संरचनाओं को तोड़कर जमीन को समतल किया गया। नाली से नीचे फर्श तैयार कराया जा रहा है, ताकि बारिश का पानी आसानी से निकल सके। क्षतिग्रस्त नालियों पर जल्द ढक्कन लगाए जाने की भी जानकारी दी गई।

त्रिपाठी ने बताया कि अभियान को देखते हुए हरदिया और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश लोगों ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा लिया है। प्राणचक मोड़ के समीप कुछ मकान और दुकानें एनएचएआई की जमीन पर होने की शिकायत मिली है। इनकी नापी कर स्थिति स्पष्ट होने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी ने बताया कि सिमरकोल से बांके मोड़ तक वर्ष 1974 के आसपास का पुराना नक्शा उपलब्ध नहीं है। इसलिए फिलहाल अस्थाई संरचनाओं को ही हटाया गया है। नक्शा उपलब्ध होने के बाद संबंधित जमीन की पैमाइश कर अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया जाएगा और अगले चरण में नियमानुसार कार्रवाई होगी। प्रशासन ने लोगों से सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण नहीं करने की अपील की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण मिलने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्गों को मिलेगा मेलजोल और मनोरंजन का मंच

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के बुजुर्गों के लिए दिल्ली सरकार 'वयो आनंद' योजना शुरू करने जा रही है। इस योजना में दिल्ली के भीतर ऐसे केंद्र विकसित किए जाएंगे जहां वरिष्ठ नागरिकों को खाली समय में आराम करने, इनडोर गेम खेलने, एक-दूसरे से मिलने-जुलने और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध होगा। इन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग व ध्यान की कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। सरकार ऐसे मनोरंजन केंद्रों को चलाने वाले संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, स्वास्थ्य, सक्रिय जीवन तथा सामाजिक जुड़ाव को सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने उनके लिए वयो आनंद योजना ला रही है। उनके लिए शुरू किए जा रहे मनोरंजन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैरम, लूडो आदि इनडोर खेल, बैठने की व्यवस्था, पंखा, कूलर, टेलीविजन, कंप्यूटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। केंद्रों में समाचार पत्र, पत्रिकाएं और किताबें भी रखी जाएंगी ताकि वरिष्ठ नागरिक खाली समय का पूरा उपयोग कर सकें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, वरिष्ठ नागरिक दिवस और राष्ट्रीय पर्व आदि भी इन केंद्रों में मनाए जाएंगे। योजना में मासिक चिकित्सा शिविर और प्राथमिक उपचार किट की व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है। मनोरंजन केंद्र सप्ताह में कम से कम पांच दिन और प्रतिदिन न्यूनतम सात घंटे खुले रहेंगे। ये केंद्र सुबह 7 बजे से रात 8 बजे के बीच संचालित होंगे। वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को देखते हुए केंद्र का भूतल पर होना या भवन में लिफ्ट की व्यवस्था होना भी प्राथमिकता में रखा गया है। योजना के तहत मनोरंजन केंद्रों में कम से कम 200 ऐसे सदस्य होना जरूरी है, जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो।

रेखा गुप्ता ने बताया कि ह्यवयो आनंदह्न योजना के तहत पात्र मनोरंजन केंद्र को एक वित्तीय वर्ष में 2.40 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित केंद्रों को यह सहायता दी जाएगी। संचालकों को अपने केंद्रों में उपरोक्त सारी व्यवस्थाएं व सुविधाएं उपलब्ध कराने में प्राथमिकता रखनी होगी। योजना में आरडब्ल्यूए, सीजीएचएस और सामुदायिक स्थान जैसे चौपाल में चलने वाले केंद्र भी शामिल हो सकते हैं।

इमारत की तीसरी मंजिल में लगी थी आग गर्भवती महिला समेत पांच को सुरक्षित निकाला

उत्तम भारत संवाददाता

देवदूत बनी दिल्ली पुलिसः

नई दिल्ली। पटेल नगर के बलजीत नगर इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर दिल्ली पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना एक इमारत में आग में फंसे दो बच्चों समेत पांच लोगों की जान बचा ली। इसमें एक गर्भवती महिला भी शामिल हैं। आग की लपटों और घने धुएं के बीच पुलिसकर्मियों ने इमारत की तीसरी मंजिल पर से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। तंग और भीड़भाड़ वाली गलियों के कारण दमकल की गाड़ी इमारत तक नहीं पहुंच पा रही थी। ऐसे में पुलिस ने दमकल कर्मी बनकर स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल राहत और बचाव अभियान शुरू किया। मध्य जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंगद मेहता ने बताया कि 27 अगस्त की दोपहर करीब 2.04 बजे पटेल नगर थाना पुलिस को बलजीत नगर स्थित हिल मार्ग के एक इमारत में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नवीन कुमार समेत करीब 25 पुलिसकर्मियों की टीम मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि इमारत की दूसरी मंजिल पर आग लगी है और धुआं ऊपर की मंजिल में फैल गया है। साथ ही देखा कि इलाके की गलियां बेहद संकरी और भीड़भाड़ वाली है। इस वजह से दमकल की गाड़ी सीधे घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि तीसरी मंजिल पर पांच लोग फंसे हैं, जिसमें दूसरी मंजिल पर रहने वाली गीता और उनके दो बच्चे मानव, राहुल, तीसरी मंजिल पर रहने वाली गर्भवती महिला बेबी उनके परिचित राजकुमार शामिल हैं। तेज लपटों और घने धुएं के कारण उनकी जान पर गंभीर खतरा था। इस दौरान पुलिस ने तीस स्थानीय लोगों के साथ मिलकर तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। आसपास की छतों और घरों से पानी की व्यवस्था कर आग की लपटों को नियंत्रित करने और उसे आसपास के मकानों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया। साथ ही एक दुकान से आग बुझाने के 25 उपकरण मंगवा कर आग बुझाने में जुट गए। इसी बीच हवलदार दीपक और पवन के साथ एक पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए जोखिम उठाकर इमारत में प्रवेश किया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस और स्थानीय निवासियों की संयुक्त कोशिशों से बड़ा हादसा टल गया।

रक्षाबंधन पर यातायात पुलिस ने चलाया विशेष अभियान

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरुक किया। ट्रैफिक पुलिस ने इस दौरान लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही उल्लंघन करने वालों का चालान भी किया। कई चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने उल्लंघन करने वालों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया। वहीं वाहन चालकों को महिला पुलिसकर्मी ने राखी बांधकर उनसे भविष्य में सड़क पर सुरक्षित चलने का वादा लिया। शाहदरा के चिंतामणि सर्कल, सीलमपुर लालबत्ती, मजनू का टीला चौक आदि पर यह विशेष अभियान चलाया गया। इन जगहों पर ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से बातचीत कर नियमों का पालन करने वालों की सराहना की। इसके साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, लेन में गाड़ी चलाने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने से किस प्रकार वाहन चालकों की सुरक्षा बढ़ती है। ऐसा करने से वह न केवल अपनी बल्कि सड़क पर चल रहे लोगों की जान भी सुरक्षित कर पाएंगे।

जज को निशाना बनाने वाले वीडियो पर हाईकोर्ट सख्त

यूजर को कारण बताओ नोटिस जारी

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। सैदुलाजाब में बहुमंजिला इमारत गिरने से छह लोगों की मौत के मामले में हाईकोर्ट के मौजूदा जज को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर वीडियो डालना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। हाईकोर्ट ने वीडियो को प्रथमदृष्टया अदालत की अवमानना करने वाला मानते हुए डॉ. कपिल कक्कड़ को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। अदालत ने पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने यह आदेश दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (डीएचसीबीए) की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। रजिस्ट्री को कक्कड़ के खिलाफ औपचारिक कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है। हाईकोर्ट ने इससे पहले आठ जून को कक्कड़ के सभी सोशल मीडिया अकाउंट और हैंडल ब्लॉक करने का आदेश दिया था। साथ ही आपत्तिजनक वीडियो के लिंक हटाने के निर्देश भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दिए गए थे।

तिलक नगर में 21 वर्षीय छात्रा की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में दिल्ली विश्वविद्यालय की 21 वर्षीय छात्रा की हत्या के आरोपी व्यक्ति को पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी आकिब उर्फ इमरान (26) जिम ट्रेनर के तौर पर काम करता था। वह 26 अगस्त को लड़की के अपार्टमेंट में घुसकर चाकू घोंपकर उसकी हत्या करने के बाद से फरार था। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की 15 से अधिक टीम बनाई गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्यह्यघटना के बाद पूरे जिले में अवरोधक और जांच चौकियां बनाई गईं तथा आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीम तैनात की गईं। इमरान लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। एक सूचना के आधार पर विशेष कर्मियों और आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की टीम ने उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया।

अधिकारी ने बताया कि जब पुलिसकर्मियों ने इमरान को रोका, तो उनके बीच गोलीबारी हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी ने चार गोलियां दागीं जबकि पुलिस ने सात गोली चलाईं। इस गोलीबारी में तीन गोलियां इमरान के पैर में लगीं।

पुलिस ने बताया कि इसके बाद इमरान को पकड़ लिया गया और उससे पूछताछ की जा रही है। उसने बताया कि मामले में जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक, इमरान लड़की को 18 महीने से जानता था। वह उससे पहली बार जिम में मिला था जहां वह ट्रेनर के तौर पर काम करता था।

लड़की के परिवार से परिचित लोगों ने बताया कि वह दिल्ली विश्वविद्यालय के मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल) में द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और 'क्रिएटर' व मॉडल के तौर पर काम करती थी। उसकी बड़ी बहन भी मॉडल है।

वह चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थी और पश्चिम दिल्ली में 'मंगला हॉस्पिटल' के पास एक किराए के मकान में अपने माता-पिता और भाई-बहनों के साथ रहती थी।

जिम के एक कर्मचारी ने बताया कि इमरान ने जिम में लगभग तीन महीने तक काम किया था, लेकिन उपभोक्ताओं के साथ कथित तौर पर गलत व्यवहार करने की वजह से उसे करीब दो महीने पहले निकाल दिया गया था। उसके बाद से बेरोजगार था।

दिल्ली के उपराज्यपाल को महिला सुरक्षा कर्मियों ने बांधी राखी

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निवास में शुक्रवार को उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू की सुरक्षा टीम में तैनात महिला सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें राखी बांधी। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने इसे बेहद भावुक और अविस्मरणीय पल बताया।

उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि रक्षाबंधन के अवसर पर महिला सुरक्षा कर्मियों के स्नेहपूर्ण भाव से लोक निवास का वातावरण प्रेम, अपनत्व और खुशी से भर गया। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन हमें यह याद दिलाता है कि रिश्ते केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं होते, बल्कि आपसी जुड़ाव और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा कर्मियों का यह स्नेह उनके लिए विशेष और भावुक क्षण है। यह पल हम सभी के लिए न भूलने वाला है। उपराज्यपाल ने इस अवसर पर सभी देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और पर्व के माध्यम से आपसी प्रेम, विश्वास और भाईचारे की भावना और मजबूत होने की कामना की।

दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपये किलो मिलेगा प्याज, केंद्र ने बढ़ती कीमतों पर कसी लगाम

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्याज की बढ़ती कीमतों से परेशान लोगों को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। राजधानी के बाजारों में जहां प्याज 60 से 70 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं केंद्र सरकार की एजेंसियां अब इसे महज 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर उपलब्ध कराएंगी।

जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 13 स्थानों पर सस्ता प्याज उपलब्ध कराया जा रहा है। आने वाले दिनों में बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर करीब 40 की जाएगी। बृहस्पतिवार को कृषि भवन परिसर में उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने नेफेड और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कृषि भवन परिसर में लोगों को 35 रुपये किलो की दर से प्याज बेचा गया। पहले दिन करीब 400 किलो प्याज की बिक्री हुई। निधि खरे ने कहा कि देश में प्याज का उत्पादन और उपलब्धता पर्याप्त है। हालांकि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने से कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसे नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बाजार में प्याज की आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

दस साल पहले करता था ठगी, पहचान बदलकर बना प्रॉपर्टी डीलर, गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका साउथ थाना पुलिस ने करीब 10 साल पुराने धोखाधड़ी और ठगी के मामले को सुलझाते हुए एक प्रॉपर्टी डीलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनील गुप्ता उर्फ सुनील अग्रवाल (45) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी उत्तम नगर के भगवती गार्डन में प्रॉपर्टी डीलर के रूप में काम कर रहा था और लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। आरोपी पहले भी धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड के चार मामलों में शामिल रहा है।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि असम के गुवाहाटी निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि आरोपियों ने खुद को एचीएफसी बैंक का अधिकारी बताकर उससे गोपनीय जानकारी हासिल कर 2016 में एईएफटी और आईएमपीएस के माध्यम से उसके बैंक खाते से 16 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिए। मामला शुरूआत में असम के कामरूप जिले के पान बाजार थाने में दर्ज हुआ था। बाद में जांच के लिए इसे दिल्ली के द्वारका साउथ थाने को ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उनमें से कई खाते द्वारका के फर्जी पतों और दस्तावेजों के आधार पर खोले गए थे।

नोटबंदी के कारण नकदी नहीं निकाल पाए, सोने के सिक्के खरीदे : जांच में यह भी पता चला कि नोटबंदी के दौरान आरोपी और उसके साथियों के लिए बैंक खातों से नकदी निकालना मुश्किल हो गया था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग नामों से तैयार फर्जी आईडी का इस्तेमाल कर दिल्ली की विभिन्न ज्वेलरी दुकानों से डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिए सोने के सिक्के खरीदे।

मैं कॉकरोच नहीं क्योंकि; सोनम वांगचुक ने क्यों खुद को बताया बुलडोजर

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर आंदोलन के करीब एक महीने बाद अपनी भूख हड़ताल, सरकार से बातचीत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर कई अहम बातें कहीं। सीजेपी के आने वाले आंदोलनों में अपनी भूमिका को लेकर वांगचुक ने अपनी तुलना बुलडोजर से करते हुए कहा कि उनका काम दूसरों के लिए राह बनाना है। सीजेपी आंदोलन की सफलता के लिए प्रमुख किरदार रहे वांगचुक ने कहा कि यदि उनकी आवश्यकता होगी तो वह आगे भी अच्छे मुद्दों पर अपना समर्थन देने के लिए तैयार। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी कहा कि ऑनरेरी कॉकरोच हैं, क्योंकि उम्र अधिक होने और आलसी ना होने की वजह से वह कॉकरोच बनने की योग्यता नहीं रखते हैं।

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में सोनम वांगचुक ने बताया कि कैसे लद्दाख के एलजी वीके सक्सेना ने उन्हें कहा था कि सीजेपी के पीछे पाकिस्तान और अमेरिका जैसे देश हैं और उनका समर्थन नहीं करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश की और अभिजीत दीपके से संपर्क में आए। बातचीत के बाद उन्हें लगा कि मंशा गलत नहीं है और ना ही विदेशी ताकत इनके पीछे है। वांगचुक ने कहा कि इसके बाद उन्होंने सीजेपी के साथ खड़े होने का फैसला किया और ऐलान कर दिया कि यदि दीपके को भारत आने के बाद गिरफ्तार किया जाता है तो वह भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

वांगचुक से पूछा गया कि क्या वह सीजेपी के साथ मिलकर सरकार से बातचीत करेंगे और आगे आंदोलनों में उनकी क्या भूमिका होगी? सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि वह अच्छे मुद्दों पर साथ देते रहेंगे और सीजेपी को समर्थन की आवश्यकता होगी तो वह इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मैं देश दुनिया के किसी भी अच्छे मुद्दे पर समर्थन के लिए तैयार हूं। कल मैं सीजेपी का समर्थन करने के लिए वहां (जंतर-मंतर) था, उससे पहले लद्दाख के मुद्दों पर वहां था। मैं कुछ सफलता हासिल कर चुका हूं और कुछ का इंतजार कर रहा हूं। जैसे लद्दाख के मामले में जब लोकतंत्र बहाल हो जाएगा और सुरक्षा के उपाय लागू हो जाएंगे, तब शायद मेरी कोई भूमिका नहीं रहेगी। मैं अन्य किसी मुद्दे पर ध्यान दूंगा।' उन्होंने कहा, 'इसी तरह मेरी आवश्यकता होगी तो मैं मुद्दों पर हमेशा समर्थन करूंगा। यदि वे खुद अच्छे निष्कर्ष पर पहुंच गए हैं और सुचारू रूप से चल रहे हैं तो मैं आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं खुद को बुलडोजर कहता हूं, कार नहीं। बुलडोजर का इस्तेमाल रोड बनाने के लिए होता है। एक बार जब रोड बन जाए आप नहीं चाहेंगे कि उस पर बुलडोजर चले। एक बार रोड बन जाने के बाद जब आवाजाही शुरू हो जाए तो मेरी भूमिका समाप्त हो जाएगी, मैं नई सड़क के लिए एक और पहाड़ काट रहा हूंगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई- निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति–शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं.** : 1. **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : गति–शक्ति/एस एण्ड टी/जेपी/2026– 27/05 आर आर उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजी. (जी.एस.यु.) जयपुर–जयपुर मण्डल के ढहर के बालाजी (डीकेबीजे) स्टेशन पर नये स्टेशन भवन के निर्माण, एफओबी के विस्तार, सरकुलेटिंग एरिया के विस्तार और प्लेटफॉर्म सहित एक लम्बी लूप लाइन के निर्माण से सम्बन्धित दूर संचार का कार्य। **अनुमानित लागत रूपये** : 9749464.85 **बयाना राशि रूपये** : 195000/– 1 उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड – मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति–शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा स. गति–शक्ति/एस एण्ड टी/जेपी/2026–27/05 आर आर की बन्द होने की तिथि 22.09.26 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 22.09.26 समय 16.00 बजे। ***1248-DI/26***
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

अपनी मांगों के लिए 23वें दिन भी हड़ताल कर गरजे सफाई कर्मचारी

● बोले, सरकार हठधर्मिता छोडकर कर्मचारियों से बात करे, मांगें पूरी करे

गुरुग्राम, एजेंसी।

हरियाणा के नगर निगम, पालिका-परिषद के सफाई, सीवरमैन और फायर कर्मचारियों की हड़ताल शुक्रवार को 23वें दिन जारी रही। यहां पुराने नगर निगम कार्यालय में हड़ताल की अध्यक्षता इकाई के वरिष्ठ उप प्रधान सम्मी बोहत और फायर के जिला उप प्रधान जोगिंदर ने की, संचालन कोषाध्यक्ष भारत कांगड़ा ने किया।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार जनहित को ध्यान में रखते हुए हठधर्मिता और तानाशाही छोडकर आंदोलनरत कर्मचारियों की मांगों को पूरा करे। आजादी के 80 साल बाद भी वाल्मीकि समाज के सफाई और सीवर कर्मचारी ठेकेदारी प्रथा और ठेकेदारों की आर्थिक-मानसिक गुलामी से मुक्त नहीं हुए हैं। राज्य उप प्रधान बसंत कुमार, फायर के जिला उप प्रधान जोगिंदर और पूर्व जिला प्रधान राजेश कुमार ने कहा कि जब तक सरकार 13 मई के फैसले के अनुसार पे-रोल के 1175 फायरमैनों और पालिका-परिषद-निगमों के 13000 कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने सहित अन्य मानी गई मांगों के पत्र जारी नहीं करती, तब तक हड़ताल पूरे प्रदेश में जारी रहेगी।

आजाद देश में हम गुलाम क्यों?

नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार सोशल मीडिया और समाचार पत्रों में गलत बयान प्रचारित कर जनता और कर्मचारियों को गुमराह कर रही है। वरिष्ठ उप प्रधान सम्मी बोहत और कोषाध्यक्ष भारत कांगड़ा ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भाजपा सरकार ने एक भी सफाई कर्मचारी की पक्की भर्ती नहीं की। 13 मई को हुए समझौते में सफाई, सीवर, माली, बेलदार, इलेक्ट्रिशियन, हेल्पर, क्लर्क और फायर विभाग के ड्राइवर-फायरमैन को 30 जून तक पक्का करने, ठेका समाप्त कर कर्मचारियों को विभाग के रोल पर लेने, न्यूनतम वेतन 15,200 रुपये बैंक के माध्यम से देने, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती, एक्स-ग्रेशिया नीति में संशोधन, 58-60 वर्ष पूरे करने वाले कच्चे कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और 5 लाख सम्मान राशि, गुरुग्राम के 3480 छंटनीग्रस्त सहित सभी कर्मचारियों को वापस लेने, 5,000 रुपये जोखिम भत्ता, फरीदाबाद अग्निकांड के शहीद रणबीर के आश्रितों को 50-50 लाख सहायता सहित 17 मांगों पर सहमति बनी थी।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि 30 अगस्त तक मांगों के आदेश जारी नहीं हुए तो हड़ताल को अनिश्चितकालीन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। हड़ताल में धर्मपाल, देवी, कमला देवी, लाल चंद, मुकेश, कुलदीप, सतपाल, सुभाष, हरिओम, तेजपाल, सीटू के कॉमरेड राजेंद्र सरोहा, प्रचार सचिव अनीता देवी सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले को अगले महीने अन्नपूर्णा भवन मिलेंगे

अन्नपूर्णा भवन
उचित दर की दुकान

गाजियाबाद, एजेंसी।

ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित होने वाली राशन की दुकानों का जल्द ही स्वरूप बदलने जा रहा है। जिले में राशन की दुकानों को अन्नपूर्णा भवनों में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। अगले माह जिले को 79 अन्नपूर्णा भवन मिलेंगे।

इन भवनों के तैयार होने के बाद राशन वितरण की व्यवस्था के साथ ही ग्रामीणों को जन सेवा केंद्र की भी सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी। ग्रामीण लोगों को राशन वितरण की सुविधा देने साथ ही जन सेवा केंद्र की सुविधा देने के लिए अन्नपूर्णा भवन बनाए जा रहे है। जिले 79 अन्नपूर्णा भवन का कार्य अंतिम स्तर पर चल रहा है। प्रत्येक भवन आठ लाख 46 हजार रुपये में बनाया जा रहा है। इन भवनों को केवल राशन वितरण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि यहां जन सेवा केंद्र और अनाज भंडारण केंद्र की सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को राशन लेने के साथ ही विभिन्न जनसेवाओं का लाभ लेने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

सड़क हादसों में दो युवक गंभीर रूप से घायल

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। कौशांबी थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वैशाली सेक्टर-एक स्थित एक्सप्रेस ग्रीन सोसाइटी निवासी सुधा रानी ने पुलिस को बताया कि उनके पति सुधीर कुमार 16 अगस्त की सुबह स्कूटी से गाजीपुर मंडी में सब्जी लेने जा रहे थे। रास्ते में तेज रफ्तार ईको वैन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक वैन मौके पर छोड़कर भाग निकला। सूचना मिलने पर वह अस्पताल पहुंची तो पता चला कि पति के सिर में गंभीर चोट आई है और कंधे की हड्डी व कई पसलियां टूट गई हैं। वहीं, दूसरी घटना में एक निजी कंपनी में असाइमेंट मैनेजर के तौर पर कार्यरत सुधीर कुमार ने पुलिस को बताया कि वह 30 जुलाई की शाम लगभग पौने सात बजे ड्यूटी खत्म करके बाइक से यूपी गेट की ओर जा रहा था। इस दौरान यूपी गेट के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल होकर बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया।

चोर से तीन मोबाइल बरामद

लोनी, एजेंसी। लोनी थाना पुलिस ने घर में घुसकर मोबाइल चोरी करने वाले चोर को जांच के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से घर से चोरी किए गए तीन मोबाइल बरामद हुए। लोनी थाना पुलिस शुक्रवार को रूपनगर औद्योगिक क्षेत्र में जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने सूचना पर एक युवक को जांच के लिए रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से तीन मोबाइल बरामद हुए। मोबाइल के बारे में पूछने पर युवक संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रामकिशन ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम वसीम निवासी सरस्वती विहार कॉलोनी थाना लोनी बताया। आरोपी ने रूपनगर कॉलोनी स्थित एक घर से तीनों मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया है।

कनावनी गांव के किसानों का धरना 15वें दिन भी जारी

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। कनावनी गांव के किसानों का विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना 15वें दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। त्योहार के बावजूद बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। धरने पर बैठे किसानों ने कहा कि लंबे समय से आंदोलन जारी रहने के बावजूद प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। धरना स्थल पर किसानों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। धरने में शामिल लखीराम शर्मा ने बताया कि दो दिन बाद कनावनी गांव में महापंचायत आयोजित की जाएगी। महापंचायत में आंदोलन की अब तक की स्थिति, प्रशासन की कार्रवाई और आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। धरने में चतर सिंह नागर, राजेंद्र नागर, कैलाश नागर, जगत सिंह नागर समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बहनों ने जेल पहुंचकर भाइयों को राखी बांधी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जिला कारागार में रक्षाबंधन पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। जेल पहुंचीं बहनों ने अपने भाइयों से मुलाकात कर उनकी कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने जेल का औचक निरीक्षण किया। कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने निरीक्षण करते हुए महिला बैरक में महिलाओं से उनका हालचाल जाना। इस मौके पर उन्होंने ऐसी महिला बंदियों से राखी बंधवाई, जिनसे कोई परिजन मुलाकात करने नहीं आया। उन्होंने महिला बन्दियों को वस्त्र और मिठाई वितरित की। कारागार मंत्री द्वारा उक्त महिला बंदियों से उनके परिवार और केस आदि की जानकारी ली गई। महिलाओं के कल्याण, सम्मान एवं पुर्नवास के प्रति सरकारों द्वारा संचालित नीतियों एवं योजनाओं के संबंध में भी अवगत कराया गया। जेल अधीक्षक बृजेश कुमार ने बताया कि जेल में रक्षाबंधन पर 2466 बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी। इस मौके पर जेलर संजय कुमार शाही, राजेश कुमार मौर्य तथा अन्य कारागार अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

ब्याज पर छूट पाने का आखिरी मौका

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। पेयजल के बकाया बिल के ब्याज पर 20 फीसदी छूट पाने का 31 अगस्त तक आखिरी मौका है। छूट सिर्फ ब्याज की राशि पर मिलेगी। मूल बिल की राशि पूरी देनी होगी। आवासीय, औद्योगिक और व्यावसायिक मिलाकर सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं पर 100 करोड़ रुपये से अधिक बकाया है। प्राधिकरण ने तीन माह के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की थी, जो 31 अगस्त को समाप्त हो जाएगी।

गुरुग्राम में हाइड्रा मशीन ने डिलीवरी बॉय को मारी टक्कर, हालत नाजुक

गुरुग्राम, एजेंसी। पुराने सिविल अस्पताल के सामने गुरुवार की देर रात तेज रफ्तार हाइड्रा मशीन ने बाइक सवार डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के बाद राहगीरों ने हाइड्रा ड्राइवर को पकड़ लिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि घायल की पहचान मंजीत कुमार यादव के रूप में हुई है। मंजीत कुमार यादव मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिले का रहने वाला है और गुरुग्राम के राजीव नगर में किराए पर रहता है। वह फ्लिपकार्ट की 10 मिनट ग्रोसरी डिलीवरी सेवा में डिलीवरी बॉय है।

डेंगू-मलेरिया के मरीज मिलने वाले स्थानों की निगरानी तेज

गाजियाबाद, एजेंसी।

बरसात के बीच डेंगू और मलेरिया के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने संवेदनशील इलाकों की निगरानी तेज कर दी है। जिले में अब तक डेंगू के आठ और मलेरिया के नौ मरीज सामने आ चुके हैं। ऐसे में मरीज मिलने वाले घर के आसपास विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि संक्रमण को फैलने से रोक जा सके।

जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्र ने बताया कि जिले में 86 संवेदनशील क्षेत्रों को स्वास्थ्य विभाग ने रडार पर रखा है। इसके अलावा केस बेस्ट एक्टिविटी यानि जहां भी डेंगू और मलेरिया के मरीज मिल रहे हैं, उन स्थानों पर

लक्षण
तेज बुखार
कंमजपी
सिरदर्द
बदन दर्द
उल्टी

विभागीय टीम मौके पर पहुंच रही है। इन इलाकों में मच्छरों के लार्वा की जांच और रोकथाम के लिए डेंगू ब्रीड चेकर (डीबीसी) टीमों को सक्रिय किया गया है। वर्तमान में जिले में 20 डीबीसी टीमें काम कर रही हैं। सोमवार तक 10 और टीमें बढ़ाई जाएंगी। घरों और आसपास के स्थानों की जांच के दौरान टीमों को बड़ी संख्या में डेंगू का लार्वा मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग लोगों को पानी जमा न होने देने और मच्छरों की रोकथाम के लिए जागरूक भी कर रहा है।

डेंगू-मलेरिया को लेकर भी अस्पतालों को मरीजों के लक्षणों के आधार पर जांच कराने और संदिग्ध मरीजों की निगरानी करने को कहा गया है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि जिला अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए 15-15 बेड, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में पांच बेड आरक्षित करने को कहा गया है। प्राइवेट अस्पतालों से भी संदिग्ध और पुष्ट मरीजों की जानकारी यूडीएसपी पोर्टल पर उपलब्ध कराने को कहा गया है।

डेंगू का बढ़ता दायरा, एक दिन में फिर मिले 2 नए मरीज, संख्या 35 पहुंची

गुरुग्राम। जिले में इस सीजन डेंगू का आंकड़ा 35 तक पहुंच गया है। शुक्रवार को भी दो नए डेंगू मरीजों की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शुक्रवार को डेंगू की जांच के लिए 97 सैंपल लिए गए, जबकि इस साल कुल 7,940 सैंपल जांचे जा चुके हैं। शुक्रवार को 1,243 घरों को रैपिड फीवर मास सर्वे के दायरे में लिया गया। अब तक जिले में 10.63 लाख से अधिक घरों का सर्वे किया जा चुका है। वहीं, जिले में मलेरिया के अब तक पांच मरीज मिल चुके हैं। हालांकि शुक्रवार को मलेरिया का कोई नया मामला दर्ज नहीं हुआ।

बलराम पूर्णिमा पर मंदिरों में गूंजा हरिनाम संकीर्तन

नोएडा, एजेंसी।

भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम के जन्मोत्सव बलराम पूर्णिमा पर शुक्रवार को शहर के मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा का माहौल रहा। इस मौके पर भजन-कीर्तन, भगवान कृष्ण-बलराम का अभिषेक किया गया। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण-बलराम का दूध, दही, शहद, घी, फलों के रस और पुष्पों से अभिषेक किया गया। इस उपलक्ष्य में भगवान को नए वस्त्र पहनाकर विशेष श्रृंगार किया गया। 108 प्रकार के व्यंजन अर्पित किए गए। उत्सव में 1500 से अधिक भक्तों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा परिसर में मटकी फोड़ उत्सव भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जगन्नाथ मंदिर में सुभद्रा ने बांधी बलराम को राखीसेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर में भी बलराम पूर्णिमा और रक्षाबंधन का पर्व एक साथ मनाया गया। झूलन यात्रा के समापन के बाद विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिर में परंपरा के अनुसार माता सुभद्रा ने भगवान बलराम को राखी बांधी। जगन्नाथ समिति के सदस्य प्रमोद बहल ने बताया कि यह परंपरा मंदिर के कपाट बंद करके निभाई जाती है।

पार्कों के रखरखाव के लिए ज्ञापन सौंपा

ग्रेटर नोएडा। प्राधिकरण के उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक ने सेक्टर डेल्टा-एक का निरीक्षण किया। इस दौरान आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने डी ब्लॉक पार्क में पाथवे का निर्माण कराने की मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा। सभी पार्कों का रखरखाव सही किए जाने की मांग की है। वरिष्ठ प्रबंधक ज्ञानेंद्र यादव ने सेक्टर के पुराने पाथवे के चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। आरडब्ल्यूए ने डी ब्लॉक के छोटे पार्क में पाथवे बनवाने की मांग की है। इस पर वरिष्ठ प्रबंधक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही उच्चाधिकारियों से आरडब्ल्यूए की मुलाकात कराई जाएगी। चर्चा करके शीघ्र इसका कार्य शुरू कराया जाएगा।

6.55 लाख रुपये लेकर अस्पताल में नहीं लगाई लिफ्ट

पीड़ित की गुहार पर अदालत ने दिया मुकदमा दर्ज करने का आदेश

ट्रांस हिंडन, एजेंसी।

टीला मोड़ थाना क्षेत्र में एक अस्पताल में लिफ्ट लगाने के नाम पर 6.55 लाख रुपये लेकर भी काम पूरा नहीं करने का मामला सामने आया है। शिकायत करने पर कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों पर धमकी देने का भी आरोप है।

पीड़ित ने संस्था और उसके मालिक के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की। जिसके बाद टीला मोड़ थाने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की है। अशोक नगर शाहदरा निवासी महेंद्र कुमार राजपूत ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली लक्ष्मी नगर में गंगा सहाय अनूप सिंह चेरिटेबल फाउंडेशन के निदेशक हैं। फाउंडेशन एक अस्पताल चलाती हैं। उन्हें अस्पताल में लिफ्ट की जरूरत थी। जिसके चलते सितंबर 2025 में शालीमार गार्डन स्थित मैसर्स हयात एलिवेटर कंपनी की ओर से उन्हें लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव दिया गया। प्रस्ताव के तहत 7.20 लाख रुपये में लिफ्ट लगाने का सौदा तय हुआ।

भुगतान के लिए शुरू में दस प्रतिशत भुगतान और कार्य समाप्त होने पर लिफ्ट को चालू किए जाने के बाद बाकी भुगतान किया जाएगा। हालांकि हयात कंपनी के निदेशक मौहम्मद आमिर ने जरूरत बताते हुए काम के बीच मे 6.55 लाख रुपये के लिए। जिसके बाद काम बंद कर दिया गया। जांच में यह भी पता चला कि लिफ्ट लगाने के दौरान खराब सामग्री का प्रयोग किया गया था।

उन्होंने इसकी शिकायत मौहम्मद आमिर से शिकायत भी की। इसके साथ काम पूरा करने के लिए कहा, लेकिन वह पहले तो टालमटोल करते रहे और बाद में काम करने से इनकार कर दिया। लिफ्ट नहीं लगने से अस्पताल में मरीजों को बहुत परेशानी होती है और वह खुद सीढ़िया चढ़ने के कारण घुटनों की बीमारी से ग्रस्त हो गए हैं।

फैन बेल्ट का फंदा बनाकर कैब चालक ने की आत्महत्या

गुरुग्राम। बादशाहपुर-टिकली रोड पर एक कैब चालक ने खाली गोदाम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान यूपी के एटा निवासी सुखबीर के रूप में हुई है, जो भोंडसी की स्नेह कॉलोनी में परिवार के साथ रह रहा था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गोदाम में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। घटनास्थल से शराब की बोतल, गिलास और नमकीन के पाउच मिले हैं। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने बताया कि सुखबीर के परिवार में पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। वह परिवार का इकलौता सहारा था। करीब तीन महीने पहले ही उसने आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए नई कैब खरीदी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि वह अकेले ही सुनसान गोदाम में गया था। वहां किसी दूसरे व्यक्ति के मौजूद होने के निशान नहीं मिले। आसपास झाडियां होने से किसी ने उसे देखा भी नहीं। उसने गाड़ी की फैन बेल्ट से फंदा बनाया और ईंट-पत्थर रखकर छत में टांग दिया। रबड़ की बेल्ट होने से वह टूट गई और शव नीचे फर्श पर गिर गया। पहले परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी, लेकिन फॉरेंसिक जांच में हत्या के कोई सबूत नहीं मिले।

बेटियां विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ें: वेरोनिक हर्मिनी

Mission ShaktiSAT
GLOBAL WOMEN LEADERSHIP AND DIPLOMACY SUMMIT

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में शुक्रवार को सेशेल्स की फर्स्ट लेडी वेरोनिक हर्मिनी ने मिशन शक्तिसैट का किया दौरा। यहां उन्होंने 108 देशों से आई छात्राओं से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहिए। जीबीयू में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला कूटनीति एवं नेतृत्व शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की पत्नी वेरोनिक हर्मिनी ने दुनियाभर से जुटीं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहिए। बता दें कि मिशन शक्तिसैट दुनिया के सबसे बड़े ऑल-गर्ल्स चंद्र मिशनों में से एक है, जिसमें 108 देशों की बालिकाओं को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। मिशन का उद्देश्य अगली पीढ़ी की महिलाओं को अंतरिक्ष विज्ञान एवं अन्वेषण के अग्रिम मोर्चे से जोड़ना और उन्हें वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने के अवसर उपलब्ध कराना है। स्पेस इंडिया की संस्थापक डॉ. श्रीमैथी केसन ने कहा कि मिशन का उद्देश्य दुनियाभर की लड़कियों और महिलाओं को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर सशक्त बनाना है।

ईडी ने जब्त की वाटिका ग्रुप की 33 करोड़ की प्रॉपर्टी

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कंपनी वाटिका लिमिटेड और उसके प्रमोटर-डायरेक्टर्स के दिल्ली-एनसीआर में सात ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पीएमएलए के तहत की गई, जो कि गुरुवार की देर रात तक जारी रही। छापेमारी में ईडी ने करीब 33 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। ईडी के मुताबिक मामला वाटिका इंडिया नेक्स्ट और वाटिका इंडिया नेक्स्ट-2 प्रोजेक्ट से जुड़ा है। कंपनी पर आरोप है कि प्लॉट देने का वादा कर ग्राहकों से पैसे लिए गए, लेकिन प्लॉट नहीं दिए गए। जांच में सामने आया कि 2010 से 2012 के बीच ग्राहकों से करीब 260.30 करोड़ रुपये लिए गए थे, लेकिन सिर्फ 120 करोड़ रुपये के प्लॉट ही दिए गए। बाकी प्लॉट 14 साल बाद भी ग्राहकों को नहीं मिले हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि इसी प्रोजेक्ट के 14 प्लॉट ग्राहकों की सहमति के बिना ही तीसरे पक्ष को बेच दिए गए। छापेमारी के दौरान प्रमोटरों से जुड़े प्रॉपर्टी के कागजात, ऑडिटेड वित्तीय रिकॉर्ड, टैली डेटा और फंड डायवर्जन से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके अलावा कई डिजिटल डिवाइस और ग्राहकों से ली गई रकम से जुड़े कागजात भी मिले हैं। ईडी ने तीन लग्जरी गाडियां, ज्वेलरी, बैंक खाते और सिक्योरिटीज को जब्त/फ्रीज किया है, जिनकी कुल कीमत करीब 33 करोड़ रुपये है।

हरियाणा: कोरोना कॉल में बनाए गए कई आक्सीजन प्लांट बंद

चंडीगढ़, एजेंसी।

LIQUID OXYGEN
LIQUID ARGON
LIQUID NITROGEN
SPECIALITY GASES LIMITED

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश भर के अस्पतालों में कोरोना महामारी के दौरान पीएम केयर्स और सीएसआर फंड से सरकारी अस्पतालों में लगाए गए 79 पीएसए ऑक्सीजन प्लांटों में से 56 पूरी तरह बंद पड़े हैं, जबकि सिर्फ 23 प्लांट ही चालू हालत में हैं। सरकार ने माना कि अधिकांश प्लांट मैकेनिकल और टेक्निकल खराबियों, स्पेयर पार्ट्स की कमी, सर्विसिंग की लागत में एकरूपता न होने और वेंडर द्वारा जरूरत से ज्यादा मरम्मत खर्च बताने की वजह से गैर-कार्यात्मक हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें दोबारा चालू करने के लिए केंद्रीयकृत टेंडर जारी करने की जानकारी भी सदन में दी। कोविड की दूसरी लहर के दौरान इन्हीं प्लांटों को अस्पतालों में बेडसाइड ऑक्सीजन सप्लाई की रीढ़ माना गया था। लेकिन महामारी गुजरने के कुछ साल बाद ही प्रदेश के अधिकांश अस्पतालों में यह व्यवस्था निष्क्रिय हो चुकी है। मुलाना विधायक पूजा चौधरी के सवाल पर सरकार ने यह जवाब दिया है।

विधानसभा में रखे गए आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा ऑक्सीजन प्लांट मेवात जिले में लगाए गए थे। यहां आठ प्लांट स्थापित हुए थे, लेकिन उनमें से सात बंद हैं और सिर्फ एक चालू है। गुरुग्राम की स्थिति भी चिंताजनक है। यहां सात में से छह प्लांट बंद हैं और केवल एक काम कर रहा है। रेवाड़ी में लगाए गए चारों प्लांट बंद पड़े हैं। जींद, भिवानी, कैथल, पलवल, पानीपत, सिरसा, चरखी दादरी और हांसी जैसे जिलों में भी एक भी ऑक्सीजन प्लांट फिलहाल चालू नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की ओर से सदन में दिए गए जवाब में कहा गया कि प्लांट बंद होने के पीछे कई तकनीकी और प्रशासनिक कारण हैं। इनमें सबसे बड़ा कारण मैकेनिकल और टेक्निकल खराबियां हैं। इसके अलावा स्पेयर पार्ट्स उपलब्ध न होना, अलग-अलग कंपनियों द्वारा सर्विसिंग की अलग-अलग लागत तय करना और वेंडरों द्वारा मरम्मत के लिए अनुमान से कहीं अधिक खर्च बताना भी वजह बताया गया है। सरकार ने कहा कि इन प्लांटों के संचालन के लिए केंद्रीयकृत टेंडर जारी कर दिया गया है, जिसे जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा और उसके बाद बंद प्लांटों को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा।

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार मेवात में आठ में से सात ऑक्सीजन प्लांट बंद हैं और केवल एक चालू है। गुरुग्राम में सात में से छह बंद हैं, जबकि एक चल रहा है। अंबाला, फरीदाबाद और करनाल में छह-छह प्लांटों में से तीन-तीन बंद हैं। रेवाड़ी में सभी चार प्लांट बंद हैं, जबकि रोहतक में चार में से तीन ठप पड़े हैं। झज्जर में तीन में से दो, जींद में तीनों, कुरुक्षेत्र में तीन में से दो और पंचकूला में तीन में से दो प्लांट बंद हैं। नारनौल में तीन में से एक, सोनीपत और यमुनानगर में तीन में से एक-एक प्लांट बंद है। भिवानी में दोनों, कैथल में दोनों, पलवल में दोनों, पानीपत में दोनों और सिरसा में दोनों प्लांट बंद हैं। हिसार में दो में से एक प्लांट बंद है। चरखी दादरी और हांसी में स्थापित एक-एक प्लांट भी बंद पड़ा है। कुल मिलाकर प्रदेश में 79 ऑक्सीजन प्लांटों में से 23 चालू और 56 बंद हैं।

हरियाणा के अस्पतालों में डाक्टरों व पैरामेडिकल की कमी

सरकार ने विधानसभा में पेश की रिपोर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ की भारी कमी सामने आई है। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री आरती सिंह राव ने विधानसभा में दी जानकारी में बताया कि जून 2026 तक राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों के 2572 और पैरामेडिकल अमले के 2742 पद रिक्त हैं। यानी कुल 5314 पद खाली पड़े हैं। यह नूंह के विधायक आफताब अहमद द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में यह जानकारी दी गई है।उन्होंने अप्रैल 2024 से जून 2026 तक राज्य के मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल अमल के रिक्त पदों का जिलावार ब्यौरा मांगा था। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार जींद मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के 559 पदों में से 555 पद रिक्त हैं जबकि पैरामेडिकल स्टॉफ के 623 में से 617 पद खाली हैं। वहीं महेंद्रगढ़ में चिकित्सकों के 559 में से 492 पद और पैरामेडिकल स्टाफ के 744 में से 744 पद रिक्त हैं। इन दोनों जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की कमी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। रोहतक के पंडित बी.डी. शर्मा पीजीआईएमएस में चिकित्सकों के 852 पदों में से 341 और पैरामेडिकल स्टॉफ के 1967 पदों में से 397 पद रिक्त हैं। करनाल में 367 में से 200 चिकित्सक और 400 में से 181 पैरामेडिकल पद, सोनीपत में 408 में से 213 चिकित्सक और 276 में से 132 पैरामेडिकल पद और फरीदाबाद में 184 में से 97 चिकित्सक और 388 में से 242 पैरामेडिकल पद खाली हैं। नूह में 362 में से 197 चिकित्सक और 557 में से 104 पैरामेडिकल पद रिक्त हैं जबकि भिवानी में 552 में से 477 चिकित्सक और 325 में से 325 पैरामेडिकल पद खाली हैं।

जून 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में हर स्तर पर मानव संसाधन की कमी बनी हुई है। कुल 5314 रिक्त पदों में 2572 चिकित्सक और 2742 पैरामेडिकल पद शामिल हैं। ऐसे में सरकार के सामने विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती के साथ-साथ पैरामेडिकल स्टॉफ के बड़े पैमाने पर रिक्त पदों को भरना भी बड़ी चुनौती है। सरकार का कहना है कि सभी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में ग्रुप-सी के रिक्त पदों को भरने के लिए एचएसएससी को मांग 21 एवं 28 जनवरी को भेज दी गई थी।

पंचायती राज चुनावों में स्वर्ण समाज का आंदोलन चर्चा का विषय

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान में आगामी पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों के बीच स्वर्ण समाज से जुड़े आंदोलन ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कौशिक ने अमर उजाला से बातचीत के दौरान सरकार और राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एक कथित आंदोलन को सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी करार दिया। कौशिक ने आरोप लगाया कि जिस आंदोलन में कथित तौर पर देशविरोधी, मनुवाद विरोधी और ब्राह्मण विरोधी नारे लगाए गए, उसके खिलाफ सरकार ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, जबकि स्वर्ण समाज की ओर से यूजीसी के प्रावधानों के विरोध में चल रहे आंदोलन पर सख्ती की जा रही है।

कौशिक ने कहा कि एक व्यक्ति के बाहर से आकर एयरपोर्ट पर अनुमति लेने और इसके बाद भूख हड़ताल पर बैठने से लेकर कई दिनों तक आंदोलन जारी रहने तक सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। उनके अनुसार, उस दौरान कथित तौर पर कई प्रकार के विवादित नारे लगाए गए, लेकिन सरकार ने संबंधित लोगों के खिलाफ वैसी कार्रवाई नहीं की, जैसी स्वर्ण समाज के आंदोलनकारियों के खिलाफ की जा रही है।

कौशिक ने इसी संदर्भ में सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी शब्द का इस्तेमाल करते हुए आरोप लगाया कि सरकार की रणनीति समाज को अलग-अलग वर्गों में बांटने की है। उनका कहना था कि सरकार को यह अंदाजा था कि यदि स्वर्ण समाज के आंदोलन के दबाव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाता है, तो सामाजिक समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।

कौशिक ने दावा किया कि जिस मुद्दे को लेकर स्वर्ण समाज आंदोलन कर रहा था, उस पर सरकार ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की, जबकि दूसरे आंदोलन के दबाव में कार्रवाई की गई।

उन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। कौशिक का कहना है कि उनका मुख्य मुद्दा यूजीसी रोलबैक है और इसी मांग को लेकर आंदोलन आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से लेकर चंडीगढ़ तक पैदल यात्राएं की गई हैं और आंदोलनकारियों के पैरों में पड़े छालों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पीड़ा आंदोलन की गंभीरता को दर्शाती है।

सिरसा: दो हेरोइन तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जिले क्षेत्र से दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से हेरोइन बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान सिरसा निवासी हरदौल सिंह व मंगल सिंह के रूप में हुई है। सीआईए कालांवाली प्रभारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान मंडी कालांवाली क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान व्यक्ति आता दिखाई दिया जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ गया। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 12 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान हरदौल सिंह के रूप में हुई। इसके अलावा सीआईए सिरसा पुलिस ने गांव फरवाई क्षेत्र बाइक सवार एक युवक को 14 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस गांव भरोखां के पास गश्त और पड़ताल कर रही थी।

रोहतक होटल हत्याकांड में बड़ा मोड़, विवाहिता की हत्या के आरोपी नीरज की भी मौत

रोहतक, एजेंसी।

रोहतक के एक निजी होटल के कमरे में गांव खेड़ी साथ निवासी विवाहिता की गला दबाकर हत्या किए जाने के मामले में बड़ा मोड़ सामने आया है। विवाहिता की हत्या के आरोप में पुलिस द्वारा नामजद किए गए युवक नीरज की भी उपचार के दौरान मौत हो गई।

हत्या की घटना के बाद नीरज ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक भेज दिया है। गौरतलब है कि शहर के एक निजी होटल में विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सूचना मिलने के बाद पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की बारीकी से जांच की थी। प्रारंभिक जांच और पोस्टमार्टम से जुड़े तथ्यों में विवाहिता की मौत गला दबाने के कारण होने की बात सामने आई थी, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विवाहिता के साथ होटल में आया था नीरजः पुलिस जांच में सामने आया था कि नीरज नाम का युवक विवाहिता के साथ होटल में आया था। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस ने नीरज को हत्या का आरोपी मानते हुए उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही थी।

इसी बीच नीरज ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। गंभीर हालत में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा था। कई दिनों तक उपचाराधीन रहने के बाद गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया।

पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेजा गया शव

नीरज की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई रोहतक भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि होटल में विवाहिता की हत्या के मामले में नीरज के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया था। आरोपी युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था और अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है।

गृह कर के बड़े बकायेदारों पर निगम का शिकंजा

292 टॉप डिफाल्टरों को नोटिस

सोनीपत, एजेंसी।

नगर निगम ने गृह कर के बड़े बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। निगम ने शहर के टॉप 292 प्रॉपर्टी मालिकों को गृहकर जमा कराने के लिए नोटिस जारी किए हैं। इन बकायेदारों को 31 अगस्त तक गृह कर जमा कर ब्याज में 75 फीसदी छूट योजना का लाभ उठाने का मौका दिया गया है। एक सितंबर से गृह कर की वसूली नए स्लैब के अनुसार की जाएगी।

नगर निगम ने बकाये गृह कर की वसूली के लिए अभियान तेज कर दिया है। लंबे समय से गृह कर जमा नहीं कराने वाले बड़े प्रॉपर्टी मालिकों की सूची तैयार कर पहले चरण में 292 टॉप डिफाल्टरों को नोटिस भेजे गए हैं। ये वे टॉप डिफाल्टर है जिन पर 5 लाख रुपये तक का गृह कर बकाया है।

निगम की ओर से साफ किया गया है कि 31 अगस्त तक बकाया राशि जमा कराने वालों को ब्याज में 75 फीसदी की छूट मिलेगी। ऐसे में बकायेदारों के पास राहत पाने के लिए अब केवल कुछ दिन ही शेष हैं। प्रॉपर्टी मालिकों की सुविधा को देखते हुए कार्यालय को शनिवार और रविवार को भी खुला रखा जाएगा। अवकाश के दिनों में भी लोग निगम कार्यालय पहुंचकर अपना गृह कर जमा करा सकेंगे। इससे अंतिम दिनों में कार्यालय में होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। अब तक 13.50 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा हो चुका है। शहरी स्थानीय निकाय की नई कर पॉलिसी लागू होने के बाद 1 सितंबर से प्रॉपर्टी टैक्स निर्धारित किया जाएगा। ऐसे में जिन संपत्ति मालिकों पर पुराना कर बकाया है, उनके पास मौजूदा व्यवस्था के तहत बकाया जमा करने के लिए 31 अगस्त तक का समय बचा है। नई व्यवस्था लागू करने के लिए डेटा फीड किया जा रहा है। एक सितंबर से नई कर पॉलिसी प्रभावी हो जाएगी। निगम ने प्रॉपर्टी मालिकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और 31 अगस्त से पहले बकाया गृह कर जमा कर ब्याज में मिल रही 75 फीसदी छूट का लाभ उठाएं। नगर निगम की इस कार्रवाई को गृह कर वसूली अभियान का बड़ा कदम माना जा रहा है। निगम की नजर अब उन प्रॉपर्टी मालिकों पर है, जिन पर लंबे समय से बड़ी राशि बकाया है। नोटिस मिलने के बाद भी बकाया जमा नहीं कराने वाले प्रॉपर्टी मालिकों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

विधानसभा स्पीकर ने करनाल में मिला सरकारी आवास छोड़ा

चंडीगढ, एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष को करनाल जिले में स्थित मधुबन पुलिस अकादमी कांप्लेक्स में अलॉट किए गए सरकारी आवास को लेने से इनकार कर दिया है। स्पीकर ने इस संबंध में हरियाणा सरकार को पत्र लिखकर मकान अलाट करने की प्रक्रिया को समाप्त करने के लिए कहा है।

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर घरौंडा विधानसभा हलके से विधायक हैं। कुटेल गांव में उनका अपना फार्म हाउस है। यह फार्म हाउस करीब 70 साल पुराना हो चुका है। जिसके नवीनीकरण के चलते पिछले दिनों कल्याण ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष यह मामला उठाया था।

कल्याण रेस्ट हॉउस या अन्य कोई जगह चाहते थे। मुख्यमंत्री ने स्पीकर की मांग को स्वीकार करते हुए मधुबन पुलिस अकादमी कांप्लैक्स में हाउस नंबर-2 आवंटित कर दिया। हरविंद्र कल्याण के पास चंडीगढ़ में पहले से ही एक सरकारी आवास है। दूसरा आवास अलाट होते ही कई पेचीदगी सामने आ गई। इस बीच स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सहयोगपूर्ण पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि पुलिस कॉम्प्लेक्स में आवासीय उपयोग के लिए आवंटित मकान को स्वीकार करना उनके लिए उचित नहीं होगा। विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए संस्थागत व्यवस्था और प्रशासनिक अनुशासन को प्राथमिकता है।

भिवानी सीआईए द्वितीय ने किया अवैध हथियार रखने का आरोपी गिरफ्तार

भिवानी, एजेंसी।

सीआईए द्वितीय भिवानी ने तोशाम बाईपास से एक युवक को बिना लाइसेंस के अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से एक देशी कट्टा बरामद किया है। सीआईए द्वितीय भिवानी के मुख्य सिपाही अजय कुमार 27 अगस्त को अपनी टीम के साथ गश्त एवं पड़ताल ड्यूटी के दौरान तोशाम बाईपास चौक भिवानी पर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि दिनोद नहर पुल भिवानी के नजदीक हनुमान मंदिर के पास एक युवक खड़ा है, जिसके पास बिना लाइसेंस का अवैध हथियार है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंचकर दबिश दी। पुलिस ने मौके से पुनीत निवासी डीसी कॉलोनी भिवानी को अवैध हथियार सहित काबू किया। उसके कब्जे से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी पुनीत के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत थाना शहर भिवानी में अभियोग दर्ज किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पढ़ाई करता है तथा अपना शौक पूरा करने के लिए उक्त अवैध हथियार लेकर आया था। गिरफ्तार आरोपी को शनिवार को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायालय ने आरोपी को जिला कारागार भेजने के आदेश दिए।

हरियाणा में गेस्ट टीचरों को नियमित करने की तैयारी

अदालती फैसलों के बाद सीएम के मुख्य प्रधान सचिव ने शिक्षा विभाग को दिए कार्रवाई के निर्देश

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पिछले 20-21 वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे लगभग 12 हजार अतिथि अध्यापकों (गेस्ट टीचर्स) में नियमित होने की एक नई उम्मीद जागी है। यह अध्यापक पिछले दो महीनों से लगातार अपने हक और अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं।

राज्य सरकार द्वारा कालेजों में कार्यरत करीब 5 हजार गेस्ट लेक्चरर्स को पहले ही नियमित किया जा चुका है, जिसके बाद स्कूलों में कार्यरत इन 12 हजार गेस्ट टीचरों की नियमित करने की मांग और अधिक मुखर हो गई है। हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण आदेशों ने इस मामले को नया मोड़ दिया है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने आदेश जारी कर दो महीनों के भीतर गेस्ट टीचरों को नियमित करने के निर्देश दिए थे। इसके पश्चात छह अगस्त 2026 को डबल बेंच द्वारा सुनवाई के दौरान भी दो महीने के भीतर नियमितीकरण प्रक्रिया पूरा करने के आदेशों पर मुहर लगाई गई।

अदालती आदेशों को धरातल पर लागू करवाने के उद्देश्य से राज्य के आधा दर्जन से अधिक अतिथि अध्यापक संगठन अब पूरी तरह से एकजुट हो चुके हैं। उन्होंने मिलकर 'हरियाणा गेस्ट टीचर्स संघर्ष समिति' का गठन किया है, जिसमें मैना यादव, कुलदीप झरोली, डा. अजय लोहान, कृष्ण धारसूल, राजेंद्र शास्त्री, पारस शर्मा और नरेंद्र संधू शामिल हैं।

संघर्ष समिति के प्रतिनिधि डा. अजय लोहान ने मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने स्पष्ट किया कि वे वर्ष 2014 में सरकार द्वारा बनाई गई नीति (16-06-2014 व 18-06-2014) की सभी शर्तों को पूरा करते हैं, परंतु वर्षों बाद भी पक्के नहीं हो पाए हैं। अनेक शिक्षक तो अब सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के कगार पर पहुंच चुके हैं।

मामले की गंभीरता और अदालती आदेशों का संज्ञान लेते हुए मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर ने पत्र पर स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। खुल्लर ने कहा कि गेस्ट टीचर्स को नियमित करने की संपूर्ण रूपरेखा और विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को अविलंब सौंपी जाए। राज्य के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने भी गेस्ट टीचरों के विषय में गहरी रुचि दिखाई है।

सम्पादकीय

हम खोते जा रहे मानवता, इंसानियत और जिम्मेदारियां

कभी भारत में घर की सबसे सुरक्षित जगह माता-पिता की गोद हुआ करती थी। वृद्ध माता-पिता परिवार की कमजोरी नहीं, बल्कि अनुभव, संस्कार और आशीर्वाद की सबसे बड़ी पूंजी माने जाते थे। घर में दादा-दादी हों तो बच्चों के लिए वे कहानी, संस्कार और जीवन का पहला विद्यालय होते थे। लेकिन आज बदलते सामाजिक परिवेश में एक ऐसा दृश्य सामने आ रहा है, जो सभ्य समाज की आत्मा को भीतर तक झकझोर देता है ..वही माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना वर्तमान खपा दिया, जीवन की संध्या में उन्हीं बच्चों से दूर कर दिए जाते हैं। सवाल यह नहीं है कि वृद्धाश्रम क्यों हैं। सवाल इससे कहीं बड़ा है ऐसी परिस्थितियां क्यों पैदा हो रही हैं कि माता-पिता को वृद्धाश्रम की आवश्यकता पड़ रही है?

भारत में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और उम्रदराज आबादी के साथ उनके स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहारे और पारिवारिक देखभाल की चुनौती भी बढ़ रही है। भारत में बढ़ती वृद्ध आबादी और उसके सामने मौजूद सामाजिक- आर्थिक तथा देखभाल संबंधी चुनौतियों को रेखांकित है। जिसने उंगली पकड़कर चलना सिखाया, उसी का हाथ क्यों छूट गया? जरा उस मां की कल्पना कीजिए, जिसने अपने बच्चे के लिए रातों की नींद गंवाई। बच्चे को बुखार आया तो वह पूरी रात उसके सिरहाने बैठी रही। फीस भरने के लिए उसने अपनी जरूरतें रोकीं। अच्छे कपड़े बच्चे के लिए खरीदे और अपने पुराने कपड़ों से काम चलाया। उस पिता को याद कीजिए जिसने अपनी इच्छाएं इसलिए स्थगित कर दीं कि बेटे की पढ़ाई पूरी हो जाए। जिसने खेत बेचा, कर्ज लिया, अतिरिक्त काम किया, लेकिन बच्चे को डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी या सफल व्यवसायी बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। बच्चा बड़ा हुआ। विदेश चला गया। महानगर में बस गया। बड़ी नौकरी मिल गई। आलीशान मकान बन गया। बैंक बैलेंस बढ़ गया। लेकिन उसी मकान में मां-बाप के लिए जगह नहीं बची! क्या विडंबना है कि जिस बच्चे के लिए माता-पिता ने अपना पूरा जीवन लगा दिया, वही बच्चा जीवन की संध्या में माता-पिता के लिए कुछ वर्ष निकालने में असमर्थ हो जाता है।

कुत्तों के लिए लग्जरी, माता-पिता के लिए जगह नहीं! समाज के बदलते चेहरे का इससे बड़ा व्यंग्य और क्या होगा कि कुछ लोग अपने पालतू कुत्तों के लिए वातानुकूलित कमरे, महंगे बिस्तर, विशेष भोजन, महंगी गाड़ियां और अत्याधुनिक सुविधाएं जुटाते हैं। उनके जन्मदिन मनाए जाते हैं, उन्हें परिवार का सदस्य कहा जाता है और सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें साझा की जाती हैं। पालतू पशुओं से प्रेम करना गलत नहीं है। पशु-प्रेम मनुष्य की संवेदनशीलता का ही हिस्सा है। लेकिन प्रश्न तब खड़ा होता है जब उसी घर में जन्म देने वाले माता-पिता के लिए समय, सम्मान और स्थान नहीं बचता। कुत्ते के लिए महंगा बिस्तर और मां के लिए एक कोना भी नहीं। कुत्ते के लिए विशेष भोजन और पिता के लिए दो वक्त की बातचीत भी नहीं। पालतू के लिए कार और माता-पिता के लिए अस्पताल जाने तक की फुर्सत नहीं तो फिर हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि हम आधुनिक हुए हैं या केवल सुविधा भोगी? संयुक्त परिवार टूटे, लेकिन क्या संवेदना भी टूटनी चाहिए? संयुक्त परिवारों का टूटना सामाजिक परिवर्तन की एक वास्तविक प्रक्रिया है। रोजगार, शिक्षा, महानगरीय जीवन, प्रवास और बदलती जीवनशैली ने परिवार की संरचना बदली है। हर वृद्ध व्यक्ति का अपने बच्चों के साथ रहना संभव भी नहीं हो सकता। बेटा विदेश में है तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह अपराधी है। बेटी दूसरे शहर में रहती है तो इसका अर्थ यह नहीं कि वह अपने माता-पिता से प्रेम नहीं करती। समस्या दूरी नहीं, संवेदनहीनता है। आज तकनीक ने दूरी को बहुत हद तक कम कर दिया है। वीडियो कॉल के माध्यम से हजारों किलोमीटर दूर बैठे माता-पिता से रोज बात की जा सकती है। आर्थिक सहायता भेजी जा सकती है। स्वास्थ्य की निगरानी की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर किसी विश्वसनीय व्यक्ति को उनकी देखभाल के लिए लगाया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि कई बार समस्या साधनों की नहीं, इच्छा की होती है।

वृद्धाश्रम अपने आप में बुरे नहीं हैं। कुछ वरिष्ठ नागरिक अपनी इच्छा से, बेहतर सामाजिक वातावरण के लिए या ऐसी परिस्थितियों में जहां परिवार उपलब्ध नहीं है, वृद्धाश्रम का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन वह वृद्धाश्रम अत्यंत पीड़ादायक हो जाता है जहां किसी मां की आंखें दरवाजे पर अपने बेटे का इंतजार करती रहती हैं और बेटा महीनों तक खबर तक नहीं लेता। वह वृद्धाश्रम और भी दुखद हो जाता है जहां कोई वृद्ध व्यक्ति अपने बच्चों की तस्वीर सीने से लगाए यह कहता है ह्लबेटा बहुत बड़ा आदमी बन गया है... बस मेरे लिए उसके पास समय नहीं है। यह वाक्य किसी भी संवेदनशील मनुष्य को भीतर तक तोड़ देने के लिए पर्याप्त है। यदि समाज किसी वृद्धाश्रम को सहयोग देता है तो उस सहयोग का प्रत्येक अंश उन वृद्धों तक पहुंचना चाहिए जिनके नाम पर वह सहायता प्राप्त की गई है। वृद्धाश्रम सेवा का स्थान हैं, स्वार्थ का माध्यम नहीं। जहां समाज दान देता है, वहां पारदर्शिता भी होनी चाहिए। नियमित निरीक्षण, आय-व्यय का सार्वजनिक लेखा-जोखा, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा और मानवीय व्यवहार इन सभी की व्यवस्था सुनिश्चित करना शासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। वृद्धाश्रम दया का केंद्र नहीं, गरिमा के साथ जीवन जीने का स्थान होना चाहिए। कानून भी कहता है माता-पिता को बेसहारा नहीं छोड़ा जा सकता। भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण के लिए सीनियर सिटिजन एक्ट 2007 बनाया गया है। इस कानून में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण के अधिकार के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, चिकित्सा देखभाल, वृद्धाश्रमों की स्थापना तथा उनके परित्याग जैसे विषयों के लिए प्रावधान किए गए हैं। अर्थात यह केवल भावनात्मक या नैतिक प्रश्न नहीं है; यह सामाजिक जिम्मेदारी और कानून से जुड़ा विषय भी है।

कानून के दायरे में अवैध घुसपैठ पर सख्ती जरूरी

कांतलाल मांडोत

भारत की सुरक्षा और नागरिकता से जुड़ा प्रश्न आज पहले से कहीं अधिक गंभीर और संवेदनशील हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट की उस टिप्पणी ने इस बहस को नई दिशा दी है, जिसमें फर्जी आधार या फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से देश में पहचान स्थापित करने वाले विदेशी नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर खोजकर निर्वासित करने और केंद्र तथा राज्य की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत बताई गई है। दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह कहना कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में रहने का अधिकार केवल वैध नागरिकों को है, सरकार की उस नीति को स्पष्ट करता है जिसमें अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है।

दोनों घटनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। सवाल केवल कुछ विदेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेज हासिल करने का नहीं है, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जिसके कारण कोई व्यक्ति भारत में प्रवेश करने के बाद अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर आधार, पैन, शैक्षणिक प्रमाणपत्र और यहां तक कि भारतीय पासपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज हासिल करने में सफल हो जाता है। यदि किसी विदेशी नागरिक के लिए व्यवस्था में इतनी बड़ी सेंध संभव है तो यह केवल दस्तावेजों की जालसाजी का मामला नहीं, बल्कि देश की प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष सामने आया मामला इस खतरे की गंभीरता को समझने के लिए पर्याप्त है। अफगानिस्तान के एक नागरिक के बारे में अदालत को बताया गया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी वह भारत में रहा और कथित रूप से अपनी मूल पहचान छिपाकर दूसरी पहचान के नाम पर आधार, पैन और अन्य दस्तावेज हासिल किए। यदि न्यायिक प्रक्रिया में सामने आए तथ्य सही हैं तो यह जांच का विषय जरूर है कि संबंधित विभागों ने दस्तावेज जारी करते समय आवश्यक सत्यापन क्यों नहीं किया। एक व्यक्ति की पहचान अनेक सरकारी दस्तावेजों में अलग-अलग तरीके से स्थापित हो जाए, तो इससे व्यवस्था की कमजोर कड़ियां उजागर होती हैं।

यहां सबसे बड़ा प्रश्न एजेंसियों के बीच तालमेल का है। देश में विदेशी नागरिकों के प्रवेश और प्रवास से संबंधित काम कई विभागों और एजेंसियों के जिम्मे है। सीमा सुरक्षा बल, आव्रजन विभाग, पुलिस, खुफिया एजेंसियां, विदेशी नागरिकों से संबंधित प्रशासनिक तंत्र और पहचान से जुड़े विभागों के बीच सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान होना चाहिए। किसी व्यक्ति का वीजा समाप्त हो गया है, वह निर्धारित अवधि से अधिक समय से भारत में रह रहा है या उसके दस्तावेजों में संदिग्ध जानकारी है, तो यह सूचना संबंधित एजेंसियों तक तुरंत पहुंचनी चाहिए। तकनीक के इस दौर में अलग-अलग विभागों के रिकॉर्ड एक-दूसरे से जुड़े न हों और सूचनाएं अलग-अलग खानों में पड़ी रहें, तो सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाता है।

इसलिए अब केवल जांच बढ़ाने की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को आधुनिक बनाने की जरूरत है। पहचान संबंधी दस्तावेज जारी करने से पहले विदेशी नागरिकों के मामले में सत्यापन की प्रक्रिया अधिक कठोर होनी चाहिए। आधार पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इस अंतर को प्रशासनिक स्तर पर पूरी स्पष्टता के साथ समझना आवश्यक है। किसी विदेशी नागरिक को वैध आधार संबंधी सुविधा मिल सकती है या नहीं, यह कानून और निर्धारित नियमों के अनुसार तय होता है, लेकिन आधार को नागरिकता का प्रमाण मानकर आगे अन्य दस्तावेज जारी करने की प्रवृत्ति गंभीर समस्या पैदा कर सकती है।

भारतीय पासपोर्ट जैसे संवेदनशील दस्तावेज के लिए तो सत्यापन की व्यवस्था और भी मजबूत होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी पहचान के आधार पर पासपोर्ट हासिल किया है तो केवल उस व्यक्ति पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी पता लगाना जरूरी है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले कौन थे, उनका इस्तेमाल किस स्तर पर हुआ और सरकारी तंत्र में किसी व्यक्ति की मिलीभगत या लापरवाही थी या नहीं। जब तक पूरे नेटवर्क पर प्रहार नहीं होगा, तब तक एक व्यक्ति को हटाने के बाद दूसरा व्यक्ति उसी रास्ते से व्यवस्था में प्रवेश कर सकता है।

अमित शाह का अवैध घुसपैठ को आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकी के लिए खतरा बताना भी इसी व्यापक चिंता की ओर संकेत करता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध प्रवेश केवल सीमा प्रबंधन का विषय नहीं रह जाता। यदि कोई व्यक्ति लंबे समय तक बिना वैध दस्तावेजों के देश में रह रहा है और बाद में फर्जी पहचान बना लेता है तो यह कानून व्यवस्था, संसाधनों और सुरक्षा व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकता है। इसलिए घुसपैठ रोकना और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करना राज्य की स्वाभाविक जिम्मेदारी है।

लेकिन इस जिम्मेदारी के साथ एक दूसरी जिम्मेदारी भी जुड़ी है। किसी व्यक्ति को केवल संदेह के आधार पर विदेशी घोषित नहीं किया जा सकता और न ही किसी भारतीय नागरिक को गलत पहचान या प्रशासनिक त्रुटि के कारण अपने अधिकारों से वंचित किया जाना चाहिए। कठोर कार्रवाई का अर्थ मनमानी कार्रवाई नहीं हो सकता। पहचान, नागरिकता और निर्वासन से संबंधित हर कदम स्पष्ट कानून, उचित जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप होना चाहिए। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच संतुलन कायम रखा जाए।

अवैध घुसपैठ से निपटने की सबसे प्रभावी रणनीति सीमा से लेकर दस्तावेज जारी करने तक पूरी श्रृंखला को मजबूत करना होगी। सीमा पर निगरानी बढ़ाने के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि सीमा पार से आया कोई व्यक्ति फर्जी पहचान के सहारे देश की वैध नागरिक व्यवस्था में प्रवेश न कर सके। इसके लिए आधुनिक तकनीक, साझा डाटाबेस, दस्तावेजों की डिजिटल जांच और विभिन्न एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

स्वस्थ शरीर, सशक्त राष्ट्र और अनुशासित समाज की पहचान

सुरेश सिंह बैस ₹शाश्वत

राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) पर विशेष

राष्ट्रीय
खेल दिवस

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। मेजर ध्यानचंद ने अपने अद्भुत कौशल, अनुशासन और खेल भावना से भारत को विश्वभर में गौरवान्वित किया। उनके सम्मान में यह दिवस न केवल खिलाड़ियों का अभिनंदन करता है, बल्कि युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित भी करता है।

खेल हमें केवल जीतना नहीं सिखाते, बल्कि हार से सीखकर आगे बढ़ना भी सिखाते हैं। मैदान पर खिलाड़ी अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का वास्तविक अभ्यास करता है। यही गुण आगे चलकर जीवन की सफलता का आधार बनते हैं। आज जब मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बच्चों और युवाओं का अधिकांश समय स्क्रीन के सामने बीत रहा है, तब खेलों का महत्व और भी बढ़ गया है। नियमित खेलकूद शरीर को स्वस्थ, मन को प्रसन्न और व्यक्तित्व को संतुलित बनाते हैं।

मेजर ध्यानचंद का नाम भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। उनकी हॉकी स्टिक पर गेंद मानो जादू की तरह चलती थी, इसलिए उन्हें ₹हॉकी का जादूगर₹ कहा गया। उनके नेतृत्व और खेल कौशल ने भारत को लगातार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ध्यानचंद का जीवन बताता है कि महानता जन्म से नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्राप्त होती है।

स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियाँ, तनाव, मोटापा और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से बचाव में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रतिदिन का शारीरिक व्यायाम और खेलकूद केवल शरीर ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाते हैं। इसीलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। हॉकी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, निशानेबाजी, भाला फेंक और शतरंज जैसे अनेक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। यह परिवर्तन इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल क्रिकेट का देश नहीं, बल्कि बहुआयामी खेल प्रतिभाओं का राष्ट्र बन रहा है।

खेल सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव को भी मजबूत करते हैं। मैदान में खिलाड़ी का परिचय उसकी जाति, भाषा या धर्म से नहीं, बल्कि उसके प्रदर्शन और तिरंगे के प्रति समर्पण से होता है। यही खेलों का सबसे बड़ा संदेश है। यदि प्रत्येक बच्चा प्रतिदिन कुछ समय खेल के मैदान में बिताए, तो वह केवल स्वस्थ नहीं बनेगा, बल्कि अनुशासित, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक भी बनेगा। खेल मैदानों में पसीना बहाने वाले युवा ही जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक साहस से कर पाते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएँ।खेल शरीर को शक्ति, मन को संतुलन और राष्ट्र को गौरव प्रदान करते हैं। एक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब हर गाँव, हर विद्यालय और हर शहर में खेल संस्कृति को सम्मान मिलेगा। मेजर ध्यानचंद की स्मृति हमें यही संदेश देती है कि परिश्रम, अनुशासन और खेल भावना ही सफलता का वास्तविक मार्ग है।

टीबी मुक्त भारत का सपना लेकर निकले युवा

टी.बी. मुक्त भारत अभियान
अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ELP)
Know About TB Sessions-Field Visit by TB Mitras
सत्र : 2026-27
मेरा युवा भारत, दक्षिण दिल्ली
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार
Follow us on
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

टीबी मुक्त भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में युवा सहभागिता को मजबूत करते हुए रेजिलिएंस सेवा फाउंडेशन की युवा स्वयंसेवी शाखा रेजिलिएंस यूथ क्लब के युवा स्वयंसेवक टीम ने माय भारत, साउथ दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय क्षय रोग एवं श्वसन रोग संस्थान में आयोजित सप्ताहभर के टीबी मुक्त भारत इक्स्पीरीएन्शल लर्निंग प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह कार्यक्रम पूरे एक सप्ताह तक आयोजित हुआ, जिसमें युवा स्वयंसेवकों को टीबी की रोकथाम, उपचार, जांच, मरीजों की काउंसलिंग तथा सामुदायिक सहभागिता के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

रेजिलियंस सेवा फाउंडेशन के संयोजक रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि इस कार्यक्रम ने जनस्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव और सामुदायिक सहभागिता को एक साथ जोड़ा है , इसके माध्यम से स्वयंसेवकों ने टीबी को केवल एक चिकित्सकीय समस्या के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसी सामुदायिक चुनौती के रूप में समझा, जिसके समाधान के लिए जागरूकता, समय पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, काउंसलिंग, सामाजिक सहयोग और निरंतर जनभागीदारी आवश्यक है । उन्होंने बताया है कि हर बीमारी का ईलाज संभव है यदि उसकी समय पर पहचान हो जाए , कोई भी बीमारी आपके पास नहीं आयेगी यदि आप जागरूक होंगे । उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के चौथे और पांचवें दिन टीम ने बेगमपुर बस्ती क्षेत्र का दौरा किया, जहां स्वयंसेवकों ने सामुदायिक सर्वेक्षण, टीबी जागरूकता एवं जनसंपर्क गतिविधियों में भाग लिया। स्वयंसेवकों ने स्थानीय समुदाय के लोगों से संवाद करते हुए टीबी की रोकथाम, उपचार तथा उचित स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर लाभ लेने के संबंध में जागरूकता का संदेश पहुंचाया।

इस पहल को नीलू ठडानी, जिला युवा अधिकारी दक्षिण दिल्ली, तथा डॉ. नीता सिंगला, प्रमुख, महामारी विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य विभाग एवं जिला टीबी अधिकारी, का महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

रेजिलिएंस सेवा फाउंडेशन का यह प्रोजेक्ट व विचार है कि वह भारत से विशेषकर दिल्ली जैसे राज्य को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य है। यूथ क्लब से जुड़े तमाम युवाओं ने संकल्प लिया है कि माय भारत, के माध्यम से साउथ दिल्ली के माध्यम से राष्ट्रीय क्षय रोग एवं श्वसन रोग संस्थान में आयोजित 18 से 24 अगस्त तक पूरे सप्ताहभर के टीबी मुक्त भारत एक्सपेरिएंटल लर्निंग प्रोग्राम को लोगों के बीच जाकर सफलतापूर्वक पूरा किया। यह कार्यक्रम पूरे एक सप्ताह तक आयोजित हुआ, जिसमें युवा स्वयंसेवकों को टीबी की रोकथाम, उपचार, जांच, मरीजों की काउंसलिंग तथा सामुदायिक सहभागिता के विभिन्न पहलुओं का व्यावहारिक अनुभव दिया। इस दौरान लोगों ने इस कार्यक्रम में आकर टीबी जैसी बीमारी, आपके परिवार में कैसे दस्तक देती है, उससे बचने के उपाय, सावधानी बरतने, ग्रामीण व अशिक्षित लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध मे जानकारी देने, उन्हें जागरूक करने, सरकारी, गैर सरकारी सेवाओं का कैसे लाभ उठाया जाए, कार्यशाला, सेमिनार आदि के माध्यम से दी गई। फाउंडेशन समय - समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ के विषय में बताता रहता है।

रेजिलियंस सेवा फाउंडेशन के संयोजक रवि शंकर प्रसाद ने बताया है कि हमनें इस कार्यक्रम के अंतर्गत जनस्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण, व्यावहारिक अनुभव और सामुदायिक सहभागिता को एक साथ जोड़ा है ।18 से 24 अगस्त तक चले इस कार्यक्रम के माध्यम से हजारों लोगों ने लाभ उठाया। इसके माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों ने टीबी को केवल एक चिकित्सकीय समस्या के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसी सामुदायिक चुनौती के रूप में समझाया जिसके समाधान के लिए जागरूकता, समय पर स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, काउंसलिंग, सामाजिक सहयोग और निरंतर जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया है कि हर बीमारी का ईलाज संभव है यदि उसकी समय पर पहचान हो जाए, कोई भी बीमारी आपके पास नहीं आयेगी यदि आप जागरूक होंगे। श्री प्रसाद ने बताया कि बरसात के दौरान लोगों द्वारा स्वच्छ पानी न मिलने पर, घर में सफाई न करने पर, तथा कई दिनों के फास्ट फूड खाने से बीमारी पैदा होती है। इतना ही नहीं भूखे रहने से, मादक पदार्थों के सेवन आदि से भी टीबी और अन्य बीमारियां उत्पन्न होती हैं।

कक्षा से समुदाय तक

राष्ट्रीय क्षय रोग एवं श्वसन रोग संस्थान में पहले तीन दिनों के दौरान स्वयंसेवकों ने टीबी के कारण, रोकथाम और उपचार के बारे में व्यवस्थित जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उन्हें बलगम नमूना संग्रह की प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। स्वयंसेवकों ने टीबी मरीजों की काउंसलिंग एवं मानसिक और भावनात्मक सहयोग के महत्व को भी समझा, जिससे उन्हें टीबी देखभाल के मानवीय एवं सामाजिक पहलुओं की गहरी समझ मिली। इसके बाद कार्यक्रम ने संस्थागत प्रशिक्षण से आगे बढ़कर प्रत्यक्ष सामुदायिक सहभागिता का रूप लिया। एक्सपेरिएंटल लर्निंग प्रोग्राम का समापन

रेजिलिएंस यूथ क्लब की टीम के लिए एक्सपेरिएंटल लर्निंग प्रोग्राम का समापन किसी गतिविधि का अंत नहीं, बल्कि टीबी मुक्त भारत के लिए निरंतर प्रतिबद्धता की शुरूआत है। स्वयंसेवक एक्सपेरिएंटल लर्निंग प्रोग्राम से प्राप्त ज्ञान और अनुभव को आगे बढ़ाते हुए सामुदायिक जागरूकता, युवा सहभागिता, टीबी से जुड़े सामाजिक कलंक को कम करने, शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता तथा संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के मार्गदर्शन में उचित सामुदायिक गतिविधियों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल यह दशार्ती है कि युवा नागरिक केवल जागरूकता के दर्शक नहीं, बल्कि समुदाय में सकारात्मक परिवर्तन के सक्रिय वाहक बन सकते हैं और एक्सपेरिएंटल लर्निंग को वास्तविक सामुदायिक कार्रवाई में परिवर्तित कर सकते हैं।

रेजिलिएंस यूथ क्लब के बारे में: रेजिलिएंस यूथ क्लब, रेजिलिएंस सेवा फाउंडेशन की युवा स्वयंसेवी शाखा है, जो युवाओं को सामुदायिक विकास, जनजागरूकता, सामाजिक सेवा एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागी बनाने के लिए कार्य करती है। उन्होंने बताया है कि क्लब समय - समय पर लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, नैतिक शिक्षा, अनुशासन और व्यवहारिक ज्ञान के विषय में जागरूक करता रहता है। बच्चों को भी उनके अधिकार और कर्तव्यों से भी परिचित कराना संस्था का मुख्य उद्देश्य है।

स्वामीः गायत्री मीडिया, मुद्रकः रजनी कुमारी, प्रकाशक व संपादकः शैलेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस, डी-85, नोएडा, सेक्टर-6, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर कार्यालय, 5, प्रथम तल, आपका सिटी प्लाजा, सिविल लाईन्स, गुरुग्राम, हरियाणा से प्रकाशित। सभी विवादों के न्याय क्षेत्र चंडीगढ़ न्यायालय में होगा। RNI No-HRHIN/25/A2901 (M) 9818087861

देवीधुरा में फलों-फूलों से खेली गई ऐतिहासिक बग्वाल, लाखों श्रद्धालु बने साक्षी

देवीधुरा को नगर पंचायत बनाने की घोषणा, 9.80 करोड़ से बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग

चम्पावत, एजेंसी।

उत्तराखंड के चम्पावत जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध मां वाराही धाम देवीधुरा में रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को ऐतिहासिक बग्वाल मेले का आयोजन हुआ। चार खाम और सात थोक के बीच खेली गई पारंपरिक बग्वाल में इस बार फलों और फूलों का प्रयोग किया गया। मां वाराही के जयकारों के बीच बग्वाल मैदान फलों और फूलों की बरसात से गूंज उठा। चार खामों के बीच दोपहर 1:48 बजे शुरू हुई बग्वाल करीब आठ मिनट तक चली, जिसमें इस बार परंपरागत रूप से फलों और फूलों का प्रयोग किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस अनूठी ऐतिहासिक परंपरा के साक्षी बने।

बग्वाल के दौरान पूरा मैदान मां वाराही के जयकारों से गूंज उठा। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बग्वालियों ने बांस और रिंगाल से बनी ढालों के साथ सदियों पुरानी परंपरा का निर्वहन किया। शंखनाद और जयकारों के बीच शुरू हुई बग्वाल को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। दोपहर 1:48 बजे शुरू हुई बग्वाल 1:55 बजे समाप्त हुई। दोपहर 1:48 बजे शुरू हुई ऐतिहासिक बग्वाल 1:55 बजे समाप्त हुई। करीब आठ मिनट तक चले इस अनूठे आयोजन में फलों और फूलों का प्रयोग कर सदियों पुरानी परंपरा को जीवंत रखा गया। पीठाचार्य पंडित कीर्तिबल्लभ जोशी के अनुसार फल-फूलों से खेली जाने वाली बग्वाल को अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। उन्होंने ही चारों खामों के आगमन और बग्वाल के संचालन की जिम्मेदारी निभाई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवीधुरा पहुंचकर मां वाराही की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि देवीधुरा का बग्वाल मेला उत्तराखंड की आस्था, समृद्ध लोक संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत प्रतीक है। राज्य सरकार आधुनिक विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यमानसखंड मंदिर माला मिशनह्न के तहत कुमाऊं क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास किया जा रहा है। देवीधुरा मंदिर परिसर में 4.27 करोड़ रुपये की लागत से गढ़वाल खाम भवन और 4.57 करोड़ रुपये से रणकोची मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में धार्मिक अवस्थापना और सौंदर्यीकरण के तहत 68.58 करोड़ रुपये की लागत से 397 कार्य किए गए हैं।

धामी ने देवीधुरा को नगर पंचायत क्षेत्र बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि यहां 9.80 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण भी शीघ्र कराया जाएगा। उन्होंने बग्वाल मेले को राजकीय मेला घोषित किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे मेले की व्यवस्थाओं और गरिमा को और मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बग्वाल की यह अनोखी परंपरा देवीधुरा की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि बग्वाल के बाद सभी प्रतिभागी एक-दूसरे से गले मिलते हैं, जो अनुशासन और भाईचारे का संदेश देता है। मां वाराही धाम में प्रधान पुजारी की पूजा-अर्चना के बाद चार खामों–वालिक, चम्याल, गहड़वाल और लमगड़िया–के बग्वालियों ने मैदान में प्रवेश किया। अलग-अलग रंगों की पारंपरिक वेशभूषा और पगड़ियों में सजे बग्वालियों ने हाथों में ढालें थाम रखी थीं।

गढ़वाल विश्वविद्यालय बिड़ला परिसर छात्रसंघ चुनाव कार्यक्रम घोषित

11 सितंबर को किया जाएगा मतदान

श्रीनगर (गढ़वाल), एजेंसी।

हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर, श्रीनगर में छात्रसंघ चुनाव 2026-27 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. एम.सी. सती की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार छात्रसंघ के विभिन्न पदों के लिए मतदान 11 सितंबर को होगा और इसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

छात्रसंघ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव, कोषाध्यक्ष और छह कार्यकारिणी सदस्यों के अलावा विश्वविद्यालय छात्रसंघ प्रतिनिधि (यूआर) का निर्वाचन होगा। अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्र दो सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक और तीन सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक जमा किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच पांच सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक होगी। इसी दिन शाम पांच बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। नामांकन वापसी भी पांच सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक होगी।

मतदान 11 सितंबर को सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू की जाएगी और परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को सुबह 10 बजे एसीएल हॉल में होगा। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी, प्रस्तावक और अनुमोदक का बिड़ला परिसर का नियमित या संस्थागत छात्र होना अनिवार्य है। प्रत्याशी के लिए नामांकन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। स्नातक स्तर के प्रत्याशी की आयु एक जुलाई 2026 को 17 से 22 वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर के प्रत्याशी की अधिकतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में निर्धारित अवधि के आधार पर आयु सीमा में एक वर्ष की छूट का प्रावधान है।

प्रत्याशी के लिए अपनी कक्षा में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति भी अनिवार्य होगी। विश्वविद्यालय या महाविद्यालय द्वारा दंडित छात्र-छात्रा छात्रसंघ का चुनाव नहीं लड़ सकेगा। प्रत्येक प्रत्याशी चुनाव प्रचार में अधिकतम पांच हजार रुपये खर्च कर सकेगा। इससे अधिक खर्च पाए जाने पर निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है। प्रत्याशी को परिणाम घोषित होने के दो सप्ताह के भीतर चुनावी खर्च का प्रमाणित लेखा-जोखा मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में जमा करना होगा। चुनाव प्रक्रिया में लिंगदोह समिति की संस्तुतियों तथा विश्वविद्यालय की ओर से छात्र हित में जारी संशोधनों और निर्देशों का पालन करना होगा। मतदान के दिन परिसर में किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री लेकर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। नियमों के उल्लंघन पर प्रत्याशी के खिलाफ कार्रवाई के साथ नामांकन या निर्वाचन निरस्त किया जा सकता है।

शराब के नशे में दोस्ती बनी दुश्मनी

हरिद्वार, एजेंसी।

रजवाहे में मिले अज्ञात शव के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मृतक की हत्या उसके ही दो दोस्तों ने शराब पार्टी के दौरान पैसों के विवाद और वीडियो बनाने की बात से नाराज होकर की थी। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। 23 अगस्त 2026 को कोतवाली मंगलौर को सूचना मिली कि ग्राम टिकोला के रजवाहे में एक शव पड़ा है। प्रभारी निरीक्षक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर फील्ड यूनिट ने साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान कपिल पुत्र मेघपाल, निवासी टिकोला के रूप में हुई। भाई अमित कुमार की तहरीर पर पुलिस ने रितिक और उसके साथी के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया। एसएसपी हरिद्वार ने शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। मुखबिर की सूचना और जांच के बाद 27 अगस्त को पुलिस ने दोनों नामजदों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित रितिक पंवार पुत्र धीर सिंह और दीपक पंवार पुत्र सुरेश, दोनों निवासी ग्राम जटौली तैय्यबपुर बड़ा, थाना देवबंद, जिला सहारनपुर (यूपी) के रहने वाले हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कपिल और दोनों आरोपित दोस्त थे। कपिल ने रितिक और दीपक से करीब 15 हजार रुपये उधार लिए थे और 700 रुपये के कपड़े भी खरीदे थे। योजना के तहत आरोपियों ने कपिल को टिकोला पुलिया पर बुलाया। तीनों ने साथ बैठकर शराब पी। इसी दौरान कपिल ने मोबाइल निकालकर वीडियो बनाने की बात कही। इससे दोनों भड़क गए। कहासुनी बढ़ने पर दोनों ने मिलकर कपिल की हत्या कर दी और शव को रजवाहे में फेंककर बाइक से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले की विवेचना जारी है।

पौड़ी में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

पौड़ी गढ़वाल, एजेंसी।

भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को पौड़ी में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही घर-आंगन से लेकर बाजारों तक पर्व की रौनक दिखाई दी। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर सुख, समृद्धि एवं दीघार्यु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर पौड़ी के बाजार रंग-बिरंगी राखियों और मिठाइयों से सजे नजर आए। सुबह से ही राखी, मिठाई और उपहार की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बनी रही। बहनों ने अपनी पसंद की राखियां खरीदीं, जबकि भाइयों ने भी बहनों के लिए उपहार और मिठाइयों की खरीदारी की।

बाजारों में दिनभर चहल-पहल रहने से शहर का माहौल उत्सवमय बना रहा। नौकरी और पढ़ाई के सिलसिले में घर से दूर रहने वाले कई भाई-बहन भी रक्षाबंधन पर अपने परिवारों के बीच पहुंचे। लंबे समय बाद हुई मुलाकात ने पर्व की खुशियों को और बढ़ा दिया। घरों में पूजा-अर्चना के बाद राखी बांधने और मिठाई खिलाने का सिलसिला चलता रहा।

कांग्रेस देवभूमि का माहौल खराब करने के लिए जातीय विद्वेष फैला रही : भाजपा

देहरादून, एजेंसी ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने हल्द्वानी प्रकरण को लेकर कांग्रेस पर प्रदेश का माहौल खराब करने और जातीय विद्वेष का झूठा नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के खिलाफ कांग्रेस की शिकायत बेबुनियाद है और इससे पार्टी कार्यकताओं में आक्रोश है। कांग्रेस की ओर से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के खिलाफ की गई शिकायतें केवल मीडिया की सुर्खियां बटोरने का प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि जब जातीय अपमान की कोई घटना हुई ही नहीं तो कांग्रेस द्वारा इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर देवभूमि की छवि खराब करने की कोशिश शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार दो चुनावों में हार का सामना कर चुकी कांग्रेस आगामी चुनाव में अपनी तीसरी हार सामने देखकर प्रदेश को जातियों में बांटने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कभी जातीय भेदभाव या विद्वेष का माहौल नहीं रहा और प्रदेश की जनता सामाजिक सौहार्द के साथ रहती आई है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस का राजनीतिक स्तर इस हद तक गिर गया है कि वह अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी कथित झूठे और समाज विरोधी नैरेटिव में शामिल कर रही है। उन्होंने कहा कि बिना वजह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को विवाद में घसीटे जाने से पार्टी कार्यकताओं में गहरा आक्रोश है। महामंत्री परिहार ने कहा कि देवभूमि की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को समझती है और प्रदेश के माहौल एवं छवि को खराब करने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेशवासियों के सहयोग से ऐसी कथित विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला करेगी।

पेड़ो पर रक्षासूत्र बांध बुग्यालों के संरक्षण का संकल्प लिया

उत्तरकाशी, एजेंसी।

रक्षाबंधन के पर्व पर भाई-बहन के स्नेह और सुरक्षा के रिश्ते के साथ राइंका कॉलेज धौंतरी के बाल वैज्ञानिकों ने प्रकृति से भी रक्षा का रिश्ता जोड़ा। छात्र-छात्राओं ने समुद्रतल से लगभग 2900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हरुंता बुग्याल पहुंचकर पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधे और जंगल, जलस्त्रोत तथा बुग्यालों के संरक्षण का संकल्प लिया।

हरुंता की हरी वादियां इस दौरान विद्यार्थियों के लिए प्रकृति की खुली प्रयोगशाला बनीं। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026-27 की शोध परियोजना के अंतर्गत बाल वैज्ञानिकों ने बुग्याल की वनस्पतियों, जैव-विविधता, मिट्टी, जलस्त्रोत और पारिस्थितिकी का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने क्षेत्र की प्राकृतिक विशेषताओं का अवलोकन करने के साथ बुग्यालों पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभावों और उनके संरक्षण की संभावनाओं से संबंधित जानकारियां भी एकत्र कीं।

वहीं इससे पूर्व रक्षासूत्र आंदोलन के प्रणेता पर्यावरणविद् सुरेश भाई ने विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और रक्षासूत्र आंदोलन की पृष्ठभूमि तथा वनों को बचाने में जनभागीदारी की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और स्थानीय पर्यावरणीय समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य शांति प्रसाद नौटियाल ने कहा कि इस प्रकार के क्षेत्रीय अध्ययन विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर प्रकृति को समझने का अवसर देते हैं। इससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। इस मौके पर डॉ. शंभू प्रसाद नौटियाल एवं अरुण नौटियाल के मार्गदर्शन में कृष्णा, संध्या, रंजना, अमीषा, सुमित, गुलाब, सुधांशु, आकांक्षा और हिमांशु सहित अनेक विद्यार्थियों ने अभियान में भाग लिया।

लोक भवन में सजी देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों की झलक

देहरादून, एजेंसी।

रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को लोक भवन में देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पर्व मनाया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों और विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

राज्यपाल ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, विश्वास और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षा, जिम्मेदारी और परस्पर सम्मान की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों से लेकर समाज और परिवार की सुरक्षा एवं कल्याण में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करना रक्षाबंधन की भावना को व्यापक बनाता है।

बच्चों की देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी प्रस्तुतियां नई पीढ़ी को राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों के प्रति जागरूक करने का माध्यम हैं। इस अवसर पर सेपियंस स्कूल विकासनगर, हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स उत्तराखंड, समर वैली स्कूल देहरादून और देवभूमि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल हरिद्वार की छात्राओं ने भी राज्यपाल को राखी बांधी।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

विशेष रेलगाड़ियां

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा विशेष रेलगाड़ियाँ संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः

04165/04166 प्रयागराज-शकूरबस्ती-प्रयागराज विशेष — 2 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04165		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04166	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:00	प्रयागराज	22:30	---
10:00	---	शकूरबस्ती	---	12:00

चलने के दिनः 04165 प्रयागराज से दिनांक 29.08.2026 को और **04166 शकूरबस्ती से** दिनांक 30.08.2026 को।

स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूण्डला, अलीगढ़ एवं दिल्ली स्टेशन

02157/02158 रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन-रानी कमलापति विशेष — 2 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02157		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02158	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	21:20	रानी कमलापति	23:15	---
10:30	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	12:10

चलने के दिनः 02157 रानी कमलापति से दिनांक 30.08.2026 को और **02158 हज़रत निज़ामुद्दीन से** दिनांक 31.08.2026 को।

स्थानः 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर एवं मथुरा जं. स्टेशन।

04642/04641 अमृतसर-हजूर साहिब नांदेड-अमृतसर आरक्षित विशेष — 2 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04642		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04641	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:10	अमृतसर	11:20	---
11:00	---	हजूर साहिब नांदेड	---	21:00

चलने के दिनः 04642 अमृतसर से दिनांक 31.08.2026 को और **04641 हजूर साहिब नांदेड से** दिनांक 06.09.2026 को।

स्थानः शयनयान एवं सामान्य

ठहरावः ब्यास, जालंधर सिटी, फगवाड़ा जं., लुधियाना जं., सरहिंद जं., राजपुरा जं., अंबाला कैंट, पानीपत जं., दिल्ली सफदरजंग, मथुरा जं., आगरा कैंट जं., ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं., बीना जं., भोपाल जं., इटारसी जं., खंडवा जं., भुसावल जं., मनमाड जं., नागरसुल, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी जं. एवं पूर्णा जं. स्टेशन

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:–
www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

You Tube f X पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2984/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

वंदे मातरम कार्यक्रम में 50 कलाकारों ने लिया हिस्सा

देहरादून, एजेंसी।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी), प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय वंदे मातरम-150 वर्ष लोक एवं जनजातीय कला कार्यशाला, प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। करीब 50 कलाकारों ने इसमें भाग लेकर भारतीय लोक एवं जनजातीय कला की विविध शैलियों को प्रदर्शित किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री लोक गायिका डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने कहा कि चित्रकला केवल एक विधा नहीं, बल्कि कला-साधना है। लोक कला लोगों को प्रकृति और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि कला से संवेदनशीलता, सकारात्मक सोच और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

विशिष्ट अतिथि रंगकर्मी डॉ. राकेश भट्ट ने कहा कि लोक भाषा, लोक संगीत और लोक कला समाज की आत्मा हैं। इनके संरक्षण के लिए युवाओं को आगे आना होगा। युवा पीढ़ी अपनी पारंपरिक कला और संस्कृति को समझे और उसे आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाए, तभी लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सकेगा।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की कुलसचिव डॉ.छाबड़ा ने कहा कि एनसीजेडसीसी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम ने विद्यार्थियों, कला प्रेमियों और आमजन को भारतीय लोक एवं जनजातीय कला की विविधता को करीब से समझने का अवसर दिया। आयोजन समन्वयक डॉ.कृष्ण कुमार ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य लोक एवं जनजातीय कला परंपराओं के संरक्षण के साथ युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना था। विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों ने अपनी कला शैलियों में चित्र और अन्य कलाकृतियां तैयार कीं तथा एक-दूसरे की कला परंपराओं और तकनीकों को समझने का अवसर पाया।

चित्रकला प्रतियोगिता में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति, लोकजीवन, मातृभूमि और भारतीय जीवन मूल्यों से जुड़े विषयों को कलाकारों ने अपनी रचनाओं में उकेरा। प्रतियोगिता में विशाखा गुंज्याल, मानवी सलाथिया, मीरा चौहान, आरुषि सेमवाल और हर्षदीप कौर को श्रेष्ठ पांच कलाकार चुना गया।

प्रत्येक विजेता को 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। प्रत्येक प्रतिभागी कलाकार को एनसीजेडसीसी की ओर से 2,100 रुपये की सम्मान राशि भी दी जा रही है।

डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि कार्यक्रम एनसीजेडसीसी, प्रयागराज के निदेशक सुदेश शर्मा के निर्देशन में आयोजित हुआ। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. आलोक तीर्थ भौमिक और नीलम जयाला और निर्णायक मंडल में डॉ. अंजलि थापा और डॉ. शशि झा शामिल रहे।

नोडल अधिकारी डॉ.मंदाकिनी शर्मा ने कहा कि आयोजन पारंपरिक कला विधाओं के संरक्षण और युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद कर्मकार सहित शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कला प्रेमी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन के अवसर पर 'पुलिस दीदी' टीम को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

भागलपुर, एजेंसी।

रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर शुक्रवार को महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए भागलपुर पुलिस द्वारा 'पुलिस दीदी की विभिन्न टीमों को विधिवत रूप से रवाना किया गया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा 'पुलिस दीदी टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण पर्व के अवसर पर पुलिस दीदी टीम की शुरूआत महिलाओं एवं पुलिस के बीच विश्वास, सुरक्षा और आत्मीयता के मजबूत संबंध का प्रतीक है।

इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा के लिए भागलपुर पुलिस हर समय तत्पर एवं प्रतिबद्ध है। वर्तमान में 'पुलिस दीदी टीम के लिए 25 पिंक स्कूटी उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास अन्य दोपहिया वाहन भी उपलब्ध हैं, जिसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में नियमित एवं प्रभावी गश्ती सुनिश्चित की जाएगी। इन वाहनों की सहायता से टीम द्वारा ऐसे क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं आवागमन करती हैं।

आने वाले समय में 'पुलिस दीदी' टीम की संख्या एवं उपलब्ध संसाधनों में और वृद्धि किए जाने की योजना है, जिससे जिले के अधिक से अधिक क्षेत्रों में महिला सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। पुलिस दीदी टीम द्वारा विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्रों में निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा बस स्टैंड, प्रमुख बाजार, शॉपिंग क्षेत्र एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाएगी।

महिलाओं एवं छात्राओं की आवाजाही वाले संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग की जाएगी। 'पुलिस दीदी' टीम का उद्देश्य केवल गश्ती एवं निगरानी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महिलाओं एवं छात्राओं को उनकी सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

'पुलिस दीदी' की सभी टीमों की गतिविधियों की नियमित एवं बेहतर मॉनिटरिंग की जाएगी। टीमों की गश्ती, क्षेत्रीय कवरेज एवं कार्यप्रणाली का प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाएगा, ताकि निर्धारित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का सही ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

भागलपुर पुलिस का उद्देश्य है कि जिले में प्रत्येक महिला एवं छात्रा सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण में अपने दैनिक कार्यों को पूरा कर सके। महिलाएं बिना किसी भय या संकोच के स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, कार्यस्थल, बाजार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आवागमन कर सकें, इसके लिए पुलिसिंग व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

'पुलिस दीदी' इसी दिशा में भागलपुर पुलिस की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से महिला सुरक्षा को पुलिसिंग की प्राथमिकता के केंद्र में रखते हुए त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। भागलपुर पुलिस महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जिले में महिला सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक संसाधनों, नियमित गश्ती, बेहतर मॉनिटरिंग एवं जनसहयोग के माध्यम से निरंतर प्रयास जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ में अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 105 मामले, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

रायपुर, एजेंसी।

H1N1 :
SWINE FLU

छत्तीसगढ़ में कई जगह स्वाइन फ्लू के मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गुरुवार को दुर्ग और खैरागढ़ में स्वाइन फ्लू के तीन मरीजों की पुष्टि हुई है। खैरागढ़ में स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों (1 जनवरी से 27 अगस्त, 2026 तक) के अनुसार प्रदेश में इस वर्ष स्वाइन फ्लू के कुल 105 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 18 सक्रिय मरीज हैं।

रायपुर में स्वाइन फ्लू के 51 मरीज मिले हैं जिसमें से छह सक्रिय मरीज है। बिलासपुर में 12 स्वाइन फ्लू के मरीज मिले जिसमें दो सक्रिय हैं।धमतरी में स्वाइन फ्लू के 7 मरीज हैं जिसमें चार सक्रिय हैं जबकि दुर्ग में 7 मरीज स्वाइन फ्लू के मिले हैं जिनमें से दो सक्रिय मरीज हैं। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग के अलावा कोरबा और खैरागढ़ में भी नए मामलों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रख दिया है।

गुरुवार को दुर्ग और खैरागढ़ में स्वाइन फ्लू के तीन मरीजों की पुष्टि हुई। खैरागढ़ में स्वाइन फ्लू का पहला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल सतर्कता बढ़ा दी है। छुईखदान ब्लॉक से स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्चे के घर पहुंची और परिवार के सदस्यों के साथ-साथ आसपास के लोगों की भी स्वास्थ्य जांच शुरू की। स्वास्थ्य विभाग अब बच्चे के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाने में भी लगा है।

छुईखदान के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बघेल ने बताया है कि संक्रमित बालक की स्थिति और उसके संपर्क में आए लोगों की स्वास्थ्य स्थिति पर विभाग लगातार नजर बनाए हुए है।

रक्षाबंधन पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटील ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

भाई-बहन के बीच विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है यह पर्व

सूरत, एजेंसी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कई बहनों ने उन्हें राखी बांधकर उनके दीघार्यु, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सी.आर. पाटील ने भी सभी बहनों और देशवासियों को प्रेम, विश्वास एवं स्नेह के इस पवित्र पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सी.आर. पाटील ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच विश्वास, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। बहन जब भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो भाई उसकी सुरक्षा और सम्मान बनाए रखने का संकल्प लेता है। उन्होंने कहा कि यही इस पर्व का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है।

उन्होंने कहा कि देश के हर कोने में लोग बिना किसी भेदभाव के रक्षाबंधन का पर्व मनाते हैं। यह त्योहार भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता, पारिवारिक मूल्यों और आपसी प्रेम की भावना को और मजबूत करता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन के माध्यम से भाई-बहन के रिश्ते में मौजूद आत्मीयता और परस्पर विश्वास की भावना और प्रगाढ़ होती है।

बेटियों की सुरक्षा की कमान 'पुलिस दीदी' के हाथों, सीवान में उतरीं 30 दोपहिया गाड़ियां

सीवान, एजेंसी।

रक्षित कार्यालय
सिवान

महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सीवान में अब ह्यपुलिस दीदीह्न यानी अभया ब्रिगेड सक्रिय होगी। पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले को 20 स्कूटी और 10 मोटरसाइकिल मिली हैं।

रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को पुलिस केंद्र, सीवान से जिला पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने हरी झंडी दिखाकर सभी 30 वाहनों को रवाना किया। ये वाहन जिले में तैनात पुलिस कर्मियों को उपलब्ध कराए गए हैं, जो महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े कार्यों को तेजी से अंजाम देंगे। दरअसल, 26 अगस्त को मुख्यमंत्री बिहार सरकार द्वारा पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) के लिए राज्यभर में 4700 स्कूटी एवं मोटरसाइकिल वितरित की गई थीं।

इसी योजना के तहत सीवान को भी 30 दोपहिया वाहन मिले हैं। 'पुलिस दीदी' की टीम विद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगातार निगरानी एवं जागरूकता का कार्य करेगी। महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के साथ ही किसी आपात स्थिति में मौके पर पहुंचकर त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने में भी ये वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे खासकर स्कूल-कॉलेज आने-जाने वाली छात्राओं और सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाली महिलाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत होने की उम्मीद है।

गोवा में धर्मांतरण रोधी विधेयक का विपक्ष कर रहा विरोध

पणजी। धर्मांतरण रोधी विधेयक के मसौदे का विरोध बढ़ने के बीच गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि इस विधेयक पर कोई भी चर्चा 31 अगस्त से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में होगी। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत ह्यगोवा गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध विधेयक, 2026ह्न में बलपूर्वक, दबाव, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, कपटपूर्ण साधनों या विवाह के जरिए कथित धर्मांतरण के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक समेत विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर दावा किया है कि इससे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीएम सावंत ने विपक्ष के विरोध पर कहा कि विधेयक को सदन में पेश होने दीजिए। हम वहीं इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून पर अन्य कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह विधेयक आगामी तीन दिवसीय मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा।

नेपाल की जल त्रासदी पर मोरारी बापू ने जताया शोक

राहत के लिए 51 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

पीएम फंड में 11 लाख और नेपाल प्रधानमंत्री राहत कोष में 40 लाख रुपये दिए जाएंगे

अहमदाबाद, एजेंसी।

नेपाल में हाल ही में आई भीषण जल त्रासदी से कथाकार मोरारी बापू व्यथित हैं। उन्होंने आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए 51 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है।

मोरारी बापू ने नेपाल में आई भयावह प्राकृतिक आपदा पर दुख जताते हुए हनुमंत प्रसाद के रूप में 51 लाख रुपये की सहायता अर्पित करने का निर्णय लिया है। इसमें से 11 लाख रुपये चित्रकूट धाम तलगाजरडा के माध्यम से भारतीय प्रधानमंत्री राहत कोष में दिए जाएंगे, जबकि 40 लाख रुपये नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा कराए जाएंगे।

बताया गया है कि इस सहायता राशि की वित्तीय सेवा मुंबई स्थित रामकथा के एक श्रोता द्वारा की जाएगी। इस पहल के जरिए नेपाल में आपदा से प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने और संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़े होने का संदेश दिया गया है।

मोरारी बापू ने भारत समेत विश्व के विभिन्न देशों के नागरिकों के लिए हनुमानजी के चरणों में प्रार्थना की। उन्होंने जल त्रासदी में जान गंवाने वाले सभी लोगों की आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

मोरारी बापू ने आपदा प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में मानवता और करुणा सबसे महत्वपूर्ण है। सहायता राशि की घोषणा के माध्यम से उन्होंने प्रभावित लोगों के प्रति सहयोग और संवेदना का संदेश दिया है।

उल्लेखनीय है कि बुधवार सुबह नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ग्लेशियर का करीब 1.2 किलोमीटर लंबा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इसके बाद बर्फ, चट्टानों और मलबे के साथ बड़ी मात्रा में पानी तेजी से नीचे की ओर बहने लगा। कुछ ही समय में इसका असर भोटेकोशी नदी पर दिखाई दिया और नेपाल के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई।

इस प्राकृतिक आपदा के बाद कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है तथा बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की खबर सामने आई है। ऐसे समय में मोरारी बापू की ओर से घोषित आर्थिक सहायता को आपदा प्रभावित परिवारों की मदद के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा की ओर बढ़ने के साथ ही अमरनाथ यात्रा संपूर्णता की ओर

श्रीनगर, एजेंसी।

वार्षिक अमरनाथ यात्रा अपने आध्यात्मिक समापन की ओर बढ़ रही है। शुक्रवार को पवित्र छड़ी मुबारक (पवित्र गदा) पंचतरणी से पवित्र गुफा की ओर प्रस्थान किया है। यह इस तीर्थयात्रा का अंतिम और सबसे पवित्र चरण है। छड़ी मुबारक के साथ स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, जम्मू कश्मीर आर्म्ड पुलिस, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस की माउंटेन रेस्क्यू टीमें चल रही हैं। खास रेस्क्यू टीमों की मिली-जुली तैनाती यह पक्का कर रही है कि तीर्थयात्रा का आखिरी चरण सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरा हो क्योंकि रास्ते में ऊंचाई वाले और मुश्किल इलाके हैं। पवित्र गुफा में वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन से जुड़ी पारंपरिक धार्मिक रस्में निभाई जाएंगी। इसके बाद सामूहिक प्रार्थना और भक्ति-भाव वाले कार्यक्रम होंगे। पवित्र गुफा में छड़ी मुबारक का पहुंचना बहुत धार्मिक महत्व रखता है और पारंपरिक रूप से यह वार्षिक श्री अमरनाथ तीर्थयात्रा के समापन का प्रतीक है। इससे लाखों तीर्थयात्रियों की हफ्तों की भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक यात्रा पूरी होती है। पवित्र गदा के पवित्र गुफा की ओर बढ़ने के साथ ही श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 अपने भव्य आध्यात्मिक समापन की ओर बढ़ रही है। सुरक्षा बल, रेस्क्यू कर्मी और सिविल प्रशासन आखिरी रस्मों को सुरक्षित रूप से पूरा करने के लिए आपस में मिलकर काम कर रहे हैं।

दरबार साहिब में नतमस्तक हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान

चंडीगढ़, एजेंसी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान रक्षा बंधन के अवसर पर शुक्रवार को पंजाब दौरे पर अमृतसर पहुंचे। उन्होंने सच्चखंड श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेककर गुरु घर का आशीर्वाद लिया। दरबार साहिब में नतमस्तक होने के बाद केंद्रीय मंत्री ने कुछ समय गुरु घर में बिताया और लंगर सेवा में हिस्सा लिया। उन्होंने लंगर हॉल में बर्तन साफ करके सेवा की। इस दौरान श्रद्धालुओं और पार्टी कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला। शिवराज सिंह चौहान रक्षाबंधन और रक्खड़ पुनिया मेला के अवसर पर पंजाब के दौरे पर हैं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यहां आकर एक नए प्रकाश व ऊर्जा का संचार हुआ है। गुरू घर में सभी एक समान है। आज उन्हें यहां आने का सौभाग्य मिला है। केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम में किसानों से मुलाकात और संवाद प्रमुख रूप से शामिल है।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री उमरानंगल गांव में आयोजित 'किसान चौपाल' में किसानों से संवाद करेंगे। वहीं, बाबा बकाला साहिब में रक्खड़ पुन्या मेले से जुड़े कार्यक्रमों में भी उनके शामिल होने का कार्यक्रम है।

बेंगलुरु पुलिस की गाड़ी और यूपी की बस में आमने-सामने टक्कर, 4 की मौत और 12 घायल

भोपाल/राजगढ़, एजेंसी।

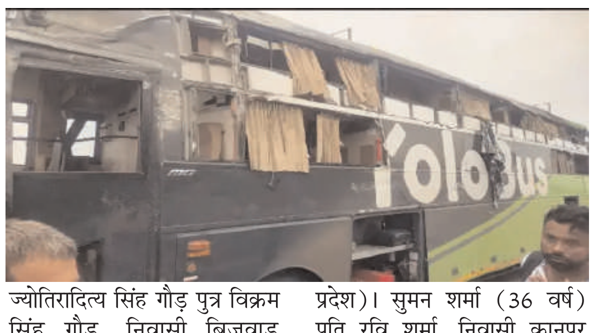

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में भोपाल बायपास ब्रिज पर शुक्रवार सुबह आरोपितों की तलाश में निकली बेंगलुरु पुलिस की टीम की गाड़ी और उत्तर प्रदेश की एक यात्री बस के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में बेंगलुरु पुलिस के एक साइबर इंस्पेक्टर और बस ड्राइवर समेत 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को भोपाल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, राजगढ़ जिला मुख्यालय के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। आरोपितों की तलाश में निकली बेंगलुरु (कर्नाटक) पुलिस की गाड़ी और उत्तर प्रदेश की एक यात्री बस के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में कर्नाटक पुलिस के एक पुलिस निरीक्षक (इंस्पेक्टर), बस चालक सहित 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें से 5 की हालत नाजुक होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत भोपाल रेफर किया गया है। मृतकों में कर्नाटक पुलिस निरीक्षक रवि केवी (45 वर्ष) पुत्र बसप्पा, निवासी बेंगलुरु, कर्नाटक।

विकास शुक्ला (29 वर्ष) पुत्र अवध नारायण, निवासी तेंदुली, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश (बस चालक)। बेलाल अली (23 वर्ष) पुत्र कलीमुल्लाह मियां, निवासी साथी, गोपालगंज, बिहार। ज्योतिरादित्य सिंह गौड़ पुत्र विक्रम सिंह गौड़, निवासी बिजवाड़ शामिल हैं।

घायल हुए 12 लोगों को तुरंत नजदीकी जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को भोपाल भेजा गया है। कर्नाटक पुलिस में एएसआई के पद पर तैनात श्रीनिवास (50 वर्ष) पुत्र वेंकटेश गिरी, निवासी बेंगलुरु को भोपाल रेफर किया गया है। इसके अलावा अमित कुमार (40 वर्ष) पुत्र विनोद कुमार सिंह, निवासी मोहम्मदपुर, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। सुरेंद्र प्रताप सिंह (68 वर्ष) पुत्र भद्रसेन सिंह, निवासी ग्राम हुरुरी, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। सुमन शर्मा (36 वर्ष) पति रवि शर्मा, निवासी कानपुर (उत्तर प्रदेश)। केशव (28 वर्ष) पुत्र श्रीपाल, निवासी मथुला, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) हैं।

दूसरी ओर, मीनू सिंह (37 वर्ष) पति अमित कुमार, निवासी जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। रक्षित सिंह (13 वर्ष) पुत्र अमित सिंह, निवासी जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। रवि शर्मा (42 वर्ष) पुत्र दीनानाथ शर्मा, निवासी कानपुर (उत्तर प्रदेश)। पार्थ शर्मा (08 वर्ष) पुत्र रवि शर्मा, निवासी कानपुर (उत्तर प्रदेश)। रमेश नायक पुत्र पंडप्पा, निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक पुलिस में सब इंस्पेक्टर/एसआई, हादसे में घायल)। विश्वनाथ (39 वर्ष) पुत्र मोहन, निवासी साइबर सेल बेंगलुरु, कर्नाटक (पुलिस स्टाफ, हादसे में घायल)। सोनू (39 वर्ष) पुत्र हरी बाबू, निवासी ग्राम खैराबाद, सीतापुर (उत्तर प्रदेश)। (बस के सह-चालक गुड्डू पिता कुंवर कुशवाह, निवासी भांडोली, सीतापुर भी सुरक्षित/घायल बताए जा रहे हैं।)

बेंगलुरु पुलिस टीम के अनुसार, बेंगलुरु की साइबर सेल और पुलिस टीम एक आपराधिक मामले में आरोपितों की लोकेशन ट्रेस करते हुए उत्तर प्रदेश की तरफ जा रही थी। इसी दौरान राजगढ़ क्षेत्र में उनकी गाड़ी सामने से आ रही यूपी नंबर की बस से टकरा गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर रास्ता साफ कराया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बलिया में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी।

बलिया के भीमपुरा थाना पुलिस ने गुरुवार रात हुई मुठभेड़ के बाद महिलाओं के गहने और पुराने पीतल के बर्तन साफ करने के बहाने चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा, दो कारतूस, सोने के तीन आभूषण, 15,600 रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के मुताबिक, गुरुवार रात में भीमपुरा थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इब्राहिम पट्टी-उधरण मार्ग पर प्रेमराजा गांव के पास कुछ संदिग्ध बदमाश मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्धों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पुलिस का दावा है कि बदमाशों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। वहीं, दूसरा आरोपी मौके से भागने की कोशिश करने लगा लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। घायल आरोपी की पहचान अरविंद सोनी निवासी पंचवीर, थाना साहेबपुर कमाल, जिला बेगूसराय, बिहार के रूप में हुई है। पकड़े गए दूसरे आरोपी की पहचान पंकज सोनी निवासी साहेबपुर कमाल, जिला बेगूसराय, बिहार के रूप में हुई है।

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी कथित तौर पर गांव-गांव घूमकर महिलाओं के गहने और पुराने पीतल के बर्तन साफ करने का झांसा देते थे। इसी दौरान मौका पाकर महिलाओं के आभूषण चोरी कर लेते थे। पुलिस ने कहा कि आरोपियों द्वारा 21 से 24 अगस्त के बीच ऐसी घटनाओं को अंजाम देने की बात पूछताछ में सामने आई है। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ला ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम को गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई थी। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी जबकि दूसरे आरोपी को पुलिस ने पीछा कर पकड़ लिया। घायल आरोपी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगरा में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई गई है।

सावन पूर्णिमा पर अयोध्या में उमड़ा आस्था का सैलाब

अयोध्या, एजेंसी।

सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर अयोध्या में आस्था का सैलाब देखने को मिला। गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों पर पहुंचने लगे। लोगों ने सरयू में आस्था की डुबकी लगाई और भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की।

सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। पूरे महीने शिव भक्त मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। सावन पूर्णिमा इस धार्मिक माह का महत्वपूर्ण पड़ाव है। अयोध्या में भी इस दिन श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान के बाद मंदिरों में जाकर पूजा-पाठ किया और शिवलिंग पर जल अर्पित किया।

एक पुजारी ने बात करते हुए बताया कि सावन पूर्णिमा का दिन भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने से श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ा रहे हैं, जलाभिषेक कर रहे हैं और शिव की आराधना में जुटे हैं। मान्यता है कि सावन में श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है।

उन्होंने कहा कि सावन पूर्णिमा के दिन धार्मिक आस्था के साथ रक्षाबंधन का त्योहार भी मनाया जाता है। भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का यह पर्व देशभर में उत्साह के साथ मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं में राजा बलि और माता लक्ष्मी से जुड़ी कथा भी इस दिन से जोड़ी जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी ने गरीब स्त्री का वेश धारण कर राजा बलि को राखी बांधी थी। उधर, बिहार के बांका में भी सावन पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

हरदोई में एक घर के बाहर मिला हैंड ग्रेनेड, गांव में मचा हड़कंप

हरदोई, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के एक गांव में घर के बाहर ग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया। इसके बाद डायल-112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी गई। परिवार के एक सदस्य ने पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए अपने रिश्तेदारों पर घर के अंदर ग्रेनेड फेंके जाने का आरोप लगाया है।

यह मामला हरदोई जिले के हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जोधनपुरवा गांव का है। गांव निवासी सतीश कुमार का आरोप है कि रात में किसी ने उनके घर के अंदर पॉलीथिन में लिपटी संदिग्ध वस्तु फेंकी। वह पहले घर में पड़े तिरपाल पर गिरी, फिर जमीन पर और इसके बाद पानी में जा गिरी।

बाद में सतीश ने उसे उठाया और घर के बाहर फेंक दिया, लेकिन उस समय उन्हें पता नहीं था कि पॉलीथिन में क्या है। बाद में जब सुबह उन्होंने उसे खोलकर देखा तो अंदर हैंड ग्रेनेड देखकर उनके होश उड़ गए। सतीश के मुताबिक, संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और गांव में हड़कंप मच गया।

सतीश ने पत्रकारों को बताया कि जब मैं खाना खा रहा था, उसी समय मेरे घर पर ग्रेनेड फेंका गया। मैंने उसे एक पॉलिथीन में रखकर बाहर फेंक दिया था। सुबह पॉलिथीन खोलकर देखने पर गांव और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी गई।

महिलाओं का सम्मान मेरे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं, रक्षाबंधन पर बोले अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान, उनकी सुरक्षा, उनके सपने और उनकी आकांक्षाएं उनके लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसे उत्तर प्रदेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाओं को समान अवसर, न्याय, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व का पूरा अधिकार मिले।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक पत्र जारी कर कहा, ह्लमेरी प्यारी माताओं, बहनों और बेटियों, रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, यह विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और रिश्तों की पवित्र जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपका सम्मान, आपकी सुरक्षा, आपके सपने और आपकी आकांक्षाएं मेरे लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की हर बेटी को निर्भय होकर पढ़ने का अधिकार मिले, हर बहन को आगे बढ़ने के अवसर मिले, हर मां को यह भरोसा हो कि उसका परिवार सुरक्षित और सम्मानित है, यही मेरा वचन है। मैं ऐसे उत्तर प्रदेश के लिए प्रतिबद्ध हूं जहां महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि समान अवसर, न्याय, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व का पूरा अधिकार मिले। अखिलेश यादव ने कहा कि मैं मानता हूं कि जब एक महिला सुरक्षित होती है, तो परिवार मजबूत होता है। जब एक बेटी आगे बढ़ती है, तो समाज आगे बढ़ता है, और जब बहनों के सपनों को पंख मिलते हैं, तो पूरा प्रदेश प्रगति करता है।

नाबालिग बेटी को उसके पिता को सौंपने से इनकार नहीं किया जा सकताः इलाहाबाद

प्रयागराज, एजेंसी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि हिंदू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा छह के तहत पिता अपनी नाबालिग बेटी का स्वाभाविक संरक्षक है और जब तक यह साबित न हो जाए कि वह उसका संरक्षक बनने के योग्य नहीं है, उसे बेटी की अभिरक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने प्रयागराज के अधिवक्ता अभिषेक यादव की अपील स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। यादव ने उनकी नाबालिग बेटी की अभिरक्षा उन्हें देने से इनकार करने संबंधी अधीनस्थ अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

अदालत ने 21 अगस्त के अपने फैसले में कहा, ह्यह्यहिंदू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 की धारा छह के प्रावधानों के मद्देनजर बच्चों की अभिरक्षा पर पिता का प्राथमिक अधिकार है। जब तक यह साबित न हो जाए कि वह उसका संरक्षक बनने के योग्य नहीं है, उसे नाबालिग बच्चे की अभिरक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। यादव का विवाह 2019 में हुआ था और 2022 में दंपति की एक बेटी हुई। वर्ष 2023 में उनकी पत्नी के भाई उसे मायके ले गए। वर्ष 2024 में उनकी पत्नी की मौत हो गई। यादव की पत्नी के पिता एवं तीन भाइयों ने बच्ची की अभिरक्षा यादव को सौंपने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया।

अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी, लखनऊ में लगे पोस्टर

लखनऊ, एजेंसी।

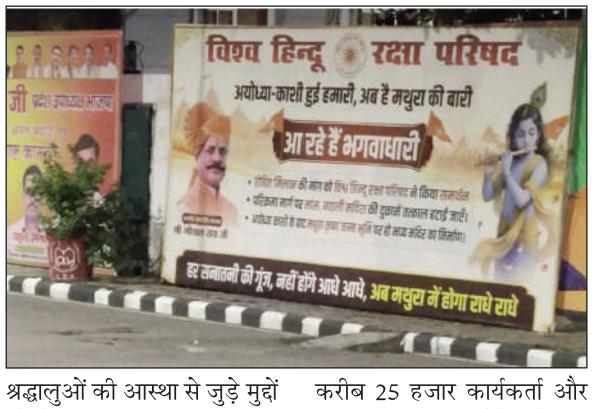
विश्व हिन्दू रक्षा परिषद
अयोध्या-काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी
आ रहे हैं भगवाधारी
हर सनातनी की गूंज, नहीं होंगे आधे आधे, अब मथुरा में होगा राधे राधे

विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण और परिक्रमा मार्ग से मांस-मछली व मदिरा की दुकानों को हटाने की मांग को लेकर मथुरा कुच करने का ऐलान किया है। परिषद की ओर से लखनऊ के अलग-अलग चौराहों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लोगों से 30 अगस्त को प्रस्तावित मथुरा कूच यात्राह्न में शामिल होने की अपील की गई है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पोस्टरों में लिखा है- अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी और हर सनातनी की गूंज, नहीं होंगे आधे-आधे, अब मथुरा में होगा केवल परिषद का कहना है कि अयोध्या के बाद अब मथुरा में भी धार्मिक स्थलों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाई जाएगी।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि 30 अगस्त को सुबह नौ बजे लखनऊ स्थित परिषद कार्यालय से यात्रा रवाना होगी। उनके मुताबिक, यात्रा के दौरान अलग-अलग जिलों से परिषद के कार्यकर्ता इसमें शामिल होते जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि यात्रा में करीब 25 हजार कार्यकर्ता और साधु-संत शामिल होंगे। गोपाल राय ने कहा कि मथुरा के परिक्रमा मार्ग पर मांस, मछली और मदिरा की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग को लेकर संगठन जिला प्रशासन को ज्ञापन देगा। उन्होंने कहा कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की मांग भी सरकार और प्रशासन के सामने रखी जाएगी।

रक्षाबंधन पर घर लौट रही युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

फिरोजाबाद, एजेंसी।

रक्षाबंधन मनाने के लिए गुरुग्राम से अपने गांव लौट रही एक दलित युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवती का शव शिकोहाबाद थाना क्षेत्र में मिला है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवती के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकोहाबाद के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अनुज कुमार सिंह ने बताया कि नसीरपुर थाना क्षेत्र के गांव कुतुकपुर निवासी राकेश सिंह की बेटी आरती (21) गुरुग्राम (हरियाणा) के एक अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी। परिजनों के अनुसार, वह रक्षाबंधन मनाने के लिए 26 अगस्त, बुधवार रात को गांव रवाना हुई थी। रात करीब आठ बजे फोन पर परिजनों से बातचीत में उसने बताया था कि वह शिकोहाबाद की विजेंद्र कॉलोनी निवासी एक युवक के साथ आ रही है। इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। इसी बीच पुलिस को शिकोहाबाद क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक युवती का शव मिलने की सूचना मिली। प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। मामले में कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। मृतका की बड़ी बहन ललिता ने यह भी आरोप लगाया कि आरती ने शिकोहाबाद पहुंचने पर बताया था कि रात होने के कारण वह प्रतापपुर चौराहे के पास रहने वाली अपनी सहेली के यहां रुक रही है।

निशुल्क बस सेवा का पहले दिन नौ लाख से अधिक महिलाओं और सहयात्रियों ने उठाया लाभ

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश परिवहन
abp LIVE

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को तीन दिनों के लिए दी गई निशुल्क बस यात्रा की सुविधा का लाभ पहले दिन करीब नौ लाख महिलाओं और सहयात्रियों ने उठाया। शुक्रवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के अवसर पर राज्य में महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा 27 अगस्त की सुबह छह बजे से 29 अगस्त की मध्य रात्रि तक उपलब्ध रहेगी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों में महिला यात्री एक सहयोगी के साथ निशुल्क यात्रा कर सकेंगी।

बयान के अनुसार 27 अगस्त से शुरू हुई निशुल्क बस यात्रा में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों में 6.03 लाख से अधिक महिलाओं ने सफर किया।

वहीं, महिलाओं के साथ सफर करने वाले 3.22 लाख से अधिक सहयात्रियों को भी निशुल्क यात्रा का लाभ मिला। इस तरह पहले दिन कुल 9.26 लाख से अधिक यात्रियों ने बिना किराया दिए सफर किया। परिवहन निगम के मुताबिक इस निशुल्क यात्रा पर कुल 9.06 करोड़ रुपये से अधिक व्यय होने का अनुमान है। यूपीएसआरटीसी प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार के हवाले से बयान में कहा गया कि रक्षाबंधन पर महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें सुगम व सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराई जा सके, इसके लिए परिवहन निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की बढ़ी संख्या के मद्देनजर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जा रहा है।

अंकित बालियान हत्याकांडः चार हमलावरों की तलाश, हरियाणा तक पहुंची पुलिस की जांच

मुजफ्फरनगर, एजेंसी।

शामली में हरियाणवी गायक एवं यूट्यूबर अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और स्थानीय पुलिस की टीम चार हमलावरों की तलाश में जुटी हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज से हमलावरों के हरियाणा की ओर भागने के संकेत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शामली, गाजियाबाद के लोनी, दिल्ली और सोनीपत में कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में वारदात के बाद चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर भागते देखे गए हैं। पुलिस इन फुटेज के आधार पर उनकी पहचान और गतिविधियों का पता लगाने में जुटी है।

मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ शामली, बागपत और मेरठ की पुलिस टीम हरियाणा में डेरा डाले हुए हैं। इस बीच, खुद को गोगी गिरोह का सदस्य बताने वाले एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर हत्या की जिम्मेदारी ली है और पुलिस इस दावे की सत्यता की जांच कर रही है। बालियान के पिता सतवीर सिंह की शिकायत पर चार अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार शाम करीब पौने सात बजे बालियान शामली कोतवाली क्षेत्र में जिम से बाहर निकल रहे थे, तभी दो मोटरसाइकिल पर सवार चार हमलावरों ने उन पर गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल बालियान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में भी हमलावर गोली चलाने के बाद भागते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम में बालियान के शरीर में पांच गोलियां लगने की पुष्टि हुई है, जिनमें दो सिर में लगी थीं।

मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) भानु भास्कर ने कहा कि पुलिस को मामले में अहम सुराग मिले हैं और जल्द ही उनका खुलासा किया जाएगा।

शामली के बंतीखेड़ा गांव के निवासी बालियान पहले राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी थे। चोट लगने के बाद उन्होंने हरियाणवी संगीत की दुनिया में कदम रखा और 50 से अधिक गानों में गायक, गीतकार और संगीतकार के रूप में काम किया।

बालियान के एक परिजन ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया कि पैरों में परेशानी के कारण कबड्डी छोड़ने के बाद अंकित ने 2022 में यूट्यूब चैनल शुरू किया था। अपने चैनल पर भरी कोर्ट में गोली मारेंगे जैसे गीतों से वह काफी लोकप्रिय हुए और बाद में हरियाणा के सोनीपत में रहने लगे। परिजन के मुताबिक, वह करीब आठ महीने पहले शामली स्थित अपने पैतृक गांव बंतीखेड़ा लौट आए थे। वह रोजाना जिम में कसरत करने जाते थे। परिजन ने बताया कि बालियान जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने की तैयारी भी कर रहे थे। इलाके में उनके होर्डिंग, बैनर और पोस्टर लगाए गए थे। हालांकि, उनका कोई ऐसा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं था, जिससे उन्हें जान का खतरा हो। बृहस्पतिवार को पैतृक गांव में अंकित का अंतिम संस्कार किया गया। समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और भीम आर्मी ने हत्या की निंदा करते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए भी जांच की मांग की है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्यमंत्री से हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार करने और अपराधियों के नेटवर्क का पदार्फाश करने की अपील की है। आजाद ने बृहस्पतिवार रात कहा कि शामली में हरियाणवी गायक अंकित बालियान की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या बेहद दुखद और चिंताजनक है।

तिब्बत-नेपाल सीमा पर अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद चीन ने जारी किया अलर्ट

बीजिंग, एजेंसी।

चीन ने तिब्बत-नेपाल सीमा पर अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 'लेवल-चार' का अलर्ट जारी किया है और चेतावनी दी है कि दो नदियों के संगम के पास बनी एक नई 'अवरोधक झील' के टूटने का खतरा काफी बढ़ गया है जिससे निचले इलाकों में भीषण बाढ़ आ सकती है।

अवरोधक झील वह झील होती है जो किसी प्राकृतिक रुकावट के कारण नदी या जलधारा का रास्ता बंद हो जाने से बनती है।

चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार रात तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की और छोचेन खोला तथा पुरेपु त्संगपो नदियों के संगम के पास बनी इस 'अवरोधक झील' से पैदा हुए खतरे को लेकर आगाह किया। ये दोनों नदियां तिब्बत से निकलती हैं और नेपाल में भोटे कोशी नदी की धारा का हिस्सा हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए चीन की आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली में चार स्तर हैं। इनमें 'लेवल-1' सबसे गंभीर और 'लेवल-4' सबसे निचला स्तर है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक झील में अनुमानित 20 लाख घन मीटर पानी जमा हो चुका था। पूर्वानुमान के मुताबिक, लगातार हो रही बारिश के कारण अगले तीन दिन में झील में पानी का प्रवाह करीब 30 लाख घन मीटर तक पहुंच सकता है जिससे इसके टूटने का खतरा और बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में बाढ़ का पानी नीचे की ओर तेजी से बह सकता है और चीन-नेपाल सीमा पर स्थित गिरोंग पोर्ट तथा आसपास के निचले इलाकों में भारी तबाही मचा सकता है।

इसके मद्देनजर जल संसाधन मंत्रालय ने स्थानीय अधिकारियों को 'अवरोधक झील' और बारिश की स्थिति पर कड़ी नजर रखने, मौसम और जल प्रवाह के पूर्वानुमान तथा जोखिम के आकलन को बेहतर बनाने व निचले इलाकों में संभावित रूप से प्रभावित होने वाले लोगों की सटीक पहचान करने के निर्देश दिए हैं।

इस बीच, चीन ने नेपाल सीमा के पास तिब्बत के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए उपग्रहों और ड्रोनों को तैनात किया है।

चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बताया कि उसने प्रभावित क्षेत्र की आपातकालीन तस्वीरें लेने और पुरानी तस्वीरें जुटाने के लिए उपग्रह संसाधनों का इस्तेमाल शुरू किया है। अब तक आपदा के आकलन और राहत कार्यों में मदद के लिए संबंधित विभागों को आपदा से पहले की पांच और आपदा के बाद की 10 तस्वीरें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन ने इलाके का व्यापक हवाई सर्वेक्षण करने के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले कैमरों से लैस अपे ड्रोन 'विंग लोंग' को भी तैनात किया है। वहीं, बचावकर्मी अभियान के दौरान छोटे ड्रोनों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इन ड्रोन में लगे उच्च-गुणवत्ता वाले कैमरों की मदद से बाढ़ प्रभावित इलाके का वास्तविक-समय में 3डी मॉडल तैयार किया जाएगा। इससे बचाव अभियान के नियंत्रण केंद्र को पूरे क्षेत्र की स्थिति समझने और उन इलाकों को चिह्नित करने में मदद मिलेगी, जहां सबसे पहले तलाशी अभियान चलाने की जरूरत है। इसके अलावा, बचावकर्मी घने वन क्षेत्रों और कीचड़ में समा चुके इलाकों में लापता लोगों का पता लगाने के लिए ड्रोन में लगे यूएवी का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

चीन के अनुसार, 26 अगस्त को तिब्बत-नेपाल सीमा के पास गिरोंग काउंटी के गिरोंग पोर्ट में अचानक आई बाढ़ के बाद कई विदेशी पर्यटकों समेत 558 लोग लापता हो गए थे। हालांकि, इस विशाल 'अवरोधक झील' के कारण राहत और बचाव कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

चीनी अधिकारियों को आशंका है कि झील टूटने से एक और बड़ी आपदा आ सकती है।

'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, चीन की सरकारी इंजीनियरिंग और बचाव कंपनी 'चीन अन्नोंग' की आठ सदस्यीय अग्रिम टीम संचार और खोज उपकरणों के साथ बृहस्पतिवार को गिरोंग काउंटी पहुंची। टीम नदी के ऊपरी हिस्से में बने अवरोध से संबंधित आंकड़े जुटाएगी। मौके पर मौजूद बचावकर्मियों के मुताबिक, पोर्ट से करीब तीन किलोमीटर दूर नदी के ऊपरी हिस्से में जमा मलबे को सुरक्षित रूप से हटाने से पहले अवरोधक झील के खतरे को टालना जरूरी है।

अग्निशमन कर्मियों ने झील की पूरी परिधि के आसपास कई बिंदु चिह्नित करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है। इन बिंदुओं के निदेशांक के आधार पर झील के जल क्षेत्र का आकलन किया जा सकेगा। ड्रोन से मिले दृश्यों में पता चला कि बुधवार रात की तुलना में झील का जलस्तर बढ़ गया।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने स्थिति का जायजा लेने के लिए संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के एक दल के साथ आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। ये अधिकारी राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करेंगे और प्रभावित लोगों से भी मुलाकात करेंगे।

इसके अलावा, तिब्बत में भारत-चीन सीमा की निगरानी करने वाली पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की पश्चिमी कमान के एक निरीक्षण दल को भी बृहस्पतिवार को प्रभावित क्षेत्र में भेजा गया। यह दल गिरोंग काउंटी में सैन्यकर्मियों द्वारा चलाए जा रहे संयुक्त राहत और बचाव अभियानों के बीच समन्वय स्थापित करेगा।

नेपाल में बाढ़ से बचे लोगों ने सुनाई खौफनाक आपबीती

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल के रसुवा जिले में सीमा शुल्क एजेंट के रूप में काम करने वाले राजू बुधाथोकी के लिए बुधवार की सुबह किसी आम दिन की तरह शुरू हुई थी, लेकिन कुछ ही देर में यह जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में बदल गई। जमीन कांपने लगी और देखते ही देखते उफनती बाढ़ उनके सामने घरों को बहाकर ले गई।

'द काठमांडू पोस्ट' की एक रिपोर्ट के अनुसार, बुधाथोकी सुबह करीब 8:45 बजे (स्थानीय समय) तिमुरे स्थित अपने कमरे में आराम कर रहे थे, तभी पहाड़ी जोर-जोर से हिलने लगी। उन्हें लगा कि भूकंप आया है। वह बाहर निकलकर पास की पुलिस चौकी की ओर भागे, लेकिन वहां तैनात पुलिसकर्मी भी इलाके से भागते दिखाई दिए।

वह तार की बाड़ पार करते समय हाथ में चोट लगने के बावजूद भागते रहे। पीछे मुड़कर देखा तो तिमुरे बाजार में एक के बाद एक मकान बाढ़ के पानी में बह रहे थे।

वह आखिरकार करीब 500 मीटर ऊपर स्थित एक जंगल तक पहुंचे और अपनी जान बचाई।

अस्पताल के बिस्तर से उन्होंने अखबार को बताया, ''जंगल से जब मैंने तिमुरे की ओर नीचे देखा तो तबाही का मंजर देख कर कांप गया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इस तरह दूसरी जिंदगी मिलेगी। अब सब कुछ एक भयानक सपने जैसा लगता है।''

बुधाथोकी उन लोगों में शामिल हैं जो रसुवागढ़ी और इसके नीचे के कई इलाकों में नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में भारी तबाही मचाने वाली भोटेकोशी नदी की अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से बाल-बाल बच गए।

पुलिस और बचाव दलों ने बृहस्पतिवार रात तक सैकड़ों शव बरामद कर लिए थे, जबकि सैकड़ों लोग अब भी लापता थे।

एक अन्य सीमा शुल्क एजेंट प्रकाश गौतम ने भी तिमुरे से बच निकलने की खौफनाक कहानी सुनाई।

गौतम ने 'द काठमांडू पोस्ट' को बताया कि तेज गर्जना सुनाई देने के कुछ ही क्षण बाद बाजार में अंधेरा छा गया और आसमान काले बादल से ढक गया।

न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी ने नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ से प्रभावित भारतीयों प्रति जताई एकजुटता

न्यूयॉर्क, एजेंसी।

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने पत्र लिखकर नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित भारतीयों के प्रति एकजुटता जताई है।

यह पत्र उनके उस बयान के कुछ घंटे बाद आया जिसमें उन्होंने भीषण बाढ़ से प्रभावित नेपाली और तिब्बती लोगों के प्रति समर्थन जताया था। इस बाढ़ में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं।

ममदानी ने तिब्बती भाषा में लिखे अपने संदेश को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज सुबह न्यूयॉर्क के कई लोगों को दिल दहला देने वाली खबर मिली। भारत-तिब्बत सीमा क्षेत्र में आई बाढ़ में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और जो लोग अब भी लापता या असुरक्षित हैं, वे किसी तरह अपनी जान बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं।''

उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा, ''भारत और तिब्बत के लोगों, आपके इस दुख को हमारा शहर समझता है। इस बेहद कठिन समय में आप अकेले नहीं हैं। न्यूयॉर्क शहर भी आपके साथ खड़ा है।''

इसके कुछ ही मिनट बाद ममदानी ने नेपाली भाषा में भी संदेश जारी किया।

भारतीयों के प्रति ममदानी का यह एकजुटता संदेश, नेपाली और तिब्बती समुदाय के लिए त्रासदी पर उनके पहले संदेश के करीब चार घंटे बाद आया।

शहर के आंकड़ों के अनुसार, न्यूयॉर्क में नेपाली मूल के करीब 15,000 लोग रहते हैं। वहीं, 'यूपीजी नॉर्थ अमेरिका' के आंकड़ों के मुताबिक शहर में करीब 13,000 तिब्बती रहते हैं।

नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल में आई बाढ़ के बाद 290 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, जबकि त्रिशूली-एक परियोजना में काम करने वाले 63 कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

इसके अलावा, तमिलनाडु के 21 भारतीय नागरिकों को भी नेपाल में सुरक्षित बचाया गया है। ये लोग कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे।

बाढ़ की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का 89 वर्ष की आयु में निधन

स्टावांगेर (नॉर्वे), एजेंसी।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का निधन हो गया है। वह 89 वर्ष के थे। राजमहल ने शुक्रवार सुबह इसकी सूचना दी।

नाजी कब्जे के दौरान बचपन का कुछ समय निर्वासन में अमेरिका में बिताने वाले हेराल्ड ने उस महिला से शादी करने के लिए यूरोप की कई कुलीन महिलाओं के विवाह प्रस्ताव ठुकरा दिए थे जिससे वह स्कूल के समय से प्रेम करते थे। हेराल्ड यूरोप के सबसे उम्रदराज सम्राट थे। लोकप्रिय महाराजा के रूप में उन्होंने राजशाही को आधुनिक रूप दिया, लेकिन हाल के वर्षों में पद छोड़ने वाले अन्य उम्रदराज राजाओं की तरह उन्होंने गद्दी छोड़ने से इनकार कर दिया था। हेराल्ड के निधन के बाद उनके बेटे हाकोन अष्टम को स्वतः ही राज गद्दी मिल गई है। यूरोप के अन्य राजतंत्रों की तरह नॉर्वे के राजा की भूमिका भी मुख्य रूप से प्रतीकात्मक है। हालांकि, उन्हें देश में काफी लोकप्रियता हासिल है। करीब 55 लाख की आबादी वाले इस लोकतांत्रिक देश में वास्तविक सत्ता निर्वाचित संसद के पास है।

हेराल्ड ने जनवरी 1991 में उनके पिता राजा ओलाव पंचम के निधन के बाद राजगद्दी संभाली थी। उनके शासनकाल में नॉर्वे ने तेल और गैस के सहारे आर्थिक समृद्धि का दौर देखा। हेराल्ड का जन्म 1937 में ओस्लो के पास अस्केर में हुआ था। 1370 में राजा ओलाव चतुर्थ के जन्म के बाद हेराल्ड नार्वे के पहले राजकुमार थे, जिनका जन्म नॉर्वे में हुआ था।

ब्रिटेन ने बाढ़ पीड़ित नेपाल को कोष और आपातकालीन बचाव दल भेजने की पेशकश की

लंदन, एजेंसी।

ब्रिटेन ने नेपाल में अचानक आई बाढ़ से सैकड़ों लोगों की मौत होने और एक हजार से अधिक लोगों के लापता होने के बाद प्रभावित देश को 50 लाख पाउंड की सहायता और आपातकालीन बचाव दल उपलब्ध कराने की पेशकश की है। लापता लोगों में करीब 33 ब्रिटिश नागरिक भी शामिल हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बृहस्पतिवार को आपदाग्रस्त क्षेत्र की तस्वीरों को ''भयावह'' बताया और संकट में फंसे ब्रिटिश नागरिकों से स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने तत्काल कदम उठाते हुए प्रभावित इलाके में वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को भेज दिया है, ताकि वहां मौजूद ब्रिटिश नागरिकों को चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

'साउथ वेल्स' के दौरे के दौरान बर्नहम ने संवाददाताओं से कहा, ''नेपाल से बेहद ही भयावह तस्वीरें सामने आ रही हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमने आपदा क्षेत्र में आपातकालीन बचाव दल को भेजने का प्रस्ताव दिया गया है लेकिन जाहिर है कि इस पर नेपाल सरकार फैसला करेगी। साथ ही, हमने इस राहत और बचाव के काम में मदद के लिए 50 लाख पाउंड देने की भी पेशकश की है। उन्होंने कहा, ''कई ब्रिटिश नागरिक अब भी लापता बताए जा रहे हैं और हम उनके परिवारों को हर संभव मदद देंगे।'' महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने कहा कि वे विनाशकारी बाढ़ की खबर सुनकर ''बहुत दुखी'' हैं और उन्होंने आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले और अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों की सलामती की प्रतीक्षा कर रहे लोगों के प्रति ''गहरी संवेदना'' व्यक्त की है।

रूस का कीव समेत यूक्रेन के कई शहरों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर बुधवार रात से बृहस्पतिवार सुबह तक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमले किए। इस दौरान राजधानी कीव में सुबह तक विस्फोटों की आवाजें सुनाई देती रहीं। यूक्रेन के पास रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों का मुकाबला करने वाली अमेरिकी निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों की भारी कमी है। वहीं, रूस के तेज गति वाले जेट इंजन से चलने वाले ड्रोन ने भी यूक्रेन की वायु रक्षा के सामने एक नई चुनौती पेश की है। रूसी सेना के करीब साढ़े चार साल पहले शुरू किए गए पूर्ण युद्ध के बाद से यूक्रेन लगातार इन चुनौतियों का सामना कर रहा है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि रूस मिसाइलों का भंडार बढ़ा रहा है और हर कुछ दिनों में बड़े हमले कर रहा है ताकि बड़ी संख्या में हमले करके यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को थका दिया जाए। इसके जवाब में यूक्रेन ने भी रूस की धरती पर महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने बुधवार रात के बाद यूक्रेन के नौ शहरों में ''बड़े पैमाने पर'' हमले किए। मंत्रालय के अनुसार, सैन्य गतिविधियों से जुड़े ठिकाने, औद्योगिक प्रतिष्ठान, तेल रिफाइनरी, लॉजिस्टिक केंद्र और बंदरगाहों का बुनियादी ढांचा निशाना बनाया गया।

चीन-नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद 30 से अधिक देशों के नागरिक लापता

वाशिंगटन, एजेंसी।

चीन और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में आई विनाशकारी बाढ़ में बृहस्पतिवार तक कम से कम 359 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,400 से अधिक लोग लापता हैं। लापता लोगों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की है, जो ट्रैकिंग, पर्यटन या हिंदू तीर्थस्थलों की यात्रा पर आए थे।

नेपाल के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, 910 लोग लापता हैं, जिनमें 517 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 50 विदेशियों को हवाई मार्ग से बचाया गया है। लापता लोगों में 113 नेपाली पर्यटक, सेना और पुलिस के 85 जवान, रसुवा जिले के 161 तथा नुवाकोट का एक निवासी शामिल हैं।

चीन के सरकारी मीडिया 'सीसीटीवी' की खबर के अनुसार तिब्बत स्थित गिरोंग काउंटी में तीन लोगों की मौत हुई है और 558 लोग लापता हैं जिनमें 260 विदेशी नागरिक हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में भी करीब 100 चीनी नागरिक लापता हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार 288 नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा, जिनमें 73 बिजली परियोजना में कार्यरत थे। कई भारतीय पर्यटक कैलाश पर्वत की यात्रा पर थे।

अमेरिका के 90, यूक्रेन के 55, मलेशिया के 51, ऑस्ट्रेलिया के 39, ब्रिटेन के 33 और कनाडा के 25 नागरिक लापता हैं। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के नौ, सिंगापुर, जर्मनी और रूस के आठ-आठ तथा दक्षिण अफ्रीका और लातविया के छह-छह नागरिक लापता हैं। जापान और न्यूजीलैंड के पांच-पांच, फ्रांस के चार, बेल्जियम और स्पेन के तीन-तीन तथा कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता हैं।

नेपाल में ऊंचाई वाले ग्लेशियर के टूटने से आई भीषण बाढ़: चीन

बीजिंग, एजेंसी।

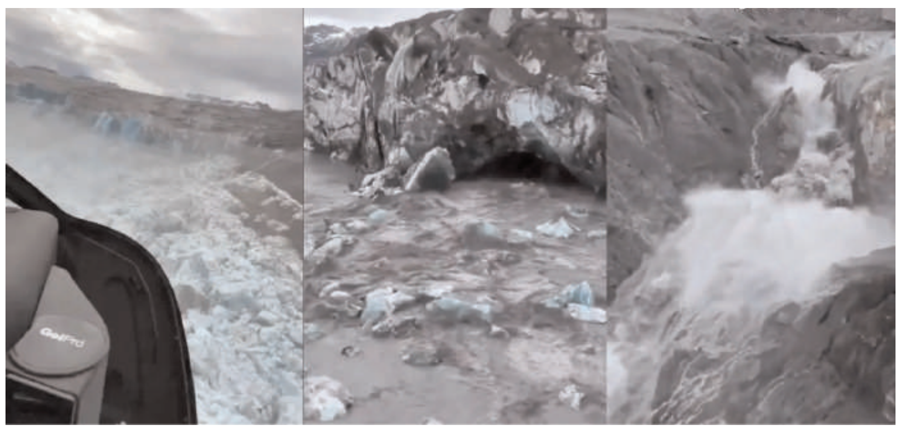

चीन ने शुक्रवार को कहा कि तिब्बत-नेपाल सीमा क्षेत्र में भारी तबाही मचाने वाली बाढ़ संभवतः नेपाल में ऊंचाई वाले ग्लेशियर के टूटने से आई, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ।

बुधवार को बाढ़ से हुई तबाही में नेपाल में मृतकों की संख्या बढ़कर 469 हो गई है, जबकि तिब्बत में तीन लोगों की मौत हुई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमने देखा है कि चीन और नेपाल के विशेषज्ञों तथा संबंधित सरकारी संस्थानों ने आपदा के कारण का प्रारंभिक आकलन किया है।''

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''उनके विश्लेषण के अनुसार, नेपाल में शायद ऊंचाई वाले ग्लेशियर के ढहने से यह आपदा आई है।''

चीन के इस बयान से संकेत मिलता है कि बीजिंग और काठमांडू आपदा के कारण को लेकर एक ही राय रखते हैं। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई और बस्तियों, सड़कों, पुलों तथा पनबिजली ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा।

नेपाल के अधिकारियों के प्रारंभिक आकलन और अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के बृहस्पतिवार को जारी संशोधित विश्लेषण में भी ग्लेशियर के टूटने और मलबे के तेज बहाव को आपदा का कारण बताया गया था।

ग्लेशियर टूटने से ल्हेंदे नदी का प्रवाह कुछ समय के लिए रुक गया था। इसके बाद प्राकृतिक अवरोध टूट गया और पानी का भारी बहाव नीचे की ओर बढ़ते हुए भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में जा पहुंचा।

तिब्बत की यात्रा पर गए लापता और फंसे भारतीय पर्यटकों तथा तीर्थयात्रियों के बारे में पूछे जाने पर लिन ने कहा, ''विवरणों की पुष्टि की जा रही है। हमने संबंधित देशों के दूतावासों को पहले ही सूचित कर दिया है और उनके साथ संपर्क बनाए रखेंगे।''चीनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि तिब्बत-नेपाल सीमा के पास ग्यिरोंग काउंटी से 1,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें 555 पर्यटक शामिल हैं। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने यह जानकारी दी।

सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' के अनुसार, अब इस इलाके में कोई पर्यटक फंसा नहीं है।

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने भी इस आपदा पर नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को शोक संदेश भेजा। इस बीच, शी की अध्यक्षता में हुई सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक में कहा गया कि यह आपदा अत्यधिक ठंड वाले पठारी क्षेत्र में हुई, जहां खड़ी घाटियां, मौसम में तेजी से बदलाव, आसपास बड़ी संख्या में ग्लेशियर और हिमनद झीलें तथा संभावित भूगर्भीय खतरे मौजूद हैं। इससे आपातकालीन बचाव अभियान के सामने बड़ी चुनौतियां पैदा हुई हैं।

बैठक में जोर दिया गया कि सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को बचाव कार्यों के लिए निर्णायक और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

इसमें कहा गया कि तलाश एवं बचाव योजनाएं वैज्ञानिक तरीके से तैयार की जानी चाहिए तथा सभी लापता चीनी और विदेशी नागरिकों की तलाश एवं उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। चीन ने कहा कि वह नेपाल के आपदा प्रभावित क्षेत्र को आपात सहायता मुहैया कराएगा और अंतरराष्ट्रीय बचाव सहयोग भी करेगा।

दो दिन की गिरावट के बाद सेंसेक्स 331 अंक उछला

रक्षाबंधन पर शेयर बाजार में लौटी रौनक

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को लगातार दो दिनों की गिरावट का सिलसिला तोड़ दिया। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और आईटी, फार्मा तथा मेटल शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में बंद हुए। दो दिन की कमजोरी के बाद रक्षाबंधन पर बाजार की इस वापसी ने निवेशकों को कुछ राहत दी।

शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ। इससे पहले यह 76,933.59 पर बंद हुआ था और शुक्रवार को 77,128.05 पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 424.38 अंक तक चढ़कर 77,357.97 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। हालांकि, एक समय यह 76,988.22 तक भी फिसला। एनएसई निफ्टी 50 भी 84.80 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ।

शुक्रवार की तेजी में आईटी शेयर सबसे आगे रहे। निफ्टी आईटी में 3.51 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज की गई। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो निफ्टी 50 के प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में रहे। इसके अलावा निफ्टी मेटल, हेल्थकेयर, फार्मा, मीडिया और पीएसयू बैंक में भी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी केमिकल्स, सीमेंट, एफएमसीजी, फाइनेंशियल सर्विसेज और ऑटो में गिरावट दर्ज की गई। दिन के कारोबार में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों ने निवेशकों का ध्यान खींचा और ये प्रमुख बढ़ने वाले शेयर रहे। इसके उलट आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.05 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.20 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। यानी तेजी केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रही, लेकिन व्यापक बाजार में इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही।

453 टन प्याज लेकर नासिक से दिल्ली पहुंची कांदा एक्सप्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नासिक से प्याज की खेप लेकर कांदा एक्सप्रेस की पहली खेप शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गई। सरकार प्याज के इस स्टॉक का इस्तेमाल देश में बढ़ती कीमतों के बीच आम लोगों को राहत पहुंचाने में करेगी।

महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 453.65 टन प्याज लेकर पहली 'कंदा एक्सप्रेस' शुक्रवार को दिल्ली पहुंची। यह समर्पित रेल रैक आपूर्ति बढ़ाने के सरकारी प्रयासों का हिस्सा है। उपभोक्ता मामले सचिव निधि खरे ने पीटीआई को बताया कि 21 वैगनों में यह प्याज सुबह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा। इस प्याज को खुदरा बिक्री तीन एजेंसियों- नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार- के माध्यम से की जाएगी। मदर डेयरी भी अपने सफल स्टोर के जरिये प्याज बेचेगी।

नासिक से लाकर इस प्याज को दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इस स्टॉक का कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे पड़ोसी शहरों में भी भेजा जाएगा। केंद्र सरकार के पास मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत करीब 1.21 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक मौजूद है। निधि खरे ने बताया कि चेन्नई के लिए एक और कंदा एक्सप्रेस रैक शुक्रवार को लोड किया जाएगा। इसके बाद मदुरै, एनार्कुलम और गुवाहाटी के लिए भी रैक भेजे जाएंगे। बफर स्टॉक जारी होने से दिल्ली में खुदरा प्याज की कीमतों में एक सप्ताह के भीतर कमी आने की उम्मीद है।

दिल्ली में खुदरा प्याज की कीमतों में गुरुवार को 88 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह एक साल पहले के 33 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 62 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थी। इस वृद्धि पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने 'कंदा एक्सप्रेस' पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी और अन्य शहरों में प्याज की आपूर्ति बढ़ाना है। उपभोक्ता मामले मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 46.58 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि थोक दर 38.29 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई।

ब्रिटेन की कंपनी ने फोसेको इंडिया में हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली, एजेंसी।

ब्रिटेन की कंपनी मॉर्गन एडवांस्ड मैटेरियल्स ने गुरुवार को फोसेको इंडिया में अपनी पूरी 15.26 प्रतिशत हिस्सेदारी 678 करोड़ रुपये में बेच दिया। हिस्सा बेचने के साथ ही कंपनी ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के ब्लॉक डील आंकड़ों के अनुसार, मॉर्गन की दो सहयोगी कंपनियों मॉर्गनाइट क्रूसिबल लिमिटेड और मॉर्गन टेरेसन बीवी ने कुल 11,50,800 शेयर बेचे। इन शेयरों की औसत कीमत 5,897 रुपये प्रति शेयर रही और सौदे का कुल मूल्य 678.62 करोड़ रुपये रहा। इस सौदे में कई घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने हिस्सेदारी खरीदी। एलआईसी, मोतीलाल ओसवाल, इनवेस्को, एसबीआई, महिंद्रा मैनुलाइफ और मिराए एसेट से जुड़े म्यूचुअल फंडों ने शेयर खरीदे। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के फैमिली ऑफिस कैटामारन वेंचर्स ने भी निवेश किया। मॉर्गन स्टेनली और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स समेत विदेशी निवेशकों ने भी हिस्सेदारी हासिल की। फोसेको इंडिया फाउंड्री क्षेत्र में कारोबार करती है। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 51,330 किसानों को कृषि ऋण माफी योजना के दूसरे चरण में 381.94 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने 381,94,67,038 रुपये जारी कर संबंधित बैंकों को भेज दिए हैं। बैंक अब किसानों के ऋण खातों में माफी की राशि जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। इससे पहले योजना के पहले चरण में 12,929 किसानों के लिए 106.24 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। ऋण माफी पाने वाले किसान नए कर्ज के लिए पात्र

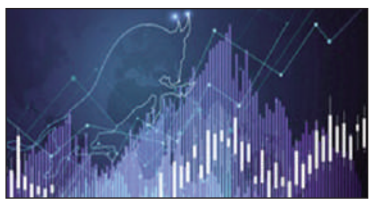

टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन कारोबार के लिए पेश की नई ब्रांड

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारतीय ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अपने पैसेंजर व्हीकल (यात्री वाहन) कारोबार के लिए 'TATA.CARS' नाम से एक नई कॉर्पोरेट और ब्रांड आइडेंटिटी को पेश किया है। कंपनी अब TATA.CARS को अपने नए ब्रांड नाम के तौर पर इस्तेमाल करेगी और इसकी टैगलाइन (कुछ भी बहुत दूर नहीं है) होगी। कंपनी की आधिकारिक कानूनी इकाई बनी रहेगी। इसके साथ ही, कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट के लिए पहचान को भी पेश किया है। आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान 'TMPVL' के प्रबंध निदेशक और सीईओ शैलेश चंद्रा ने कहा कि भारतीय ग्राहक आज पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरे हैं और नई ऊंचाइयों की ओर देख रहे हैं। कंपनी के अनुसार, पिछले तीन दशकों से ग्राहक टाटा की गाड़ियों को आम बोलचाल में 'टाटा कार' कहकर ही पुकारते आए हैं। ऐसे में नई ब्रांड पहचान उसी नाम को औपचारिक रूप से अपनाती है जिसे ग्राहकों ने पहले ही अपना बना लिया है। यह नया नाम कंपनी के पूरे पैसेंजर व्हीकल पोर्टफोलियो को एक स्पष्ट और एकीकृत मंच प्रदान करता है।

मजबूत सहयोग जरूरी: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में भारत और कनाडा के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग की अहमियत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे समय में दोनों देशों को मजबूत साझेदारी बनानी चाहिए। इससे ऐसी अर्थव्यवस्थाएं बनाई जा सकेंगी, जो संकट का सामना कर सकें, जो लंबे समय तक टिकाऊ हों और जिनका फायदा सभी को मिले।

सालभर में 4.38 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय बाजार का सबसे भरोसेमंद माना जाने वाला एचडीएफसी समूह इस समय अपने इतिहास के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। दलाल स्ट्रीट पर यह धारणा लंबे समय से रही है कि चाहे बाजार में कोई भी आंधी आए, दिग्गज वित्तीय संस्थान सुरक्षित रहते हैं। लेकिन पिछले एक साल के प्रदर्शन ने इस धारणा को पूरी तरह तोड़ दिया है।

एच डी एफ सी बैं
HDFC BANK

पिछले 12 महीनों में समूह की चार प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों (एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एएमसी और एचडीबी फाइनेंशियल) ने मिलकर निवेशकों के 4.38 लाख करोड़ रुपये स्वाहा कर दिए हैं। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर बृहस्पतिवार को एनएसई पर 2.08 फीसदी गिरकर 712 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 710 का नया 52-सप्ताह का निचला स्तर भी छुआ। गिरावट के साथ बैंक का बाजार मूल्यांकन एक साल पहले के 15 लाख करोड़ से घटकर 10.95 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

साल 2026 में अब तक 28 फीसदी टूट चुका यह शेयर 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद से अपनी सबसे खराब वार्षिक गिरावट की ओर बढ़ रहा है। शेयरों में आई ताजा गिरावट की वजह अमेरिका में दर्ज हुआ एक सिक्योरिटीज फ्रॉड क्लास-एक्शन मुकदमा है। आरोप है कि बैंक ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम से भारी जमा आकर्षित करने के लिए 2.51 फीसदी अधिक ब्याज की पेशकश की। बैंक ने इस तथ्य को छुपाया, जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ।

द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक ₹4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द 'द्विपक्षीय निवेश संधि' (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक 'कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता' (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। वित्त मंत्रियों- निर्मला सीतारमण और फ्रांसिस-फिलिप शैम्पेन ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और अपनी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वार्ता में भारतीय बाजार में कनाडाई पेंशन फंडों की बड़ी मौजूदगी को रेखांकित किया गया और वित्तीय संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने निवेशकों के लिए स्थिर और निश्चित घरेलू कर कानूनों की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना।

मनोरंजन

दोस्त सारा की मां पर ओरी का बड़ा बयान

ओरी ने आगे अपनी बातचीत में कहा, ह्यजब मैं उस स्थिति से बाहर आ गया। तब मैंने सोचा मुझे इतनी ताकत की जरूरत नहीं है। भला किसी को अपनी जिंदगी में इतनी ताकत की जरूरत क्यों होती है? फिर मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे किसी भी चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता। मतलब, कोई भी चीज मुझे दुखी नहीं करती। मुझे लगता है कि उस सदमे ने मुझे इतना मजबूत बना दिया कि जब मैं एक जानी-मानी हस्ती बना, तो शुरूआत में मुझे जितनी नफरत मिलती थी, उसका मुझ पर कोई असर नहीं हुआ। ओरी और सारा अली खान की दोस्ती में 2025 में तब खटास आ गई जब ओरी ने सारा के जन्मदिन पर उनकी कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट कीं जिन्हें कुछ लोगों ने आपत्तिजनक बताया। यह विवाद तब और बढ़ गया जब ओरी ने ₹3 सबसे खराब नाम₹ शीर्षक से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सारा, अमृता और पलक के नाम बिना उनके सरनेम के लिखे गए थे। इसके तुरंत बाद, सारा और उनके भाई इब्राहिम अली खान दोनों ने इंस्टाग्राम पर ओरी को अनफॉलो कर दिया।

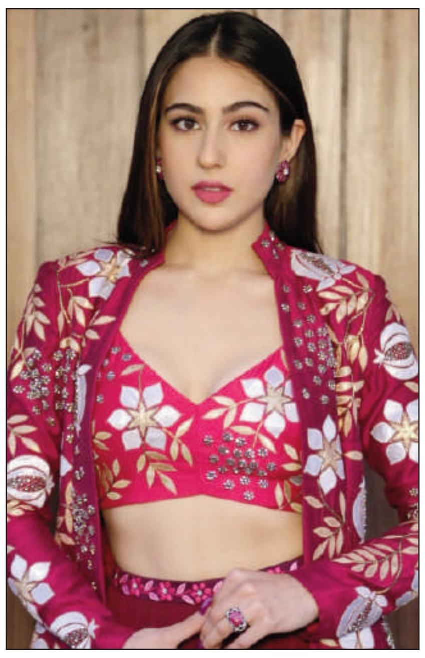

अरमान मलिक की आवाज का फिर चलेगा जादू

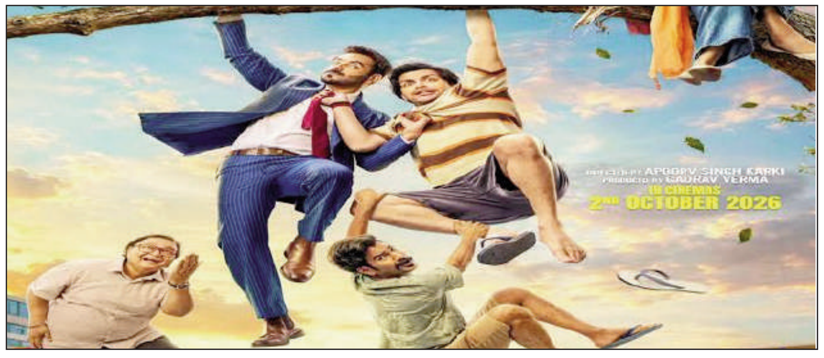

वीर पहाड़िया की फिल्म प्रेम कीटाणु का दूसरा गाना 'कहो तो' रिलीज हो चुका है। फिल्म कॉलेज लाइफ पर आधारित है और उसी दौरान होने वाले रोमांस पर आधारित है। मेकर्स ने फिल्म का दूसरा गाना 'कहो तो' रिलीज किया है। फिल्म प्रेम कीटाणु में वीर पहाड़िया को दर्शक एक रोमांटिक अंदाज में देखने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ आफिया सैयद भी नजर आने वाली हैं। अमाल ने एक्स पर आपनी वापसी की जानकारी देते हुए एक पोस्ट में लिखा, ह्यमैं बिल्कुल ठीक हूं और इस बार मैं पूरी तरह से कोशिश करूंगा। वही करूंगा जो मेरे लिए सबसे अच्छा है और सिर्फ वही करूंगा जो मेरे दिल और मेरी सेहत के लिए जरूरी है। अपने मन, शरीर, आत्मा और पूरी तरह से ठीक होने के लिए एक ब्रेक चाहिए। उठने, ठीक होने और जल्द ही आप सभी प्यारे अमालियंस के लिए धुनों से भरे दिल के साथ वापस आने की जरूरत है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया था। इसकी जानकारी वीर पहाड़िया ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। उन्होंने लिखा, 'दोस्ती के किस्से हो या प्यार के लफड़े। लाइफ इनके बिना अधूरी है।' इसके साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी जिक्र किया है। यह फिल्म इस साल गांधी जयंती के अवसर पर 02 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी।

कुनिका ने कंगना को घेरा, बोलीं- 'सड्डा कुत्ता टॉमी...

बीते दिनों कंगना रनौत ने कृति सेनन के रक्षा बंधन के विज्ञापन पर उनकी आलोचना की थी। इसके जवाब में कृति ने भी अपनी सफाई पेश की थी। मगर यह मामला अब विवाद बन चुका है। अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने कंगना का एक पुराना एड शेयर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

अभिनेत्री कुनिका सदानंद भी अब रक्षा बंधन के एड वाले मामले में कूद पड़ी हैं। उन्होंने कंगना की आलोचना को आड़े हाथों लिया। इसके साथ ही कंगना का एक पुराना रक्षा बंधन का विज्ञापन पोस्ट किया। इसमें कंगना ने ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन रखी थी। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने भी कृति सेनन से जुड़े इस मामले में अपनी राय जाहिर की। मुंबई में महिलाओं से जुड़े एक इवेंट में मीडिया से बातचीत में कहा, एक दायरे मेरी बॉडी, मेरी इच्छा करना अच्छा है। मगर दूसरों की भावनाओं का सम्मान भी जरुरी है। यह कपड़े वहां पहने जा सकते हैं जहां यह सब चलता हो। यह भारत है यहां यह सब नहीं चल सकता। हमारे बच्चे भी यह सब पहनते हैं। काम के लिए और शौक के लिए भी कपड़ों को पहना जाता है। मगर सामने देखने वाले को अच्छे लगने चाहिए। यह अच्छा नहीं लगा इसीलिए बातें हो रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर कृति सेनन ने एक ब्रांड के लिए एड किया था। इसमें वह अपने भाई और अपने पालतू कुत्ते को राखी बंध रही थीं। इस दौरान उन्होंने इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में कपड़े पहने थे। आलोचकों ने खास तौर पर कृति के ड्रेस और विज्ञापन में त्योहार को दिखाए जाने के तरीके पर आपत्ति जताई।

'टॉक्सिक' में कामुकता और नफरत दिखाए जाने पर भड़के अन्नामलाई

यश की फिल्म 'टॉक्सिक' ने रिलीज के एक दिन के अंदर ही 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। कई बड़े स्टार्स वाली इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म पर महिलाओं को बहुत ज्यादा कामुक अंदाज में दिखाने का आरोप लगा है। आरोप यह भी है कि महिलाओं के प्रति नफरत या भेदभाव वाली सोच दिखाया गया है। पूर्व भाजपा नेता और 'वी द लीडर्स' के फाउंडर के. अन्नामलाई ने फिल्म में महिलाओं के प्रति नफरत वाली सोच दिखाने पर इसकी आलोचना की है। उन्होंने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर भी कड़ा हमला किया है और फिल्म को मंजूरी देने पर सवाल उठाए हैं। अगर बच्चे ऐसी फिल्में देखते हैं, जिनमें महिलाओं को एक खास नजरिए से दिखाया जाता है, तो इसका बुरा असर पड़ेगा। फिल्म ने पहले ही दिन 104 करोड़ रुपये कमाए हैं। वे महिलाओं को एक खास तरह से दिखाते हैं।

अमित शाह ने राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों और 2036 ओलंपिक बोली पर समीक्षा बैठक की

अहमदाबाद, एजेंसी।

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां समीक्षा बैठक में भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों का जायजा लिया और देश की 2036 ओलंपिक बोली पर भी चर्चा की। इस बैठक में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित थे।

शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करके भारत को वैश्विक खेल स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अहमदाबाद में 2036 में होने वाले ओलंपिक के लिए भारत की बोली के साथ-साथ 2029 में होने वाले पुलिस और अग्निशमन खेलों और 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

खेलों में सुरक्षा व्यवस्था और 'लॉजिस्टिक' से जुड़े मामलों में गृह मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत 2010 के बाद अहमदाबाद में 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। इसके अलावा वह 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है।

प्रज्ञाननंदा ग्रैंड शतरंज टूर जीतने वाले पहले भारतीय बने

सेंट लुई (अमेरिका)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यहां ग्रैंड फाइनल में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराया। प्रज्ञाननंदा ने गुरुवार को दिन की शुरूआत में कारुआना से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। भारतीय खिलाड़ी ने आखिर में कारुआना को 15-13 से हराकर अपना पहला जीसीटी खिताब जीता और पुरस्कार राशि के रूप में 200,000 अमेरिकी डॉलर अपने नाम किए।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक चोटिल

लंदन, एजेंसी।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक की पिंडली में खिंचाव ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। उनके मौजूदा मैच में मैदान पर उतरने को लेकर संशय बना हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इमाम को टेस्ट के पहले दिन चोट लगी थी। बृहस्तपतिवार को शाम के सत्र के दौरान वह कुछ समय के लिए मैदान से बाहर भी रहे।

पीसीबी ने एक बयान में कहा, पहले दिन के खेल के बाद में कराए गए जांच में पिंडली में हल्के खिंचाव की पुष्टि हुई है। इमाम का फिलहाल पाकिस्तान की मेडिकल टीम की निगरानी में उपचार चल रहा है। बोर्ड ने आगे कहा कि टेस्ट मैच के शेष हिस्से में इमाम की भागीदारी उपचार के बाद उनके पूरी तरह स्वस्थ होने पर निर्भर करेगी। इमाम ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में युवा बल्लेबाज अजान अवैस के साथ पाकिस्तान की पारी की शुरूआत की थी। पाकिस्तान को उस मुकाबले में पारी से हार का सामना करना पड़ा था।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में खेलेंगे

डब्ल्यूए अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी जगह बनाने की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूनार्मेंट में हिस्सा लेने के बावजूद पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।

बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समाप्त होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

अठाईस वर्षीय चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

हाल में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह शत प्रतिशत फिट नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने लुसाने डायमंड लीग में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया।

'कूद और थ्रो' स्पधाओं में अंक तालिका के शीर्ष छह खिलाड़ी चार-पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, प्रत्येक स्पर्धा में एक अतिरिक्त एथलीट को राष्ट्रीय या वैश्विक वाइल्डकार्ड चयन के माध्यम से भाग लेने का मौका मिल सकता है।

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा जिसमें चार सितंबर को 16 स्पधाएं होंगी जबकि बाकी 16 स्पधाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी।

विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड ह्वाप्लसह्ल स्पधाओं में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरागे 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

उन्होंने डायमंड लीग की पांचों भाला फेंक स्पधाओं में हिस्सा लिया जिनमें से चार में वह विजेता रहे जबकि एक में दूसरे स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन सत्र में उनके शानदार दबदबे को दशार्ता है।

पथिरागे ने बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके 10 खिलाड़ियों के मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। यह इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था। इससे पहले उन्होंने रोम में 92.62 मीटर का थ्रो किया था।

इस सत्र में अब तक 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो करने वाले दूसरे खिलाड़ी जर्मनी के जूलियन वेबर हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरूआत में बर्मिंघम में यूरोपीय चैंपियनशिप में 90.40 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन चोट के कारण वह किसी भी डायमंड लीग मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके और अब फाइनल में भी नहीं खेलेंगे।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में उन्होंने 86.93 मीटर का थ्रो किया और पथिरागे के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पथिरागे और पीटर्स दोनों ही ज्यूरिख प्रतियोगिता से पहले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे।

मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वॉलकॉट भी डायमंड लीग फाइनल में खेलेंगे। वह 23 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

उनके बाद अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 20 अंक के साथ चौथे और कीनिया के जूलियस येगो 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं। यह प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी।

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में आठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। नीरज चोपड़ा इस समय सातवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सचिन यादव आठवें स्थान पर हैं।

हालांकि, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची छह सितंबर को जारी की जाएगी।

अल्टीमेट चैंपियनशिप की रैंकिंग में पथिरागे, पीटर्स, थॉम्पसन और वेबर भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से आगे हैं।

पाकिस्तान के अरशद नदीम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के वॉलकॉट भी क्वालीफाई कर चुके हैं। नदीम मौजूदा ओलंपिक चैंपियन जबकि वॉलकॉट मौजूदा विश्व चैंपियन हैं।

पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के विजेता को भी अल्टीमेट चैंपियनशिप में सीधे हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

बाकी पांच खिलाड़ियों का चयन विश्व रैंकिंग के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए क्वालीफिकेशन की अवधि दो सितंबर 2025 से एक सितंबर 2026 तक रखी गई है।

पहली बार होने वाली अल्टीमेट चैंपियनशिप में ओलंपिक चैंपियन, विश्व चैंपियन और डायमंड लीग विजेता एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेंगे। यह विश्व एथलेटिक्स की एक बड़ी और महत्वाकांक्षी पहल है।

यह प्रतियोगिता हर दो साल में आयोजित होगी। इसे उन वर्षों में सत्र के अंत की बड़ी चैंपियनशिप के रूप में आयोजित किया जाएगा, जब आउटडोर वर्ल्ड चैंपियनशिप नहीं होगी।

इस साल प्रतियोगिता में कुल एक करोड़ अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि होगी। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

वेलावन सेंथिलकुमार बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश फाइनल में

बुडापेस्ट, एजेंसी।

भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल मुकाबले में अपने हमवतन वीर चोटरानी को हराकर हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर के पीएसए कॉपर टूनार्मेंट बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में सेंथिलकुमार का मुकाबला स्थानीय खिलाड़ी बालाज फरकास से होगा।

विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी को 9-11, 11-8, 11-7, 1-11, 12-10 से हराकर अपने 15वें पीएसए टूर फाइनल में जगह बनाई।

सेंथिलकुमार ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के विश्व के नंबर 18 और शीर्ष वरीयता प्राप्त ईन यो एनजी को 11-2, 11-9, 11-8 से हराया था। यह टूर पर सेंथिलकुमार और फरकास की तीसरी भिड़ंत होगी। हंगरी के खिलाड़ी 2019 में हुए मुकाबले में जीत हासिल की थी जबकि भारतीय खिलाड़ी ने 2024 में जीत दर्ज की थी।

प्रणवी की शानदार शुरूआत, दीक्षा, त्वेशा और अवनी पर कट से चूकने का खतरा

स्ट्राफन (आयरलैंड), एजेंसी।

प्रणवी उर्स ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में शानदार शुरूआत करते हुए तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया लेकिन अन्य भारतीय खिलाड़ियों दीक्षा डागर, अवनी प्रशांत और त्वेसा मलिक पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है।

प्रणवी ने 10वें होल से शुरूआत की। उन्होंने 10वें, 16वें और 17वें होल पर बर्डी बनाई और फिर पहले होल पर एक और बर्डी जोड़ी। उन्होंने प्रणवी ने आठवें होल पर अपना एकमात्र शॉट गंवाया।

वर्तमान में एलईटी रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज दीक्षा और त्वेसा दोनों ने 74 का स्कोर बनाया और वे संयुक्त 69वें स्थान पर हैं। कट में जगह बनाने के लिए उन्हें दूसरे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अवनी प्रशांत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने सात ओवर में 79 का स्कोर बनाया। उनके लिए कट में जगह बना पाना बहुत मुश्किल होगा।

लवलीना को नहीं मिला नाइजीरियाई साथ

नई दिल्ली। हांगझोऊ एशियाई खेलों का रजत जापान में स्वर्ण बनाने को भारतीय बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने नाइजीरियाई दिग्गज बॉक्सर पैट्रीशिया म्बाता संग तैयारी की योजना बनाई, पर साई के मंजूरी देने में देरी से यह कवायद खटाई में पड़ गई। टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता लवलीना की उच्चस्तरीय तैयारी को देश में 75 किलो का बॉक्सर नहीं है। महिला टीम के कोच सेंटियागो ने विदेशी स्पायरिंग पार्टनर संग तैयारी को कहा। इसके लिए 2024 अफ्रीकन गेम्स की स्वर्ण विजेता पैट्रीशिया को तैयारी कराने को मनाया गया। पैट्रीशिया ने लवलीना को 20 से 30 अगस्त तक एनआईएस पटियाला में तैयारी कराने की हामी भरी। उनका भारत का वीजा भी लग गया, पर 20 अगस्त तक पैट्रीशिया को साई से भारत आने की मंजूरी नहीं मिली। सूत्र बताते हैं दो दिन पूर्व मिशन ओलंपिक सेल की ओर से लवलीना की पैट्रीशिया के साथ तैयारियों को 2.84 लाख रुपये के खर्च पर मंजूरी दी गई।

पुर्तगाल के गुआर्डा एफसी ने मुंबई में जन्में योहान बेंजामिन से दो साल के लिए करार किया

मुंबई, एजेंसी।

पुर्तगाल के फुटबॉल क्लब गुआर्डा एफसी ने मुंबई में जन्में भारतीय युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी योहान बेंजामिन के साथ दो साल का करार किया है। हालांकि यह अनुबंध अंतरराष्ट्रीय मंजूरी और वीजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रभावी होगा।

योहान के यूरोपीय फुटबॉल करियर में यह करार एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही, यह गुआर्डा एफसी के उस लक्ष्य के अनुरूप है जिसमें वह भारत, एशिया और अन्य उभरते फुटबॉल बाजारों की युवा प्रतिभाओं को यूरोपीय फुटबॉल में आगे बढ़ने का मौका देना चाहता है।

योहान बेंजामिन ने कहा, गुआर्डा एफसी के साथ जुड़ना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यूरोप में मेरे सफर में यह एक और अहम कदम है। मुझे इस स्तर पर आगे बढ़ने, मुकाबला करने और खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। मुझ पर भरोसा करने और मौका देने के लिए मैं क्लब का आभारी हूं। मिडफील्डर योहान ने अपने फुटबॉल करियर की शुरूआत फुटबॉल स्कूलों और अकादमियों से की जिसमें कॉनशिएंट फुटबॉल मुंबई, बेंगलोर फुटबॉल अकादमी और मिनर्वा फुटबॉल अकादमी शामिल हैं। इसके बाद वह 2022 की शुरूआत में शिलॉन्ग लाजोंग से जुड़ गए।

इमरान के बेटों ने उनकी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई, कहा कि वे उन्हें जान से मारना चाहते हैं

लंदन, एजेंसी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और महान क्रिकेटर इमरान खान के बेटों सुलेमान और कासिम ने जेल में बंद अपने पिता की सुरक्षा को लेकर आशंका जताई है और कहा है कि उन्हें 'वहां जान से मारने के लिए खुलेआम' प्रयास किए जा रहे हैं।

दोनों भाई 'स्काई स्पोर्ट्स' पर प्रसारित 18 मिनट के एक साक्षात्कार में दिखाई दिए जो इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथर्टन ने लिया था। एथर्टन उन दिग्गज 21 क्रिकेटरों में शामिल थे जिन्होंने पाकिस्तान सरकार को पत्र भेजकर इमरान को उचित चिकित्सा मुहैया कराने की अपील की थी।

कासिम ने अपने 73 वर्षीय पिता की वर्तमान स्थिति के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ह्वह्ववे जो कर रहे हैं उससे स्पष्ट हो जाता है कि उन्हें खुले आम करने की कोशिश कर रहे हैं। वे जितना संभव हो उन्हें जेल में रखना चाहते हैं और उन्हें विश्वास है कि वे उनकी आवाज दबा देंगे।

उन्होंने कहा, हाल में जब हमारे रिश्तेदारों ने उनसे मुलाकात की थी तो उन्होंने (इमरान) कहा था कि हालात बेहद खराब हो गए हैं। वह इसकी तुलना उन अन्य राजनीतिक कैदियों से कर रहे थे जिन्हें मार दिया गया है या जिनकी जेल में मौत हो गई है।

कासिम ने कहा, ह्वह्वअभी स्थिति पहले से भी बदतर है। उन्हें दिन में 23 घंटे से अधिक समय तक एक कोठरी में पूरी तरह से अलग-थलग रखा जाता है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार गुरुवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे

दूसरे टेस्ट मैच के लंच के दौरान प्रसारित किए गए इस इंटरव्यू से नाराज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच आगे नहीं खेलने पर भी विचार किया। बोर्ड ने इसके बाद प्रसारणकर्ता के पास शिकायत दर्ज कराई थी।

इमरान राजनेता होने के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं। उनकी कप्तानी में ही पाकिस्तान ने 1992 में अपना एकमात्र वनडे विश्व कप जीता था।

हाल ही में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इमरान की चिकित्सा जांच की गई। उन्हें इस्लामाबाद के शिफा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जांच के कुछ ही घंटों के भीतर उन्हें वापस जेल भेज दिया गया।

सुलेमान ने कहा कि इमरान की जांच स्वतंत्र डॉक्टरों द्वारा नहीं की गई है। उन्होंने कहा, ह्वह्वइससे हमें बस यह सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है कि वे क्या छिपा रहे हैं। वे किसी निष्पक्ष, तटस्थ डॉक्टर से उनकी जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं। सुलेमान ने कहा, ह्वह्वजब अदालत ने चिकित्सा जांच का आदेश दिया था, तब हमारी कुछ उम्मीद बंधी थी लेकिन हमारी आशंकाएं तब सच साबित हुईं जब उन्हें निजी अस्पताल ले जाने के बजाय सरकारी अस्पताल ले जाया गया और फिर उन्हें जेल वापस भेज दिया गया।

उन्होंने कहा, चोट लगने के कारण उनकी आंख पर पट्टी बंधी हुई थी। वह काफी तनाव में दिख रहे थे। मैंने उन्हें जितनी बार भी देखा है, वह हमेशा शांत और आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आए हैं।

इन दोनों भाइयों ने कहा कि उन्होंने इमरान को 2022 के बाद अपने सामने नहीं देखा है। उनसे फोन पर उनकी आखिरी बातचीत इस साल मार्च में हुई थी। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता से मिलना चाहते थे लेकिन उन्हें वीजा नहीं दिया गया।